दैनिक
बुलन्द मंज़िल
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

PRGI NO. - UPBIL/25/A4797

उ.प्र. के जनपद सम्भल से प्रकाशित...
बरेली मण्डल व मुरादाबाद मण्डल के जनपद अमरोहा, रामपुर, बिजनौर से प्रसारित...

वर्ष : 01 | अंक : 129 | संभल, मंगलवार 21 अप्रैल 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य: 05/-रू.

पेज :- 03- महानगर के 9 मंडलों में मन की बात , डॉ श्यामा प्रसाद...

पेज :- 04- रोटरी क्लब हापुड़ के नवनियुक्त अध्यक्ष मुस्लिम कुरैशी..

जम्मू-कश्मीर सड़क हादसाः

उधमपुर में खाई में गिरी बस, 21 लोगों की मौत

››› पीएम मोदी ने जताया शोक, मुआवजे की घोषणा

एजेंसी

उधमपुर। जिले में जम्मू-श्रीनगर मार्ग पर एक यात्री बस खाई में गिरने से 21 लोगों की मौत हो गई और कई यात्री गंभीर रूप से घायल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई नेताओं ने शोक व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 2 लाख और घायलों को 50 हजार की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में हुए भीषण सड़क हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 15 से 21 हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा सोमवार सुबह रामनगर क्षेत्र के कागोट गांव के पास हुआ था, जब एक यात्री बस पहाड़ी सड़क पर अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। बस एक दूरदराज के गांव से उधमपुर की ओर जा रही थी, तभी एक मोड़ पर चालक का नियंत्रण खो गया और वाहन खाई में जा गिरा। हादसे में कई लोग घायल भी हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद मौके पर राहत और बचाव कार्य तेजी से

शुरू किया गया। प्रशासन और पुलिस की टीमों ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। अधिकारियों के अनुसार, हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। इलाके में शोक का माहौल है और प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है। हादसे के बाद केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने उधमपुर के उपायुक्त से बात की और गंभीर रूप से घायलों को एयरलिफ्ट करने की व्यवस्था किए जाने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राहत और बचाव कार्य तेजी से जारी है और प्रशासन के साथ लगातार संपर्क में हैं।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी हादसे पर दुख जताते हुए प्रशासन को राहत और बचाव कार्य तेज करने और प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों ने बताया कि उधमपुर जिला अस्पताल में इलाज के दौरान गंभीर रूप से घायल दो और लोगों की मौत हो गई जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 21 हो गई। शर्मा ने कहा कि स्थानीय निवासियों ने बचाव कार्य में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, रामनगर के थाना प्रभारी और अन्य अधिकारी समेत पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर सेना के जवानों के साथ संयुक्त बचाव अभियान चलाया। बाद में हाइड्रोलिक क्रेन की मदद से वाहन को सीधा किया गया।

उन्होंने बताया कि पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात और जम्मू जोन के पुलिस महानिरीक्षक भीम सेन टूटी फोन पर स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। उधमपुर से रामनगर जा रहे एक सैन्य काफिले का नेतृत्व कर रहे एक जवान ने बताया कि बस को पहाड़ी से नीचे लुढ़कते देख उन्होंने तुरंत कार्रवाई की। उसने कहा, ह्लमैं काफिले का नेतृत्व कर रहा था, तभी यह हादसा हुआ। वाहन करीब 100 मीटर की ऊंचाई से गिरा। हमने तुरंत क्षेत्र की घेराबंदी कर बचाव अभियान शुरू किया और कड़ी मश्क्कत से यात्रियों को निकाला।

इस दुखद घटना पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गहरा शोक व्यक्त किया

राष्ट्रपति मुर्मू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि वह इस हादसे में हुई जानमाल की क्षति से अत्यंत दुखी हैं। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

पीएम मोदी ने जताया शोक

इस भीषण बस हादसे में 20 लोगों की मौत और 20 से अधिक लोगों के घायल होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गहरा शोक व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताते हुए घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। साथ ही उन्होंने घोषणा की है कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख और घायलों को 50 हजार की सहायता दी जाएगी।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। अब्दुल्ला ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, सरकार दुख की इस घड़ी में पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है और सभी आवश्यक सहायता प्रदान की जा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने भी घटना पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, उधमपुर-रामनगर बस हादसे से बेहद दुखी हूं। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करती हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। जम्मू-कश्मीर कांग्रेस अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने भी दुख जताते हुए अधिकारियों से प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत, समुचित चिकित्सा सुविधा और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का आग्रह किया। इससे पहले, केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने दुर्घटना के बाद उधमपुर के उपायुक्त मिंगा शेरपा से बात की और कहा कि गंभीर रूप से घायल पीड़ितों को हवाई मार्ग से अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है।

'टीएमसी के शासन में जनता डर के साये में जीने को मजबूर', बंगाल में ममता सरकार पर गरजे राजनाथ सिंह

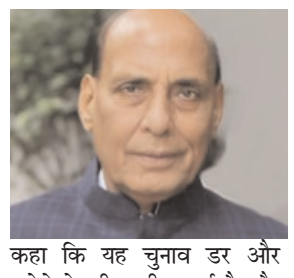

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल का चुनावी रण अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है और सियासी घमासान अपने चरम पर है। मतदान से ठीक पहले आरोपों की बौछार और बयानबाजी का तूफान तेज हो गया है। इसी उबाल के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंच से सीधा वार करते हुए तृणमूल कांग्रेस पार्टी (टीएमसी) और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार पर गंभीर आरोपों की झड़ी लगा दी। उन्होंने दावा किया कि टीएमसी के शासन में राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है और जनता डर, भ्रष्टाचार और अपराध के साये में जीने को मजबूर है।

बंगाल के बीरभूम जिले के सैंथिया में रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में उद्योग और निवेश कम हो रहे हैं क्योंकि यहां सुरक्षा की कमी है। उन्होंने कहा कि जहां देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है, वहीं बंगाल पीछे रह गया है।

बांग्लादेश से घुसपैठ के मुद्दे पर क्या बोले राजनाथ सिंह

बांग्लादेश से घुसपैठ के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि सीमा पर बाड़ लगाने का काम राज्य सरकार की देरी की वजह से प्रभावित हुआ। भाजपा सरकार बनने पर इस काम को तेजी से पूरा किया जाएगा और घुसपैठ रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाएंगे। इसके अलावा उन्होंने किसानों को बेहतर दाम दिलाने, आयुष्मान भारत योजना लागू करने और बंगाल को मछली उत्पादन में नंबर वन बनाने का वादा भी किया। राजनाथ सिंह ने कहा कि यह चुनाव डर और भरोसे के बीच की लड़ाई है और लोगों से भाजपा को वोट देकर नया बंगाल बनाने की अपील की।

ममता बनर्जी पर लगए गंभीर आरोप

अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके शासन में भ्रष्टाचार, जमीन माफिया और भाई-भतीजावाद बढ़ा है। उन्होंने दावा किया कि अगर भाजपा सत्ता में आई तो अपराधियों पर सख्त कार्रवाई होगी और महिलाएं सुरक्षित महसूस करेंगी। इस दौरान महिलाओं की सुरक्षा को लेकर उन्होंने दुर्गा स्क्वॉड बनाने का वादा किया, जो महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों पर कड़ी कार्रवाई करेगा।

राज्य में बढ़ रही बेरोजगारी-राजनाथ सिंह

इसके साथ ही सिंह ने यह भी कहा कि राज्य में बेरोजगारी बढ़ रही है और युवा काम के लिए दूसरे राज्यों में जा रहे हैं। भाजपा सरकार बनने पर 5 साल में 5 लाख नौकरियां देने और हर साल 1 लाख रोजगार देने का वादा किया। रक्षा मंत्री ने यह भी भरोसा दिलाया कि सत्ता में आने के डेढ़ महीने के अंदर सरकारी कर्मचारियों के लिए सातवें वेतन आयोग को लागू किया जाएगा।

सपा सरकार बनने पर यूपी के लोगों को 300 यूनिट बिजली देंगे मुफ्त, महिलाओं को 40 हजार की पेंशनः अखिलेश

एजेंसी

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार बनने पर प्रदेश के उपभोक्ताओं को 300 यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी। महिलाओं को साल में 40 हजार रुपये पेंशन दी जाएगी। भाजपा सरकार में स्मार्ट मीटर के नाम पर उपभोक्ताओं को परेशान किया जा रहा है। अखिलेश यादव प्रदेश सपा मुख्यालय पर बुंदेलखंड समेत प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए बड़ी संख्या में कार्यकताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर के नाम पर चल रही बिजली की ठगी के खिलाफ उत्तर प्रदेश की जनता के गुस्से का मीटर हाई है, क्योंकि उसे पता चल गया है कि ज्यादा बिल आने का असली कारण भाजपा का भ्रष्टाचार है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि लोकसभा चुनाव का

परिणाम दोहराते हुए 2027 में अधिक से अधिक विधायक जिताना है। भाजपा अनर्गल आरोप लगाकर समाजवादियों को बदनाम करने की कोशिश करती है। भाजपा नरेटिव तो गढ़ती है लेकिन जनता की उम्मीदों पर खरी नहीं उतरती है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से सोमवार को प्रदेश पार्टी मुख्यालय पर बिहार के मुजफ्फरपुर से मुंबई स्थित प्रसिद्ध हाजी अली दरगाह तक स्केटिंग करते हुए जा रहे मो. तौहीद रजा, मो. साजिद, मो. अमीरुल और मो. अली ने मुलाकात की। अखिलेश यादव ने नौजवानों की यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी भी मौजूद रहे।

नकली विरोध की शूटिंग करा रही भाजपा : अखिलेश

सपा अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा और उनके संगी-साथी साजिश करने से बाज नहीं आएंगे। अब नकली विरोध की शूटिंग कराई जा रही है। इसमें शामिल युवक-युवतियों का हम कोई दोष नहीं मानते हैं, क्योंकि बेतहाशा बेरोजगारी के इस भाजपाई दौर में मजबूर होकर दो पैसों की उम्मीद में लोग कुछ भी करने को तैयार हैं। भाजपा पहले गरीबी-मजबूरी पैदा करती है, फिर उन बेबस लोगों की मजबूरी का फायदा उठाते हुए उन्हें अपने गलत इरादों के लिए इस्तेमाल करती है।

हाई कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल और अन्य लोगों की उस याचिका को किया खारिज

एजेंसी

दिल्ली। हाई कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल और अन्य लोगों की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें दिल्ली आबकारी नीति मामले की सुनवाई से जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा को हटाने की मांग की गई थी। जस्टिस शर्मा ने इस याचिका को खारिज करते हुए कहा कि इसमें किए गए दावों के समर्थन में कोई सबूत नहीं है, और ये दावे केवल उन आरोपों पर आधारित हैं जो उनकी विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हैं। फैसला सुनाते हुए उन्होंने कहा कि जब मैंने यह फैसला लिखना शुरू किया, तो कोर्टरूम में पूरी तरह सन्नाटा छा गया था। उस वक्त मेरे कंधों पर सिर्फ एक जज होने का दायित्व था, जिसने भारत (यानी इंडिया) के संविधान की शपथ ली है। मुझे एहसास हुआ कि एक जज के तौर पर मेरी खामोशी की ही परीक्षा हो रही

थी, और अब सवाल जज की निष्पक्षता और खुद इस संस्था की साख को लेकर था। आदेश सुनाते हुए जस्टिस शर्मा ने इस स्थिति को कोर्ट के लिए मुश्किल बताया। अब, यह खुद को केस से अलग करने (recusal) की मांग को लेकर एक 'कैच-22' वाली स्थिति है। इस मामले में मुझे ऐसी स्थिति में डाल दिया गया है कि चाहे मैं खुद को केस से अलग करूँ या न करूँ, सवाल तो उठेंगे ही। आवेदक (केजरीवाल) ने अपने लिए एक ऐसी स्थिति बना ली है जिसमें हर हाल में उन्हीं की जीत होगी। उन्होंने समझाया कि खुद को केस से अलग करने पर यह संकेत मिल सकता है कि आरोपों में कुछ सच्चाई है, जबकि केस की सुनवाई जारी रखने पर आलोचना का सामना करना पड़ सकता है।

अदालत ने कहा, पक्षपात का कोई सबूत नहीं

अदालत ने यह साफ कर दिया कि पक्षपात के आरोपों के लिए ठोस सबूत होने चाहिए, सिर्फ. शक काफी नहीं है। किसी मुकदमेबाज की आम बेचैनी, या यह आशंका कि शायद यह अदालत उसे राहत न दे, उस ऊँचे मापदंड से बहुत नीचे रहनी चाहिए जो किसी जज के खुद को मुकदमे से अलग करने के लिए जरूरी होता है। जज ने जोर देकर कहा कि फैसले सिर्फ.धारणाओं या अंदाजों से प्रभावित नहीं हो सकते, बल्कि वे पूरी तरह से कानून और तथ्यों पर आधारित होने चाहिए।

राम मंदिर के प्रसाद को मिलेगा शुद्धता का प्रमाणपत्र

"भोग", रसोइया व कोठारी को दिया जा रहा प्रशिक्षण

अयोध्या। राम मंदिर में रामलला को अर्पित किए जाने वाले भोग प्रसाद को जल्द ही खाद्य सुरक्षा स्टैंडर्ड अथारिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) की ओर से शुद्धता का प्रमाण पत्र प्रदान किए जाने की तैयारी है। इस शुद्धता के प्रमाण पत्र को "भोग" कहा जाता है। इसके लिए राम मंदिर के रसोइयों व कोठारियों को खाद्य सुरक्षा, स्वच्छता व गुणवत्ता मानकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अगले माह एफएसएसएआई (भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण) की ऑडिट टीम राम मंदिर पहुंचेगी। यहां प्रसाद निर्माण, रसोई व्यवस्था, खाद्य सामग्री की गुणवत्ता, जल की शुद्धता, स्वच्छता व्यवस्था, और कर्मचारियों के स्वास्थ्य मानकों की जांच की जाएगी। सभी मानक पूरे होने पर मंदिर को "भोग" प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा। खाद्य सुरक्षा विभाग के सहायक आयुक्त मानिक चंद बताते हैं कि एफएसएसएआई उन पूजा स्थलों को "भोग" प्रमाणपत्र प्रदान करता है, जो खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता के पूर्व-निर्धारित मानदंडों को पूरा करते हैं। इसके तहत, प्रसाद तैयार करने वाले रसोई कर्मचारियों और विक्रेताओं को भोजन सुरक्षा और स्वच्छता के बारे में प्रशिक्षित किया जाता है। इसी उद्देश्य से रसोइया के स्टॉफ की मेडिकल जांच की जा रही है। भोजन बनाने में उपयोग होने वाली पानी की गुणवत्ता, पैक्ड़ खाद्य सामग्री की जांच, प्रसाद अर्पण की विधि तक का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस पहल का मुख्य लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि भगवान को अर्पित किया जाने वाला और श्रद्धालुओं को मिलने वाला प्रसाद स्वच्छ, पौष्टिक और सुरक्षित हो। यह परियोजना "ईट राइट इंडिया" अभियान का एक हिस्सा है, जो सही भोजन की आदतों को बढ़ावा देता है।

दिल्ली के आप नेता से जुड़े हैं तार, जांच शुरू; जानें AAP की प्रतिक्रिया

गांधीनगर (एजेंसी)। सूरत पुलिस ने एक अंतरराज्यीय हवाला नेटवर्क का पदार्फाश किया है। इस नेटवर्क के तार कथित तौर पर आम आदमी पार्टी (आप) के पदाधिकारियों से जुड़े हैं। आरोप है कि गुजरात में होने वाले स्थानीय निकाय चुनावों से पहले दिल्ली से सूरत करीब 1.25 करोड़ रुपये आंगड़िया (कूरियर) चैनल के जरिए भेजे गए। जांच में अजय तिवारी नाम के एक अन्य व्यक्ति की भूमिका भी सामने आई है। अजय तिवारी और आकाश मिश्रा सूरत में इस पैसे के मुख्य हैंडलर थे। वे दोनों साथ जाकर आंगड़िया फर्म से पैसे लेते थे और फिर उसे अलग-अलग इलाकों में बांटने का काम करते थे। पुलिस को 10 मार्च का एक सीसीटीवी फुटेज भी मिला है, जिसमें ये दोनों कैश लेते हुए दिखाई दे रहे हैं।पुलिस के अनुसार, हिमांशु पहुजा दिल्ली के जनकपुरी में पनीर की दुकान चलाता है। वह पहले कांग्रेस में था लेकिन अब आप का सक्रिय कार्यकर्ता है।

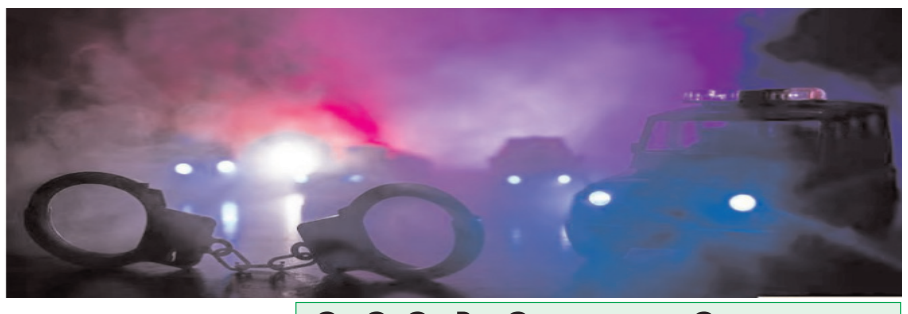

पूछताछ में क्या आया सामने

पूछताछ में खुलासा हुआ कि पिछले पांच महीनों में हिमांशु पहुजा ने सूरत की एक आंगड़िया फर्म के जरिए पांच से छह बार में करीब 1.25 करोड़ रुपये भेजे। पुलिस ने एक आंगड़िया फर्म की पहचान कर ली है और अंदेशा जताया है कि इसमें अन्य फर्मों का भी इस्तेमाल हुआ होगा। पुलिस का मानना है कि इस पैसे का इस्तेमाल आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में किया जाना था।

डीसीपी ने दी जानकारी

सूरत के क्राइम ब्रांच डीसीपी भावेश रोजिया ने बताया कि उमरा पुलिस स्टेशन को सोमवार सुबह एक गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के मुताबिक, दिल्ली के जनकपुरी में रहने वाले आप कार्यकर्ता हिमांशु पहुजा ने हवाला के जरिए सूरत में बड़ी रकम भेजी है। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने सूरत निवासी आकाश मिश्रा को पूछताछ के लिए बुलाया। जिसका पाहुजा से संबंध है। क्राइम ब्रांच की टीम ने भी उससे पूछताछ की।

दिल्ली में पेड़ों की सुरक्षा सख्तः तनों में कील ठोकी, जड़ों को नुकसान पहुंचाया तो बढ़ेगी मुश्किल

दिल्ली। में अब पेड़ों की अवैध कटाई, तनों में कील ठोकने, जड़ों को नुकसान पहुंचाने, शाखाएं तोड़ने या किसी भी तरह क्षति पहुंचाने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने पेड़ों से जुड़े अपराधों पर रोक लगाने के लिए नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है। इसके तहत शिकायत मिलते ही टीम मौके पर पहुंचेगी, सबूत जुटाए जाएंगे और दोषियों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। राजधानी दिल्ली में हरियाली बचाने के लिए सरकार ने ये महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब पेड़ों को काटना ही नहीं, बल्कि किसी भी तरह नुकसान पहुंचाना भी भारी पड़ सकता है। दिल्ली सरकार ने दिल्ली प्रिजर्वेशन ऑफ ट्रीज एक्ट 1994 की धारा 33 के तहत नई स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) लागू की है, ताकि पेड़ों से जुड़े अपराधों पर तुरंत और सख्त कार्रवाई हो सके। सरकार ने ग्रीन हेल्पलाइन नंबर 1800118600 को दोबारा सक्रिय किया है। साथ ही, ग्रीन हेल्पलाइन पोर्टल भी है। इन्हें प्रचारित किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका उपयोग करे। शिकायत मिलते ही सूचना संबंधित फील्ड अधिकारियों तक तुरंत भेजी जाएगी। इसके बाद मुख्यालय और डिवीजन स्तर पर बनाई गई क्विक रिस्पॉन्स टीम (क्यूआरटी) तय समय सीमा में मौके पर पहुंचेगी। ये टीमें मौके पर जाकर आगे नुकसान रोकेंगी, स्थिति की जांच करेंगी और जियो टैग्ड फोटो व वीडियो के जरिए सबूत जुटाएंगी। इससे कार्रवाई में पारदर्शिता रहेगी और बाद में दोषियों के खिलाफ मजबूत केस तैयार किया जा सकेगा।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल

सम्पादकीय

संभल
मंगलवार , 21 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

महिला आरक्षण : हार कर भी जीत गई मोदी सरकार

लोकसभा में महिला आरक्षण को लेकर 16 व 17 अप्रैल को पक्ष-विपक्ष के बीच जमकर बहस हुई। सरकार की पूरी कोशिश रही कि किसी तरह संशोधित महिला आरक्षण बिल को पारित करा लिया जाए। लोकसभा में महिला आरक्षण संशोधन बिल सहित तीन विधेयकों को पेश किए जाने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने विरोध कर रहे विपक्षी दलों को अपनी तरफ से तरह-तरह से समझाने की कोशिश की। क्रेडिट कार्ड से लेकर ब्लैंक चेक जैसी बातों से प्रधानमंत्री ने पूरे विपक्ष को भरोसा दिलाने की कोशिश की। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी आंकड़ों के जरिए विपक्ष के सवालों का जवाब देने की पूरी कोशिश की, लेकिन विपक्ष अपनी जिद पर अड़ा रहा। सभी मुख्य विपक्षी दलों ने इस बिल का न सिर्फ फ्लोर पर विरोध किया बल्कि मतदान के दौरान भी विरोध किया। मतदान में कुल 528 सांसदों ने हिस्सा लिया। जिसमें पक्ष में 298 और विरोध में 230 मत पड़े। सरकार को इस बिल को पारित कराने के लिए दो-तिहाई बहुमत यानी 352 मतों की जरूरत थी लेकिन सरकार दो तिहाई समर्थन प्राप्त नहीं कर पाई। सत्तापक्ष के पास दो-तिहाई वाला आंकड़ा नहीं है लेकिन सरकार ने एक ऐसा एजेंडा जरूर सेट कर दिया, जिससे हार भी जीत के रूप में दिखाई दे। लोकसभा सदन में मतदान से पहले नोटिफिकेशन जारी कर सरकार ने महिला आरक्षण कानून 2023 लागू कर दिया ताकि अन्य संवैधानिक पेचीदगियों से बचा जा सके। अब महिला आरक्षण कानून 2023 राष्ट्रीय जनगणना के बाद लागू करने की कोशिश होगी। देश की आधी आबादी को साधने की भाजपा की रणनीति का बड़ा एजेंडा महिलाओं को 2029 के लोकसभा चुनाव में 33 प्रतिशत आरक्षण देने का मंसूबा भले ही पूरा नहीं हो सका लेकिन फिर भी भाजपा के दोनों हाथों में लड्डू मौजूद हैं। भाजपा अब मोदी सरकार की संसद में इस पहली बड़ी हार को भविष्य की जीत का आधार बनाने की कोशिश करेगी। इसकी शुरुआत मौजूदा पश्चिम बंगाल एवं तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से ही हो जाएगी और आगामी 2029 का लोकसभा चुनाव इसका बड़ा मंच होगा। इस दौरान भाजपा और उसके सहयोगी दल मिलकर विपक्षी दलों पर लगातार महिला विरोधी होने का आरोप चस्पा करने की कोशिश करते रहेंगे। चूंकि विपक्ष के तेवरों को देखते हुए गुरुवार 16 अप्रैल को ही साफ हो गया था कि विपक्ष के बिना दो तिहाई समर्थन मिलना मुश्किल होगा। यही कारण रहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने भाषण में विधेयक के गिरने के बाद की भाजपा की पिच तैयार कर दी थी। भाजपा ने अब बाद की रणनीति पर काम भी शुरू कर दिया था। एनडीए की महिला सांसदों ने विधेयक गिरने के साथ ही संसद भवन के प्रवेश द्वार पर बारिश के बीच विपक्ष के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। भाजपा देशभर में महिलाओं के धरना प्रदर्शन के जरिए विपक्ष पर महिला विरोधी होने का आरोप लगाएगी। पश्चिम बंगाल एवं तमिलनाडु के बाकी चुनाव प्रचार में भी महिला आरक्षण एनडीए का बड़ा मुद्दा होगा। भाजपा इस मुद्दे को 2029 के लोकसभा चुनाव तक गरमाए रखेगी। तब तक उत्तरप्रदेश सहित कई राज्यों के चुनाव में भाजपा इसे प्रखरता से उठाएगी। जिस तरह से भाजपा आपातकाल को लेकर कांग्रेस को घेरती है। उसी तरह उसे महिला विरोधी बताने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी। भाजपा को जब 2024 के चुनाव में बहुमत नहीं मिला तब उसके लिए विपक्ष के साथ इतने टकराव वाली स्थिति में दो तिहाई बहुमत कैसे मिल सकता था। इसलिए भाजपा ने इस विधेयक के माध्यम से विपक्ष को घेरने की कोशिश की और अगले चुनाव में देश की आधी आबादी को साथ लेकर फिर से अपनी ताकत को बढ़ाने का काम शुरू कर दिया है।

देश को जोड़े रखने वाला अहम कदम परिसीमन

सामयिक

बरुण सखाजी श्रीवास्तव

परिसीमन एक समान मताधिकार जैसी प्रणालियों का अभिन्न हिस्सा होता है। जाहिर है जब संख्या के आधार पर सबके वोट की वैल्यू समान होती है, तो प्रतिनिधित्व समान क्यों नहीं होना चाहिए? देश में सबसे छोटी लोकसभा सीट लक्षदीप है जहां 50-60 हजार वोटर्स हैं। वहीं सबसे बड़ी सीट मलकाजगिरी तेलंगाना की है जहां 30 लाख से ज्यादा वोटर हैं। अब आप ही बताइए, एक मलकाजगिरी में 60 लक्षदीप जैसी लोकसभा सीटें समा सकती हैं। ऐसे में यह संविधान में प्रदत्त सबको एक समान वोट के अधिकार का वॉयलेशन है।

यह तो बात हुई आबादी के अनुरूप लोकसभा में प्रतिनिधित्व की। किंतु एक फैक्ट यह भी है कि जहां आबादी बहुत कम है, तब क्या वह देश की सबसे बड़ी सभा में प्रतिनिधित्व ही न कर पाएगा। इसीलिए मौजूदा प्रशासनिक भारत के निर्माताओं ने भाषाई आधार पर प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया, किंतु यह कोई शुद्ध प्रक्रिया नहीं सिद्ध हुई। भाषा के आधार पर भारत के सीने पर हमेश-हमेशा के लिए यह विभाजन की लकीर बनकर उभरती रही है। ऐसे में नए सिरे से जब परिसीमन हो रहा है तो यह देख लेना चाहिए कि आज का कुछ भी स्टेप कल विभाजनकारी शक्तियों का शस्त्र न बन पाए। जैसा कि सारे भारत को स्टालिन और उनका परिवार 70 वर्षों से थ्रेट करता रहता है। आबादी, जमीन, प्रकृति और सांस्कृति का संतुलन जरूरी है। किंतु इनमें से किसी एक को ही आधार बनाकर परिसीमन करना खतरनाक है। जैसा कि भारत के प्रशासनिक नक्शे को खींचते समय तबके राजनेताओं ने किया था। अब इसे सुधारने का वक्त है।

अब सवाल उठता है सुधारा जाए कैसे?

इसे सुधारने के लिए कुछ भ्रमों को दूर करना जरूरी है। यह भ्रम स्टालिन, करुणानिधि का परिवार बीते 70 वर्षों से तमिल के रास्ते बोता, काटता आया है। अब फिर वही हो रहा है। इसे ठीक से समझने के लिए हमें कुछ इन बातों को समझना होगा।

सबसे पहले ये जानिए कि देश में हिंदी वर्सस गैरहिंदी का प्रतिनिधित्व कैसा है?

उत्तर-दक्षिण का द्वंद कहां है और कैसे यह सियासत में रियासतावाद बना?

तमिल ही क्यों प्रतिरोध का अड्डा बनता है?

यह आग कौन फैलाता है और किसे फायदा होता है?

प्रश्न-1 : इन चार प्रश्नों के उत्तर खोजते हैं। पहला प्रश्न हिंदी वर्सस गैर हिंदी का है। यूपी, बिहार, एमपी, सीजी, झारखंड, दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा, हिमाचल, उत्तराखंड समेत सिर्फ 10 ही हिंदी राज्य हैं। इन दस राज्यों में लोकसभा 225 और आबादी 57 करोड़ है। लोकसभा में वर्तमान सीटों के हिसाब से प्रतिनिधित्व 40 फीसदी है। अब इसके उलट जाकर देखें तो गैर हिंदी भाषी राज्यों की संख्या 25 है जहां की आबादी 90 करोड़ और लोकसभा सीटों की संख्या 320 है। यह लोकसभा में 60 फीसदी हिस्सेदारी है। तब भाषा कहां मैटर करती है?

प्रश्न-2 : उत्तर-दक्षिण भूभाग में बांटना भारत को संभव नहीं। क्योंकि भारत का कुल क्षेत्रफल 33 लाख वर्ग किलोमीटर है और इसकी उत्तर-दक्षिण वर्टिकल लाइन 3214 किलोमीटर और पूर्व-पश्चिम वर्टिकल लाइन 2933 किलोमीटर है। ऐसे में यह उत्तर-दक्षिण हो कैसे सकता है? यह तो चारों ओर समान है। भारत के समग्र भूभाग का केंद्र एमपी के जिला कटनी में स्थित करौंदी गांव को माना जाता है। यहां से पूर्व की ओर भारत की सीमा की दूरी 1300 किलोमीटर, दक्षिण की ओर 1600 किलोमीटर, पश्चिम की ओर 1400 किलोमीटर और उत्तर की ओर 1600 किलोमीटर है। तीसरी बात अगर हम इसे एक पल के लिए दो भागों में बांट भी

दें तो दक्षिण पौराणिक रूप से नर्मदा के पार का इलाका कहलाता है। यानि यह आधा-आधा ही होगा न कि पौना-सवाया। इसे समझिए और फिर आपको समझ आएगा स्टालिन का पर्सनल एजेंडा है जिसपर वे ममता बनर्जी जैसा सांस्कृतिक मुलम्मा लगा रहे हैं।

प्रश्न-3 और 4 : तमिल की छतरी लेकर लोगों को डराने का धंधा स्टालिन, डीएमके का आज का नहीं है। इसे सत्तर वर्ष हो चुके हैं। यह एक समय कांग्रेस के लिए भी चुनौती थी, लेकिन डीएमके को वैचारिक रूप से भाजपा या जनसंघ के हिंदुत्व की काट मानकर पालती रही और धीरे-धीरे तमिल में एक्सटिंक्ट होती गई। एकदम बंगाल की तरह। बंगाल में भाजपा या जनसंघ न घुस पाए इसके लिए कांग्रेस ने खुद का बलिदान दे डाला। जैसे यूपी में दे रही है और बिहार में भी लगभग दे चुकी है। भाजपा या हिंदुत्व से इतना खतरा कांग्रेस को लगता है कि वह अपने अस्तित्व को कुर्बान करने तैयार है। कांग्रेस स्टालिन फैमिली की अलगाव वाली चिन्गारी में पंखा डुला रही है। इसके भड़का रही है। किंतु सकारात्मक हुआ जा सकता है, क्योंकि एआईडीएमके, विजय, रजनीकांत जैसे अनेक स्तंभों ने तमिल को स्टालिन और स्टालिन को तमिल हो जाने में कांग्रेस के प्रयास को विफल किया है। कांग्रेस ने जैसे भाजपा पर भी हिंदू और राष्ट्रवादी का मुलम्मा जड़ दिया है, जिसका खामियाजा खुद कांग्रेस को हो रहा है।

मुझे एक वाकया याद आता है। अप्रैल 2018 में बिलासपुर में हम कुछ पत्रकारों की राहुल गांधी से मुलाकात हुई। राहुल गांधी ने मोदी की आलोचना करते हुए कहा स्टालिन कह चुके हैं मोदी अगर ऐसे ही हिंदू-हिंदू करते रहे तो एक दिन हम तो इंडियन यूनियन से हट जाएंगे। इस वाक्य को मैंने पकड़ा। मैंने कहा, स्टालिन ऐसा कैसे कह सकते हैं। स्टालिन न तो तमिल हैं, न तमिल के पटेल, न तमिल के जनक, न तमिल के निर्माता, न तमिल के इकलौते राजनीतिक ठेकेदार... आप उनकी इस बात को.. इतना कहते-कहते राहुल ने अनसुना करते हुए अगली बात पर खुद को शिफ्ट किया। मैं कहना चाहता था कि आपने उनकी इस बात को मानना छोड़िए सुन कैसे लिया? राहुल सारे प्रसंग को घुमा गए। इससे यह बात साफ है कि स्टालिन और उनका परिवार तमिल के नाम पर एक पूरे भूभाग को अपनी रियासत मानता है। परिसीमन इस रियासत पर ही संभवतः चोट कर सकता है। इसलिए सबसे ज्यादा आवाजें इसी परिवार से आ रही हैं।

निष्कर्ष : सिंपल है, परिसीमन का सर्वोच्च आधार संस्कृति, दूसरा आबादी, तीसरा जमीन और प्रकृति होना चाहिए। संस्कृति में भाषा, जातियां, धर्म, व्यवहार, विचार सब समाहित होता है। आबादी में सिर्फ लोगों की संख्या शामिल होती है। जमीन तीसरा कारक हो, जिसका अर्थ है क्षेत्रफल और आखिरी कारक प्रकृति है। यह इसलिए क्योंकि भारत के सीमावर्ती कुछ इलाके ऐसे हैं जहां अप्रोच, फोकस, जुड़ाव अत्यधिक आवश्यक है। जैसे कि अरुणाचल, मणिपुर, कश्मीर, पंजाब जहां बाहरी ताकतें विद्रोह सुलगाती रहती हैं। इसलिए यहां का प्रतिनिधित्व जिम्मेदार ढंग से होना चाहिए। मोदी ने 16 अप्रैल 2026 के लोकसभा में शुरू हुए विशेष सत्र में इस बात के संकेत भी दिए हैं। उन्होंने गारंटी दी है कि जो अनुपात वर्तमान में जिन राज्यों का है वह घटेगा नहीं। फिर गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है सीटें बढ़ेंगी, प्रतिनिधित्व बढ़ेगा, लोकसभा की सीटों पर सबकी भागीदारी घटेगी नहीं। भारत के इन दो नेताओं की बात को बारीकी से समझना होगा।

(लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं)

अक्षय तृतीया पर विशेष

सामाजिक अपराध है बाल विवाह

प्रलय श्रीवास्तव

बाल-विवाह यानि छोटी उम्र में बच्चों की शादी। बड़ों की रजामंदी और संरक्षण में होने वाला ऐसा अपराध जो समाज की उपस्थिति में समारोहपूर्वक होता है। जिसमें भागीदार होते हैं माता- पिता, अभिभावक, रिश्तेदार, पड़ोसी, रस्मों को निभाने वाले कर्ता-धर्ता और वे सभी जो खुद ज्ञाता व विद्वान होने का दावा करते हैं। यह ऐसी कुरीति है जो समाज के माथे पर आज भी कलंक बनी हुई है। कच्ची उम्र में बच्चों को बड़ा होने का अहसास कराना आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में बदस्तूर जारी है।

आखिर बाल-विवाह होते क्यों हैं, इस बात पर भी गौर किया जाना जरूरी है। चूंकि बच्चे शत-प्रतिशत सच्चे होते हैं, उनका मन भोला होता है। नए कपड़े, मिठाई, उपहार, बैण्ड-बाजा का लालच देकर उन्हें विवाह के मण्डप में बैठा दिया जाता है। अनेक ऐसे क्षेत्र या स्थान भी हैं जहां परम्परा, रीति-रिवाजों के नाम पर बच्चों को कम उम्र में ही ब्याह दिया जाता है। फिर क्या, इस प्रक्रिया का सीधा-साधा असर बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य पर पड़ता है। तेजी से बढ़ता लिंगानुपात, बच्चों में कुपोषण, महिलाओं में खून की कमी, मातृ-शिशु मृत्युदर आदि ऐसे कारण हैं, जिनका सीधा संबंध बाल विवाहों से है। बच्चों को उम्र से पहले ही उन बंधनों और जिम्मेदारियों में लाद दिया जाता है, जिसके लिए वे शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार ही नहीं होते। बाल-विवाह बच्चों को उनके बचपन से भी वंचित कर देता है। समाज ने 18 साल से कम आयु की बालिका की शादी नहीं करने की कानूनी जानकारी तो प्राप्त कर ली, लेकिन उसने यह भी सीख लिया कि होने वाले बाल-विवाह को सरकार की नजर से कैसे छुपाया जाए। ऐसे में अहम जिम्मेदारी उनकी होती है, जिनकी जानकारी में बाल- विवाह होना अथवा उसके होने की संभावना होती है। वैदिक काल तक विवाह से पूर्व वर व वधु के शारीरिक स्वास्थ पर विशेष ध्यान दिया जाता था। इस काल में विवाह पूर्ण प्रौढ़ावस्था में होता था। स्त्रियों को वैदिक काल तक ही पुरुषों की तरह के सारे अधिकार थे। वैदिक काल के बाद विवाह प्रथा अल्प वय विवाह में बदलती चली गई। स्मृति चन्द्रिका, संस्कार कांड कहता है कि यदि योग्य पति प्राप्त नहीं होता है तो कन्या का विवाह तरुण आयु प्राप्त होने से पहले ही अयोग्य वर से कर देना चाहिए। 'प्राचीन भारत में स्त्रियों की दशा' नामक पुस्तक में अल्तेका लिखते हैं कि कन्याओं को हमलावरों से बचाने के लिये भी विवाह एक प्रतिरक्षात्मक उपाय था। वर्ण और जाति के कारण भी बाल-विवाह को प्रोत्साहन मिला। कम उम्र में कन्याओं का विवाह कर लोग उसके भविष्य की चिंता से बचने की कोशिश करते थे। कम उम्र में शादी होने से न सिर्फ सुरक्षा के अधिकार का उल्लंघन होता है वरन् अच्छे स्वास्थ्य, पोषण व शिक्षा पाने के अधिकारों का भी हनन होता है। इसके अलावा बाल-विवाह के कारण बालिकाएं कम उम्र में असुरक्षित यौन चक्र में सम्मिलित हो जाती हैं। अपरिपक्व शरीर में बालिका द्वारा गर्भधारण करने से भ्रूण पूर्ण रूप से विकसित नहीं हो पाता। गर्भपात, कम वजन के बच्चे का जन्म, बच्चों और माता में कुपोषण, खून की कमी, मातृ मृत्यु, प्रजनन मार्ग संक्रमण यौन संचरित बीमारियाँ/एचआईवी संक्रमण की संभावना में वृद्धि होना आदि भी बाल-विवाह के दुष्परिणाम हैं। अध्ययनों से सिद्ध हो चुका है कि 15 वर्ष की उम्र में माँ बनने से मातृ मृत्यु की संभावना 20 वर्ष की उम्र में माँ बनने से पाँच गुना अधिक होती है।

बाल-विवाह विरोधी कानून- बाल-विवाह को रोकने के लिए वर्ष 1929 में बाल-विवाह अंकुश अधिनियम बनाया गया। इसे शारदा एक्ट भी कहा जाता है। इस एक्ट में कई खामियाँ थीं। इन कमियों को दूर करने के लिये बाल-विवाह प्रतिषेध अधिनियम, (पीसीएमए) 2006 को 1 जनवरी 2007 से अधिसूचित किया गया। इसका उद्देश्य बाल-विवाह प्रथा की प्रभावी रोकथाम के लिये पहले कानून की विफलता को दूर करना व बाल-विवाह की रोकथाम के लिये एक समग्र व्यवस्था विकसित करना है। यह कानून 1 नवम्बर 2007 से लागू किया गया है। हालांकि स्वीकृत अंतर्राष्ट्रीय संधियों और राष्ट्रीय कानूनों में इस बात का उल्लेख किया गया है कि बच्चों को सुरक्षा प्रदान करना और उनके बुनियादी मानवाधिकारों की रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। कई अंतर्राष्ट्रीय संधियों पर भी हस्ताक्षर किये गये हैं, जिसमें उन्हें शोषण से बचाने व उन्हें सम्मानजनक अधिकार दिलाने हेतु प्रावधान है।

हमारी जिम्मेदारी- एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में बाल-विवाह की रोकथाम की जिम्मेदारी सभी लोगों की है। हर जिले के कलेक्टर को बाल-विवाह की रोकथाम के लिए जिम्मेदारी दी गई है। प्रशासन स्तर पर इस कोशिश में हर व्यक्ति को मददगार बनना चाहिए। यदि कहीं भी बाल विवाह होते दिखाई दे तो इसकी जानकारी प्रशासन तक पहुंचाकर बच्चों का भविष्य बर्बाद होने से रोकना हर नागरिक का कर्तव्य है।

बाल-विवाह रोकने के लिए समुदाय में निचले स्तर पर प्रेरक के रूप में कार्यरत आँगनवाड़ी कार्यकर्ता, एएनएम, आशा कार्यकर्ता एवं स्कूल के शिक्षक उपयोगी माध्यम हो सकते हैं। मध्यप्रदेश में पंचायतों के पास अपार शक्तियाँ हैं। एक जागरूक पंचायत अपने गाँव में कोई भी बाल-विवाह नहीं होने देने के लिए ग्राम सभा के माध्यम से प्रस्ताव पारित कर सकती है। गाँव का मुखिया या सरपंच इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। मीडिया बाल-विवाह की रोकथाम में कारगर भूमिका निभा सकता है। एक ओर वह लोगों में बाल विवाह के खिलाफ इसके दुष्परिणामों को लेकर संदेश पहुँचा सकता है, वहीं दूसरी ओर लोगों को शिक्षित और जागरूक भी कर सकता है। बालक - बालिका स्वयं भी बाल विवाह के खिलाफ आवाज बुलंद कर सकते हैं।

मध्यप्रदेश ने उठाये कड़े कदम- मध्यप्रदेश सरकार हर साल अक्षय तृतीया अथवा आखातीज को बाल विवाह की रोकथाम करती है। बाल विवाह रोकने के लिए बाल विवाह रोकथाम अभियान भी चलाया जाता है। समस्त जिला कलेक्टरों को निर्देश जारी कर कड़े कदम उठाने के निर्देश दिये जाते हैं। उनसे कहा जाता है कि वे अपने जिले में ऐसे प्रयास करें कि किसी भी परिस्थिति में कोई भी बाल विवाह न हो। इसके लिये समाज के ऐसे प्रभावशाली व्यक्तियों समूहों का सहयोग लें, जो वैवाहिक कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सही उम्र में विवाह का महत्व, कम उम्र में विवाह के दुष्परिणाम आम नागरिकों तक पहुँचाने के लिए बेहतर प्रचार-प्रसार करने और स्थानीय मीडिया का भी सहयोग लेने को कहा जाता है।

बालिकाओं के हित में चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी देते हुए बाल विवाह न करने की समझाइश देने को कहा जाता है। कलेक्टरों से भी कहा गया है कि वे जिले के किसी भी शासकीय कॉल सेंटर को बाल विवाह की सूचना देने के लिए स्थायी रूप से अधिकृत करें। कॉल सेंटर के फोन नम्बर का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि कोई भी व्यक्ति संभावित बाल विवाह की सूचना कभी भी उस फोन नम्बर पर दे सके। परन्तु यह व्यवस्था न केवल अक्षय तृतीया बल्कि वर्ष भर के लिए हो, तभी सुबह की किरणों को दोपहर में अस्त होने से रोक सकते हैं ।

(लेखक जनसंपर्क विभाग के सेवानिवृत संयुक्त संचालक एवं समाजसेवी हैं)

स्मृति शेष...

विचार के पुरोधा और ज्ञान के पुंज थे बलबीरजी

पुरु शर्मा

बलबीर पुंज जी नहीं रहे; यह वाक्य ऐसी रिक्तता दे गया है जिसे शब्द शायद ही भर पाएँ। जेहन में उनके लिखे अनगिनत लेख तैर रहे हैं और आँखों के सामने उनकी सौम्य मुस्कान का सम्मोहन रह-रहकर उभर रहा है। वे सक्रियता और जीवंतता के पर्याय थे। उन्होंने सदैव वैचारिकी की लौ को अक्षुण्ण रखा। अभी तीन-चार दिन पहले ही उनका लेख पढ़ा; तब किसने जाना था कि राष्ट्रवाद का ये सशक्त स्वर यूँ मौन होकर विलीन हो जाएगा। उनसे मेरी उँगलियों पर गिनने लायक भी मुलाकातें नहीं हुईं, बस एकाध बार किसी आयोजन की भीड़ में टकराने जैसी संक्षिप्त भेंट भर हुई, पर वे कभी अपरिचित नहीं लगे। उनका आशीष, उनकी वह स्नेहिल दृष्टि और संवाद में आत्मीय भाव ऐसा था कि वे पहली ही भेंट में हृदय के किसी कोने में अपना स्थान बना लेते थे।

यह उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि थी कि लुटियंस दिल्ली के प्रभावशाली गलियारों और राज्यसभा की गरिमामयी आसंदी पर बैठने के बाद भी, उनकी सादगी का स्तर ऐसा था कि मुझ जैसा एक सामान्य युवा भी उनसे बिना किसी झिझक के अपनी बात कह सकता था। उनतक पहुँचने के लिए किसी विशेष औपचारिकता की आवश्यकता नहीं लगती थी। वे भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रहे, राज्यसभा के सदस्य के रूप में उन्होंने अपनी प्रखर मेधा का परिचय दिया, और एक श्रेष्ठ स्तंभकार के रूप में दशकों तक समाज का मार्गदर्शन किया। उनके लेखों में दार्शनिकता की गहराई, विश्लेषण की प्रखरता और देशहित की सर्वोपरि चिंता एक साथ गुंथी होती थी।

उनकी स्मरण शक्ति अद्भुत थी। किसी भी विषय पर; चाहे वह सांप्रदायिक हिंसा का इतिहास हो, संसदीय बहस की बारीकियाँ हों, या भारत-पाक विभाजन की त्रासदी का कोई अनछुआ पक्ष, वे ऐसे उद्धरण और तथ्य प्रस्तुत करते थे जिन्हें चुनौती देने का साहस विरोधी भी नहीं जुटा पाते थे। वे उस पीढ़ी के प्रतिनिधि थे जिसने

राष्ट्रवादी विमर्श को बौद्धिक गरिमा दिलाई और मुख्यधारा में प्रतिष्ठित किया। एक ऐसे कालखंड में जब बौद्धिक जगत पर एक विशेष विचारधारा का एकाधिकार था और 'हिंदुत्व' या 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' जैसे शब्दों को अस्पृश्य माना जाता था, तब पुंज जी ने निर्भीकता से इन अवधारणाओं की तार्किक व्याख्या की। उन्होंने अपने लेखों में बार-बार यह स्थापित किया कि भारत की एकता का आधार भूगोल नहीं, संस्कृति है। वे अपने लेखन से विमर्श को एक नई दिशा देते थे। उनके लेखों में एक ऐसा प्रवाह था, जो पाठक को ऐसी विचार-यात्रा पर ले जाता था जहाँ हर मोड़ पर एक नया दृष्टिकोण और एक नई अनुभूति मिलती थी। अपनी विशिष्ट शैली और लालित्य के कारण, वे कठिन विषयों को भी बड़ी सहजता से समझाते कि पाठक उन्हें आसानी से आत्मसात कर लेता था।

'द मदरलैंड' से अपनी पत्रकारिता की शुरुआत करने वाले पुंज जी ने अर्थशास्त्र और वाणिज्य जैसे शुष्क विषयों की पत्रकारिता करते हुए भी अपनी वैचारिक निष्ठा को कभी धुंधला नहीं पड़ने दिया। स्वाधीनता के बाद जिस तरह से भारतीय इतिहास के मूल स्वरूप के साथ विरूपण किया गया, उस पीड़ा को वे अपने हर संवाद और हर लेख में पूरी प्रामाणिकता के साथ व्यक्त करते थे। हाल के वर्षों में जब भारत के सांस्कृतिक इतिहास और प्रतीकों पर भ्रामक नैरेटिव गढ़े जा रहे थे, तब 'नैरेटिव का मायाजाल' और 'ट्रिस्ट विद अयोध्या' जैसी उनकी पुस्तकें एक अकाट्य सत्य बनकर उभरीं। उन्होंने वामपंथी इतिहासकारों और आयातित विमर्शों को केवल नकारा ही नहीं, बल्कि अकादमिक और ऐतिहासिक प्रमाणों के साथ पूरी तार्किकता से धराशायी किया। सक्रिय राजनीति में प्रवेश करने पर भी पुंज जी ने पत्रकार की वह निष्पक्ष और तीक्ष्ण दृष्टि कभी नहीं खोई, जो सत्य को सत्य कहने का साहस देती है। भाजपा की वैचारिक नींव को सुदृढ़ करने में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक दशक से अधिक समय तक भाजपा के 'बौद्धिक प्रकोष्ठ' के संयोजक के रूप में उन्होंने पार्टी को न केवल वैचारिक दिशा दी, अपितु शिक्षाविदों, विचारकों और बुद्धिजीवियों से एक सेतु का निर्माण किया।

आज बलबीर पुंज जी हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन वे अपने पीछे एक ऐसी वैचारिक विरासत छोड़ गए हैं, जो अमर है। उनके हजारों लेख, वक्तव्यों, साक्षात्कारों और पुस्तकों में भारत के राष्ट्रबोध की समूची चेतना समाहित है। उनकी स्मृति को नमन करने का सबसे सार्थक तरीका यही होगा कि हम उस वैचारिक परंपरा को आगे बढ़ाएँ, जिसके वे सशक्त संवाहक थे। समय के प्रवाह में व्यक्तित्व भले ही विलीन हो जाते हैं, किंतु उनके द्वारा स्थापित मूल्य और विचार युगों तक समाज को आलोकित करते रहते हैं। पुंज जी भी उसी आलोक के रूप में हमारे बीच सदैव विद्यमान रहेंगे।

(लेखक शोधार्थी हैं)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक ''**गिलेडविन मसीह**'' के लिए ''**बुलंद मंज़िल**'' हिन्दी दैनिक ए.एच. प्रिन्टर्स, सीधी सराय, असालतपुरा मुरादाबाद मे मुद्रित कराकर कार्यालय बुलंद मंज़िल शंकर कॉलेज चौराहा, राजा मार्केट, प्रथम तल, जनपद संभल से वितरित किया गया। इस अंक में प्रकाशित समाचारों में खबरों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी०आर०वी० एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद सम्भल न्यायालय के अधीन होंगे।

PRGI NO. - UPBIL/25/A4797- Contect No.- 8630704122

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
जनपद अमरोहा
संभल
मंगलवार , 21 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

नए डीएम नितिन गौड़ का सख्त संदेश—जनसमस्याओं पर जीरो टॉलरेंस, विकास कार्यों में अब नहीं होगी देरी

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। जनपद को सोमवार को नया प्रशासनिक नेतृत्व मिला, जब आईएएस अधिकारी डाक्टर नितिन गौड़ ने जिलाधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार संभालते ही उन्होंने अपने तेवर साफ कर दिए– जनसमस्याओं का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण समाधान उनकी पहली प्राथमिकता होगी, वहीं विकास योजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान नितिन गौड़ ने मीडिया से परिचय करते हुए अपने प्रशासनिक दृष्टिकोण को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि जनशिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता और समयबद्धता दोनों अनिवार्य होंगे, ताकि आम जनता को राहत मिल सके। दिल्ली निवासी और वर्ष 2016 बैच के आईएएस अधिकारी नितिन गौड़ इससे पहले कई अहम पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उपाध्यक्ष, हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण, नगर आयुक्त गाजियाबाद और मुख्य विकास अधिकारी मथुरा जैसे पदों पर उनके अनुभव को देखते हुए अमरोहा में उनसे काफी उम्मीदें जताई जा रही हैं। नए डीएम ने साफ किया कि कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी होगी। उन्होंने कहा कि अपराध और अराजकता पर सख्ती से अंकुश लगाया जाएगा और पुलिस-प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाएगा। साथ ही, आम लोगों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। विकास कार्यों को लेकर उन्होंने विशेष रूप से गंगा एक्सप्रेसवे परियोजना का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना से जुड़े सभी कार्यों को तेज गति से पूरा कराया जाएगा, ताकि क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिल सके। इसके अलावा, निमार्णाधीन अन्य परियोजनाओं की नियमित समीक्षा कर समय पर उन्हें पूरा करना उनकी प्राथमिकता में शामिल रहेगा। किसानों के हितों को लेकर भी नितिन गौड़ ने स्पष्ट रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि किसान-केंद्रित योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा और कृषि सहायता व्यवस्था को और मजबूत बनाया जाएगा। किसानों को समय पर बीज, खाद और अन्य संसाधन उपलब्ध कराना प्रशासन की जिम्मेदारी होगी। स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार को लेकर उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में बाह्य रोगी (ओपीडी) और आंतरिक रोगी (आईपीडी) सेवाओं को बेहतर बनाया जाएगा। साथ ही दवाओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी, ताकि मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिक्षा क्षेत्र में भी उन्होंने कई अहम बिंदुओं पर ध्यान देने की बात कही। शिक्षा का अधिकार कानून का प्रभावी क्रियान्वयन, सरकारी स्कूलों में मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता और शिक्षकों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता सुधारना भविष्य के लिए सबसे जरूरी निवेश है। इसके साथ ही उन्होंने अमरोहा शहर को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और सुंदर बनाने का भी संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान को जनभागीदारी के साथ आगे बढ़ाया जाएगा और शहर के सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गरिमा सिंह, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेन्द्र प्रताप सिंह, सभी उपजिलाधिकारी, वरिष्ठ कोषाधिकारी अशोक राव गौतम सहित कलेक्ट्रेट के कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। नए डीएम के आगमन के साथ ही जिले में प्रशासनिक सक्रियता बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। अब देखना होगा कि उनके सख्त रुख और विकास के एजेंडे का जमीनी स्तर पर कितना असर दिखाई देता है।

डिडौली में सफाई सिस्टम फेल, गंदे पानी में जीने को मजबूर लोग

दैनिक बुलंद मंज़िल

डिडौली। क्षेत्र के एक गांव में इन दिनों सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई हुई है। हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि गांव की गलियों में गंदा पानी भरा हुआ है और लोगों का घरों से निकलना तक दूभर हो गया है। नालियों के जाम होने से जलभराव की समस्या दिन-ब-दिन विकराल रूप लेती जा रही है, जिससे ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है। ग्रामीणों का आरोप है कि स्थानीय दुकानदारों ने अपनी सुविधा के लिए नालियों को बंद कर दिया है, जिससे गंदा पानी निकासी का रास्ता नहीं मिल पा रहा। परिणामस्वरूप यह पानी सड़कों और घरों के सामने जमा हो रहा है, जिससे न केवल दुर्गंध फैल रही है बल्कि बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। वहीं, सफाई कर्मचारियों की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। ग्रामीणों का आरोप है कि सफाई कर्मचारी गांव में नियमित रूप से सफाई करने नहीं आते और जब उनसे कहा जाता है तो वे टालमटोल करते हैं। इस लापरवाही के चलते गांव की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। इस पूरे मामले पर ग्राम प्रधान महिपाल सिंह का कहना है कि वे गांव में सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, लेकिन कुछ दुकानदार उनके साथ विवाद करते हैं और सहयोग नहीं करते। उन्होंने कहा कि बार-बार कहने के बावजूद दुकानदार अपनी मनमानी पर उतारू हैं, जिससे समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल हस्तक्षेप किया जाए। यदि जल्द ही नालियों की सफाई और जल निकासी की व्यवस्था नहीं सुधारी गई, तो स्थिति और भी भयावह हो सकती है। गांव में बढ़ती गंदगी अब केवल असुविधा नहीं, बल्कि स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा बन चुकी है।

अमरोहा में गूंजा एकता का संदेश : हिन्दू-सिख भाईचारा समागम बना सामाजिक समरसता का प्रतीक

दैनिक बुलंद मंज़िल

अमरोहा। जनपद में सामाजिक सौहार्द और भाईचारे की एक प्रेरणादायक तस्वीर उस समय देखने को मिली, जब अतरासी-हसनपुर रोड स्थित धारीवाल बैंक्वेट हॉल में ह्लहिन्दू-सिख भाईचारा समागमह्व का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र ही नहीं, बल्कि दूर-दराज से आए हजारों लोगों की सहभागिता ने इसे एक यादगार जनसमागम बना दिया। इस कार्यक्रम का आयोजन ग्लोबल पंजाबी एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सोरन सिंह चौधरी के नेतृत्व में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख प्रदीप जोशी उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथियों में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. इकबाल सिंह लालपुरा, पंज प्यारे भाई धर्म सिंह के वंशज बाबा गुरप्रीत सिंह (अंतरराष्ट्रीय संत) और सरदार मोहिंदर सिंह सिद्धू सहित सिख समाज के अनेक गणमान्य लोग शामिल हुए। समारोह में वक्ताओं ने हिन्दू-सिख एकता की ऐतिहासिक विरासत को याद करते हुए कहा कि दोनों समाजों का रिश्ता केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक रूप से भी बेहद मजबूत रहा है। उन्होंने समाज में प्रेम, आपसी सम्मान और एकजुटता को बनाए रखने पर जोर दिया। डॉ. इकबाल सिंह लालपुरा ने अपने संबोधन में इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं और हमें मिलकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान समय में सामाजिक समरसता को बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के दौरान डॉ. लालपुरा को बिजनौर, रामपुर, पीलीभीत और लखीमपुर के किसानों को उनकी जमीनों का मालिकाना हक दिलाने के लिए ह्लबाबा बघेल सिंह सम्मानह्व से सम्मानित किया गया। प्रतीक स्वरूप उन्हें किसानों की जोड़ी और बैलगाड़ी भेंट की गई, जो ग्रामीण संस्कृति और किसान सम्मान का प्रतीक रही। समारोह में धनोरा विधायक राजीव तरारा सहित सरदार सुरेंद्र सिंह, राजीव त्यागी, खिलेंदर सिंह, योगेश सोनू, ईश्वर गुर्जर, चंद्रभान भाटी, पूरन सिंह सैनी, कृष्ण कुमार जाटव, रामरतन सिंह, बबीता उप्पल, प्रियंका चहल समेत अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

ताला तोड़ कर , अलमारी से नगदी सहित जेवरात व बकरी चोरी—क्षेत्र में सनसनी

दैनिक बुलंद मंज़िल

सैद नगली। थाना क्षेत्र के कस्बा उझारी में चोरी की एक बड़ी वारदात सामने आई है, जहां अज्ञात चोरों ने सूने पड़े घर को निशाना बनाकर लाखों रुपये के सामान पर हाथ साफ कर दिया। घटना से इलाके में दहशत और लोगों में नाराजगी का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नजर अली पुत्र जमाल खाँ निवासी तरारा रोड, कस्बा उझारी रविवार की रात अपने बच्चों के साथ मुरादाबाद जनपद के सरथल बैटला गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। इसी दौरान चोरों ने उनके घर को निशाना बना लिया। मौका पाकर अज्ञात बदमाशों ने घर के मेन गेट का ताला तोड़ दिया और अंदर घुसकर आराम से चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर अपने साथ घर में बंधी तीन बकरियां तक खोलकर ले गए, जो इस घटना को और भी चौंकाने वाला बनाता है। इसके अलावा सेफ अलमारी में रखे कीमती जेवरात भी चुरा लिए गए, जिनमें एक जोड़ी सोने के कुंडल, एक जोड़ी सोने की बालियां, एक जोड़ी पाजेब, एक चांदी की चोटी और दो चांदी की अंगूठियां शामिल हैं। इतना ही नहीं, घर में रखी करीब 12 हजार रुपये की नकदी भी गायब मिली। सुबह करीब 11 बजे पड़ोसियों ने नजर अली को फोन कर सूचना दी कि उनके घर का ताला टूटा पड़ा है। सूचना मिलते ही वह तुरंत घर पहुंचे और अंदर का नजारा देखकर सन्न रह गए। पीड़ित के अनुसार चोरी की कुल कीमत लगभग तीन लाख रुपये आंकी जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। थाना सैद नगली पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और अज्ञात चोरों की तलाश में जुट गई है। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

युवती को अश्लील फोटो वायरल करने व जान से मारने की धमकी, मुकदमा दर्ज

दैनिक बुलंद मंज़िल

डिडौली। थाना क्षेत्र में एक युवती को फोन पर गाली-गलौज, अश्लील फोटो वायरल करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र के एक निवासी व्यक्ति ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके मोबाइल नंबर पर कुछ लोग लगातार फोन कर उसे परेशान कर रहे हैं। आरोप है कि नावेद तथा मुजस्सीम अलग-अलग मोबाइल नंबरों से कॉल कर उसके साथ गाली-गलौज करते हैं और अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी देते हैं। इतना ही नहीं, आरोपियों ने युवती को जान से मारने की धमकी भी दी है। पीड़िता ने यह भी बताया कि उसका रिश्ता फजरुल रहमान के साथ तय हुआ है, लेकिन आरोपी उसे रिश्ता न करने के लिए भी दबाव बना रहे हैं। लगातार मिल रही धमकियों के कारण युवती का घर से निकलना तक मुश्किल हो गया है, जिससे वह मानसिक रूप से काफी परेशान है। मामले से परेशान होकर पीड़िता ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

15 वर्षीय किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता, अपहरण का मुकदमा दर्ज

दैनिक बुलंद मंज़िल

डिडोली। थाना क्षेत्र से एक 15 वर्षीय किशोरी के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। पीड़ित पिता की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डिडौली थाना क्षेत्र एक गांव निवासी ने थाने में दी तहरीर में बताया कि उनकी पुत्री (उम्र करीब 15 वर्ष) रविवार की शाम करीब 7 बजे घर से निकली थी। आरोप है कि कनपुरा रोड स्थित पीपल के पेड़ के पास से एक अज्ञात युवक बाइक पर उसे बैठाकर अपने साथ ले गया। घटना के बाद परिजनों ने आसपास काफी तलाश की, लेकिन किशोरी का कोई सुराग नहीं लग सका। होने पर परिजनों ने जब मोबाइल फोन की जांच की तो पता चला कि एक अज्ञात मोबाइल नंबर पर व्हाट्सएप के माध्यम से लगातार बातचीत और चैट कर रही थी। इसके बाद परिजन और अधिक चिंतित हो गए और तुरंत थाना डिडौली पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात युवक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि किशोरी की तलाश के लिए टीमों का गठन कर दिया गया है और मोबाइल नंबर के आधार पर युवक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

आवारा सांड से टकराई कार, नवविवाहित जोड़े समेत पांच घायल, हालत नाजुक देख मेरठ रेफर

दैनिक बुलंद मंज़िल

रहरा। शादी की खुशियों से भरा माहौल अचानक दर्द और दहशत में बदल गया, जब विदाई के बाद लौट रही बारात की कार एक आवारा सांड से टकरा गई। थाना रहरा क्षेत्र के गांव पोरारा में हुआ यह हादसा सोमवार सुबह करीब 10 बजे रहरा स्थित एक पेट्रोल पंप के पास हुआ, जिसने खुशियों को पलभर में मातम में बदल दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, संभल जिले के गांव शेरपुर से रविवार रात बारात पोरारा आई थी। रातभर शादी की रस्में हंसी-खुशी के बीच संपन्न हुईं। सोमवार सुबह विदाई के बाद बारात अपने गांव लौट रही थी। दूल्हा विशाल पुत्र सतपाल अपनी नवविवाहिता पत्नी स्वाति पुत्री नरेश के साथ कार में सवार थे। उनके साथ परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद थे और सभी घर पहुंचने की खुशी में मग्न थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जैसे ही कार पेट्रोल पंप के पास पहुंची, अचानक एक आवारा सांड सड़क पर आ गया। चालक कुछ समझ पाता, उससे पहले ही कार की सांड से जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें बैठे सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में दूल्हा विशाल, दुल्हन स्वाति, दूल्हे के फूफा विजेंद्र फुफेरा भाई कुनाल और चाचा तेजपाल शामिल हैं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया और पुलिस को सूचना दी। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से सभी घायलों को आनन-फानन में नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया। चिकित्सकों के अनुसार कुछ घायलों की हालत बेहद नाजुक बनी हुई थी। गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने दूल्हा-दुल्हन समेत सभी घायलों को बेहतर इलाज के लिए मेरठ के उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। हादसे के बाद दोनों परिवारों में कोहराम मच गया है। जिन घरों में कुछ घंटे पहले तक शहनाइयां गूंज रही थीं, वहां अब सन्नाटा पसरा हुआ है। यह हादसा एक बार फिर सड़कों पर घूम रहे आवारा पशुओं की समस्या को उजागर करता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में आवारा सांड और पशुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं। बावजूद इसके प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि आवारा पशुओं को पकड़कर सुरक्षित स्थानों पर रखा जाए और सड़कों पर उनकी आवाजाही पर सख्ती से रोक लगाई जाए, ताकि भविष्य में इस तरह के दर्दनाक हादसों की पुनरावृत्ति न हो सके।

शादी से लौटते वक्त दर्दनाक हादसा, युवक की मौके पर मौत, चार घायल

दैनिक बुलंद मंज़िल

रहरा। क्षेत्र में रविवार रात करीब साढ़े नौ बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जानकारी के अनुसार डिडौली थाना क्षेत्र के कस्बा जोया के रहने वाले 32 वर्षीय राजू अपने दोस्त हरिओम के साथ एक शादी समारोह में शामिल होकर बाइक से वापस लौट रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक गंगवार और बुरावली गांव के बीच हसनपुर-गवां मार्ग पर पहुंची, तभी सामने से आ रही बाइक से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि राजू सड़क पर गिर गया और इसी दौरान पीछे से आ रहे किसी अज्ञात वाहन ने उसे कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में हरिओम, मनोज, सोनू और उनके साथ मौजूद एक छोटी बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से इलाज के लिए हसनपुर अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई शुरू कर दी है। फिलहाल इलाके में स्थिति सामान्य बनी हुई है। अखिलेश प्रधान थाना प्रभारी निरीक्षक रहरा ने बताया कि शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तहरीर के आधार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी

दैनिक
बुलन्द मंज़िल

अमरोहा/खेल

संभल
मंगलवार , 21 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

आतिशबाजी के लिए बारूद बनाते समय हादसा, धमाके में 15 वर्षीय छात्रा की मौत एक छात्रा घायल, धमाका होने से इलाके में मची अफरा तफरी

भूरे सिंह यादव/
बुलंद मंज़िल

सम्भल/रजपुरा । थाना क्षेत्र के गाँव ईशाकपुर में सोमवार सुबह उस समय दर्दनाक हादसा हो गया, जब घर में आतिशबाजी के लिए बारूद तैयार करते समय अचानक जोरदार विस्फोट हो गया। इस हादसे में दो नाबालिग बहनें गंभीर रूप से झुलस गईं, जिनमें से 16 वर्षीय दीक्षा की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि 13 वर्षीय निधि की हालत नाजुक बनी हुई है और उसका उपचार अलीगढ़ में चल रहा है। जानकारी के अनुसार, गाँव ईशाकपुर निवासी अजयपाल पुत्र हुलासी पिछले करीब 20 वर्षों से बारूद बनाकर आतिशबाजी का कार्य करता आ रहा हैं। सोमवार सुबह उनकी पोतियाँ दीक्षा और निधि अपने दादा के साथ घर के बरामदे में बैठकर आतिशबाजी के सामान में बारूद भर रही थीं। इसी दौरान अचानक बारूद

मृतक दीक्षा का फाइल फोटो

में विस्फोट हो गया। धमाका होने पर क्षेत्र में अफरा तफरी मच गई और पूरे इलाके में दहशत फैल गई। विस्फोट के बाद उठे घने धुएँ के गुब्बार से कुछ देर के लिए दिन में भी अंधेरा जैसा माहौल बन गया। घटना के समय परिवार के अन्य सदस्य–पिता योगेश, माँ विमलेश और छोटा भाई आदित्य–घर पर मौजूद नहीं थे। बताया जाता है कि बड़ा भाई प्रिंस घर के एक कमरे में था, जिसने अंदर से दरवाजा बंद कर रखा था, जिससे वह इस हादसे की चपेट में आने से बच गया। विस्फोट होने से दोनों बहनें बुरी तरह झुलस गईं। आसपास के लोगों ने तत्काल उन्हें एम्बुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रजपुरा पहुंचाया, जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए दोनों को अलीगढ़ रेफर कर दिया गया। उपचार के दौरान दीक्षा ने दम तोड़ दिया, जबकि निधि जिंदगी और मौत के बीच जूझ रही है। दीक्षा कक्षा 9 और निधि कक्षा 8 की छात्रा थीं और गँवा स्थित जुगलकिशोर इंटर कॉलेज में पढ़ती थीं। ग्रामीणों के अनुसार दोनों बहनें पढ़ाई में होनहार और स्वभाव से बेहद शांत थीं, जिससे पूरे गाँव में शोक की लहर दौड़ गई है। हादसे की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुँची और हालत पर काबू पाया। इसके बाद प्रशासनिक अमला भी सक्रिय हुआ। मौके पर एसडीएम गुन्नौर विकास चंद्र, एएसपी संभल मनोज कुमार रावत, सीओ गुन्नौर आलोक कुमार सिद्धू तथा थाना रजपुरा प्रभारी संदीप चौधरी पुलिस बल के साथ पहुँचे और घटनास्थल पर पहुंच कर अधिकारियों ने हादसे का जायजा लेते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल की बारीकी से जांच करते हुए साक्ष्य और नमूने एकत्र किए हैं, ताकि विस्फोट के सही कारणों का पता लगाया जा सके। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि अजयपाल के पास सीमित मात्रा में बारूद रखने का लाइसेंस था, लेकिन जिस तरह से घर के अंदर आतिशबाजी का काम किया जा रहा था, उसने सुरक्षा मानकों और प्रशासनिक निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन कराया गया होता, तो शायद यह दर्दनाक हादसा न होता।

दीवार काटकर घर में घुसे चोर, बकरी और नकदी पर हाथ साफ

दैनिक बुलंद मंज़िल

सैद नगली। थाना क्षेत्र में चोरों के हौसले लगातार बुलंद नजर आ रहे हैं। ताजा मामला कस्बा उझारी के तरारा रोड स्थित शाहजहाँ मस्जिद के सामने का है, जहां बीती रात अज्ञात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए दीवार काटकर अंदर प्रवेश किया और बकरी सहित नकदी चोरी कर फरार हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित मौ० इमरान पुत्र छोटन अपने परिवार के साथ घर में सो रहा था। रात के किसी समय चोरों ने घर की दीवार में ह्युकुमलह्ल काटकर सेंध लगा दी और अंदर घुस आए। चोरों ने घर में बंधी एक बकरी खोल ली और साथ ही सन्दूक में रखे करीब 1800 रुपये भी चुरा लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद चोर मौके से फरार हो गए। घटना का खुलासा उस समय

हुआ जब सुबह करीब 6 बजे इमरान नींद से जागे और घर का सामान अस्त-व्यस्त देखा। जांच करने पर उन्हें चोरी की जानकारी हुई, जिसके बाद परिवार में हड़कंप मच गया। पीड़ित ने तुरंत थाना सैदनगली पहुंचकर अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दी और कार्रवाई की मांग की। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में इस तरह की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं, जिससे लोगों में डर और असुरक्षा का माहौल है। खासकर रात के समय गश्त की कमी को लेकर भी लोगों ने नाराजगी जताई है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी का कहना है कि जल्द ही घटना का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। वहीं, ग्रामीणों ने पुलिस से क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

डेंगू-मलेरिया पर सर्जिकल स्ट्राइक, आदमपुर में चला सैनिटाइजेशन अभियान

दैनिक बुलंद मंज़िल

आदमपुर। गंगेश्वरी ब्लॉक क्षेत्र के गांव आदमपुर में ग्राम पंचायत स्तर पर स्वच्छता और स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर सराहनीय पहल देखने को मिली। ग्राम प्रधान कमला देवी के नेतृत्व में पूरे गांव में मच्छरों से बचाव के लिए विशेष सैनिटाइजेशन अभियान चलाया गया। इस अभियान में प्रधान पुत्र रिंकू सैनी और धर्मवीर सैनी ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए ग्राम पंचायत के सभी मजरों में दवा का छिड़काव कराया। गर्मी के मौसम में मच्छरों के बढ़ते प्रकोप और डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों की आशंका को देखते हुए यह कदम उठाया गया। टीम ने घर-घर के आसपास, नालियों, जलभराव वाले स्थानों और सार्वजनिक जगहों पर विशेष रूप से ध्यान देते हुए सैनिटाइजर और एंटी-लार्वा दवाओं का छिड़काव किया। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे गांव में बीमारियों का

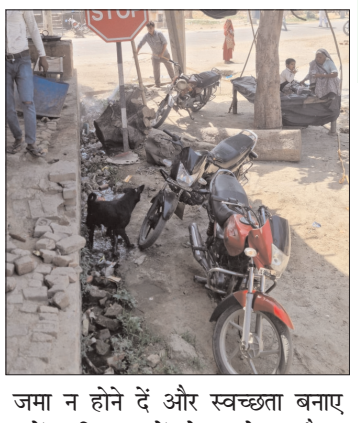

खतरा काफी हद तक कम होगा। ग्राम प्रधान कमला देवी ने बताया कि पंचायत का उद्देश्य सिर्फ विकास कार्य कराना ही नहीं, बल्कि गांव के लोगों को स्वस्थ और सुरक्षित वातावरण देना भी है। उन्होंने कहा कि आगे भी नियमित रूप से इस तरह के अभियान चलाए जाएंगे और साफ-सफाई को लेकर लोगों को जागरूक किया जाएगा। वहीं, रिंकू सैनी ने ग्रामीणों से अपील की कि वे अपने आसपास पानी जमा न होने दें और स्वच्छता बनाए रखें, ताकि मच्छरों को पनपने का मौका न मिले। धर्मवीर सैनी ने कहा कि ग्राम पंचायत हर संभव प्रयास कर रही है कि गांव में बीमारियों को फैलने से रोका जा सके। इस पहल से आदमपुर गांव में जागरूकता का माहौल बना है और लोग भी स्वच्छता के प्रति सजग होते नजर आ रहे हैं। ग्राम पंचायत का यह प्रयास अन्य गांवों के लिए भी एक प्रेरणा बन सकता है।

रामपुर पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार पुलिस ने की चेकिंग

स्कूली वाहनों के फिटनेस प्रमाणपत्र, बीमा, रजिस्ट्रेशन, परमिट किए चेक, दिए निर्देश

दैनिक बुलंद मंज़िल/
विनोद गुप्ता

रामपुर । सोमवार को पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीना के निर्देशन में जनपदीय यातायात पुलिस द्वारा जनपद में विशेष अभियान चलाकर स्कूली वाहनों की सघन चेकिंग की गई । इस दौरान वाहनों के फिटनेस प्रमाणपत्र, बीमा, रजिस्ट्रेशन, परमिट एवं अन्य आवश्यक प्रपत्रों का गहन निरीक्षण किया गया । चैकिंग के दौरान संबंधित वाहन चालकों एवं संचालकों को निर्देशित किया गया कि सभी आवश्यक दस्तावेज अद्यतन रखें तथा यातायात नियमों का पूर्णतः पालन करें । साथ ही स्कूली बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ओवरलोडिंग न करने, वाहनों में निर्धारित सुरक्षा मानकों (फायर एक्सटिंग्विशर, फर्स्ट एड

बॉक्स आदि) को अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने हेतु भी निर्देशित किया गया। रामपुर पुलिस के द्वारा स्पष्ट किया गया कि इस प्रकार के अभियान निरंतर चलाए जाते रहेंगे, जिससे बच्चों की सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित किया जा सके एवं सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

1312 ग्राम चरस के साथ आरोपी गिरफ्तार, सिविल लाइंस पुलिस की कार्रवाई

अगवानपुर फ्लाईओवर के पास दबोचा गया आरोपी, एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। जनपद में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सिविल लाइंस पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने 1312 ग्राम अवैध चरस के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है पुलिस के अनुसार अगवानपुर फ्लाईओवर के नीचे कच्चे रास्ते पर चेकिंग के दौरान आदर्श कॉलोनी फकीरपुरा निवासी रवि (46) को गिरफ्तार किया गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 1312 ग्राम चरस बरामद हुई पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अधिक मुनाफे के लालच में चोरी-छिपे चरस की खरीद-फरोख्त

करता था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी के खिलाफ पहले से एनडीपीएस एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं इस कार्रवाई को प्रभारी निरीक्षक मनीष सक्सेना के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अंजाम दिया। पुलिस आरोपी के आपराधिक इतिहास की विस्तृत जानकारी जुटाने में लगी हुई है।

रुतुराज ने सनराइजर्स से हार के लिए बल्लेबाजों को जिम्मेदार बताया

हैदराबाद। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने आईपीएल में लगातार दूसरी हार पर निराशा जतायी है। सीएसके को सनराइजर्स के खिलाफ हुए मुकाबले में 10 रनों से हार का सामना करना पड़ा है।रुतुराज ने हार के लिए मध्यक्रम के बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन को जिम्मेदार बताया है। इस मैच में 195 रनों के लक्ष्य की पीछा करते हुए सीएसके की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 184 रन ही बना पाई। रुतुराज ने कहा कि हमारी टीम के गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन किया पर मध्यक्रम के अच्छी शुरुआत का लाभ नहीं ले पाये।

आयुष म्हात्रे को चोट के बाद भी बल्लेबाजी के लिए उतारा जाना गलत- अश्विन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे को चोट के बाद भी बल्लेबाजी के लिए भेजने पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम प्रबंधन को आड़े हाथों लिया है। अश्विन के अनुसार सीएसके टीम इस प्रकार खिलाड़ियों की फिटनेस से खेल रही है। अश्विन ने ये बात बल्लेबाज आयुष को फिट नहीं होने के बाद भी सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में बल्लेबाज के लिए भेजने को लेकर उठायी। अश्विन के अनुसार आयुष को खड़े रहने में परेशानी हो रही थी फिर भी टीम प्रबंधन ने उन्हें खेलने के लिए भेजा। इस प्रकार किसी खिलाड़ी की फिटने को खतरे में डालना बेहद नुकसानदेह है। चोटिल खिलाड़ी को कोच और कप्तान बाहर बुला सकते थे पर ऐसा नहीं किया गया। इससे अश्विन बेहद नाराज दिखे। उन्होंने कहा कि हैरानी की बात है कि म्हात्रे भारी नी स्ट्रैप पहनकर बल्लेबाजी करने उतरे थे।

लियोनल मेसी का डबल धमाका

इंटर मियामी ने कोलोराडो रैपिड्स को 3-2 से हराया

एजेंसी ■ डेनवर

लियोनल मेसी की कप्तानी में इंटर मियामी ने एक रोमांचक मुकाबले में कोलोराडो रैपिड्स को 3-2 से हरा दिया। 75,824 दर्शकों की मौजूदगी में यह मैच एम्पावर फील्ड एट माइल हाई में खेला गया। मेजर लीग सॉकर के इतिहास की यह दूसरी सबसे बड़ी उपस्थिति थी। मियामी की जीत में कप्तान लियोनल मेसी की अहम भूमिका रही। मेसी ने दो गोल करते हुए टीम को जीत दिलायी।

मैच की शुरुआत से ही इंटर मियामी ने आक्रामक खेल दिखाया। 18वें मिनट में मेसी ने पेनल्टी के जरिए गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। यह इस सीजन में उनका छठा गोल था। पहले हाफ के अंत में, स्टॉपेज टाइम में जर्मन बर्टेराम ने शानदार हेडर के जरिए

मियामी की बढ़त 2-0 कर दी। इस गोल में सिल्वेटी का सटीक क्रॉस अहम रहा, जो इस सीजन में उनका तीसरा असिस्ट था।

दूसरे हाफ में कोलोराडो रैपिड्स ने जोरदार वापसी की। 58वें मिनट में राफेल नवारो और 62वें मिनट में डैरेन यापी ने गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। मैच रोमांचक मोड़ पर पहुंच चुका था और दोनों टीमें जीत के लिए संघर्ष कर रही थीं।

क्लासेन ऑरेन्ज कैप, कंबोज पर्पल कैप की रेस में नंबर एक पर पहुंचे

चेन्नई। सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ हुए मैच के बाद आईपीएल के इस 19 वें सत्र में सबसे अधिक रन बनाकर ऑरेंज कैप की दौड़ में पहले नंबर पर पहुंच गये हैं, वहीं सबसे अधिक विकेट के मामले में सीएसके के युवा तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज नंबर एक पर पहुंचने के साथ ही पर्पल कैप के दावेदार बन गये हैं। बल्लेबाजी की बात करें तो क्लासेन ने इस मैच में 59 रनों की पारी खेलकर अब तक सत्र में सबसे अधिक रनों के मामले में गुजरात टाइटंस के शुभमन गिल और आरसीबी के विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया है। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने पहले बैटिंग करते हुए नौ विकेट पर 194 रन बनाए। क्लासेन के अब 6 मैचों में 283 रन हो गये हैं। वहीं शुभमन ने 4 मैचों में 251 रन बनाए हैं।

रैंडी ओर्टन-कोडी रोड्स में हुआ मुकाबला

एजेंसी ■ लॉस वेगस

रेसलिंग के सबसे बड़े मंच रेसलमेनिया के 42वें संस्करण का क्या धमाकेदार आगाज हुआ है। इवेंट के पहले दिन ने फैंस को चौंकाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। लास वेगास के एलिगियेंट स्टेडियम में खेले गए इस इवेंट में 50 हजार से ज्यादा दर्शकों को कड़े मुकाबले, सरप्राइज रिटर्न और भावुक कर देने वाले पलों का जबरदस्त मेल देखने को मिला। इस रात ने साफ कर दिया कि डब्ल्यूडब्ल्यू में कुछ भी कभी भी हो सकता है। अभी रेसलमेनिया का दूसरा दिन बाकी है और इसका सबसे अहम मुकाबला डब्ल्यूडब्ल्यूई हेवीवेट चैंपियन सीएम पंक और ओटीसी यानी रोमन रेंस के बीच होना है।

अनडिस्प्यूटेड डब्ल्यूडब्ल्यूई टाइटल मैच में कोडी रोड्स फैंस के फेवरेट के तौर पर उतरे थे, लेकिन रिंग में उनका अंदाज बिल्कुल अलग था। उन्होंने मैच के दौरान नियमों को तोड़ते हुए पूरी

गुंथर बनाम रॉलिंस और ब्रेकर का दखल

गुंथर और सेथ रॉलिंस के बीच मुकाबला नाइट का सबसे बेहतरीन मैच माना गया। दोनों सुपरस्टार्स ने जबरदस्त फाइट दी, लेकिन तभी ब्रॉन ब्रेकर ने एंट्री लेकर सबको चौंका दिया। रेफरी की नजर बचाकर ब्रेकर ने रॉलिंस पर हमला किया, जिससे गुंथर को फायदा मिला और उन्होंने चोकहोल्ड लगाकर जीत अपने नाम कर ली।

तरह हील (विलेन) का रूप अपना लिया। कोडी ने आखिरकार जीत हासिल कर ली, लेकिन मैच खत्म होने के बाद रैंडी ओर्टन ने उन्हें अपने अंदाज में करारा जवाब दिया और जोरदार पंट मारकर यह जता दिया कि कहानी अभी खत्म नहीं हुई है। कोडी भले ही अनडिस्प्यूटेड डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियन बन गए हों, लेकिन आखिर में रैंडी ओर्टन टाइटल को हाथ में पकड़े दिखे। पहले दिन का अंत इससे बेहतर नहीं हो सकता था।

नाइट-1 का सबसे भावुक पल तब आया जब बियांका बेलैर ने फैंस को बड़ा सरप्राइज दिया। उन्होंने घोषणा की कि वह अपने पति मोंटेज फोर्ड के साथ अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रही हैं। यह पल पूरे एरिना के लिए बेहद खास बन गया और डब्ल्यूडब्ल्यू ने उन्हें इस खबर को साझा करने के लिए सबसे बड़ा मंच दिया।

पेज की वापसी ने लूटी महफिल

इस इवेंट का सबसे बड़ा सरप्राइज पेज की वापसी रही। ब्री बेला के साथ टीम बनाकर उन्होंने विमेंस टैग टीम मैच में हिस्सा लिया। मैच में पेज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एलेक्सा ब्लिस पर रैंपेज मूव लगाकर जीत हासिल की। उनकी वापसी पर दर्शकों का जबरदस्त रिएक्शन देखने को मिला और यह पल नाइट-1 का सबसे यादगार मोमेंट बन गया।

सलेमपुर के जंगल में खूंखार तेंदुआ पिंजरे में कैद, बच्चे पर हमले के बाद वन विभाग को बड़ी सफलता

कांठ क्षेत्र में दहशत का पर्याय बना तेंदुआ पकड़ा गया, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस, अन्य तेंदुओं की तलाश जारी

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद, । जनपद मुरादाबाद के कांठ क्षेत्र स्थित ग्राम सलेमपुर के जंगल में पिछले कई दिनों से आतंक का कारण बना खूंखार तेंदुआ आखिरकार वन विभाग के पिंजरे में कैद हो गया। तेंदुए के पकड़े जाने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है, हालांकि क्षेत्र में अभी भी भय का माहौल बना हुआ है जानकारी के अनुसार कुछ दिन पूर्व ग्राम सलेमपुर निवासी किसान राजीव कुमार अपनी पत्नी ललिता के साथ खेत में गेहूं की गहाई कर रहे थे। इसी दौरान उनका 5 वर्षीय पुत्र लाव्यांश पास में खेल रहा था। तभी झाड़ियों में छिपे तेंदुए ने अचानक बच्चे पर हमला कर उसे जबड़ों में दबोच लिया। बच्चे की चीख सुनकर परिजन व आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और शोर मचाया, जिससे तेंदुआ बच्चे को छोड़कर भाग गया। घायल बालक को तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है घटना के बाद क्षेत्र में भारी आक्रोश और दहशत फैल गई थी। वन विभाग ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जंगल और आसपास के इलाकों में कई स्थानों पर पिंजरे लगाए। इसी क्रम में बीती रात सलेमपुर के जंगल में लगाए गए एक पिंजरे में तेंदुआ फंस गया। डिप्टी रेंजर पुष्पेंद्र सिंह के अनुसार सुबह करीब 5:30 बजे तेंदुए के पिंजरे में फंसने की सूचना मिली। खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और पिंजरे में कैद तेंदुए को देखने के लिए भीड़ जुट गई। तेंदुए को देखकर लोगों में भय साफ नजर आया फिलहाल पकड़े गए तेंदुए को मुरादाबाद के डीयर पार्क में रखा गया है। बावजूद इसके ग्रामीणों की चिंता पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में अभी भी अन्य तेंदुओं की मौजूदगी की आशंका है, जो मवेशियों और लोगों पर हमले कर सकते हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से सर्च अभियान तेज करने और अन्य तेंदुओं को भी जल्द पकड़ने की मांग की है आगे जानकारी देते हुए बताएं अविनाश पांडे, डीएफओ वन विभाग की टीम लगातार निगरानी कर रही थी। पिंजरे लगाकर तेंदुए को पकड़ने में सफलता मिली है। क्षेत्र में अन्य तेंदुओं की तलाश के लिए अभियान जारी रहेगा।

बेटे ने दिया जीवनदान : वैशाली के मैक्स अस्पताल में सफल लिवर ट्रांसप्लांट

26 वर्षीय बेटे ने पिता को लिवर दान कर बचाई जान, डॉक्टरों ने बताया– समय पर इलाज और जीवनशैली में बदलाव बेहद जरूरी

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद/वैशाली। साहस, पारिवारिक प्रेम और आधुनिक चिकित्सा का एक प्रेरणादायक उदाहरण सामने आया है। मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, वैशाली के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने एंड-स्टेज लिवर डिजीज से पीड़ित 51 वर्षीय मरीज का जटिल लिविंग डोनर लिवर ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक कर उसे नया जीवन दिया मुरादाबाद निवासी राजेश्वर कुमार पिछले तीन वर्षों से क्रॉनिक लिवर डिजीज से जूझ रहे थे। उन्हें डायबिटीज और हाइपोथायरायडिज्म जैसी समस्याएं भी थीं, जिससे उनकी स्थिति और गंभीर हो गई थी। चिकित्सकों के अनुसार, उनकी जान बचाने के लिए लिवर ट्रांसप्लांट ही एकमात्र विकल्प बचा था इस चुनौतीपूर्ण सर्जरी का नेतृत्व प्रो. (डॉ.) सुभाष गुप्ता ने किया। मरीज के 26 वर्षीय बेटे हिमांशु कुमार ने आगे आकर अपने लिवर का हिस्सा दान किया। सर्जरी के दौरान लगभग 680 ग्राम का राइट लोब सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित किया गया अस्पताल के निदेशक डॉ. राजेश डे ने बताया कि लिविंग डोनर लिवर ट्रांसप्लांट एक बेहद जटिल प्रक्रिया है, जिसमें सटीक योजना, उच्च स्तरीय सर्जिकल कौशल और टीमवर्क की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि डोनर और रिसीपिएंट दोनों की रिकवरी अच्छी रही और डिस्चार्ज के समय उनकी स्थिति स्थिर थी वहीं कंसल्टेंट डॉ. तेजल भोय ने कहा कि ट्रांसप्लांट के बाद मरीज के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिला है। उन्होंने जोर दिया कि दीर्घकालिक सफलता के लिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाना और डॉक्टरों की सलाह का पालन करना बेहद जरूरी है अस्पताल द्वारा इस अवसर पर लिवर स्वास्थ्य को लेकर एक जागरूकता सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें समय पर जांच, संतुलित आहार और नियमित जीवनशैली के महत्व पर प्रकाश डाला गया यह सफल ऑपरेशन न केवल अस्पताल की चिकित्सा विशेषज्ञता को दशार्ता है, बल्कि समाज में अंगदान के महत्व और बढ़ते लिवर रोगों के प्रति जागरूकता की आवश्यकता को भी रेखांकित करता है।

मुरादाबाद जीआरपी की बड़ी कार्रवाई : 12.74 किलो गांजा बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

रेलवे स्टेशन पर चेकिंग के दौरान पकड़े गए आरोपी, करीब 6 लाख रुपये की बताई गई कीमत

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद, । थाना जीआरपी मुरादाबाद पुलिस ने रेलवे स्टेशन परिसर में चेकिंग अभियान के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से कुल 12.740 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 6 लाख रुपये बताई जा रही है पुलिस के अनुसार, प्लेटफॉर्म पर गश्त और चेकिंग के दौरान बिहार के बक्सर जिले के रहने वाले 19 वर्षीय मुकेश कुमार और 30 वर्षीय अभय कुमार दुबे को संदिग्ध अवस्था में पकड़ा गया। तलाशी लेने पर मुकेश के पास से एक ट्रॉली बैग में 6.412 किलो गांजा और अभय के पिट्ठू बैग से 6.328 किलो गांजा बरामद हुआ दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना जीआरपी मुरादाबाद में मुकदमा संख्या 47/2026 के तहत धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे ट्रेन के माध्यम से दूसरे राज्यों और जिलों से सस्ते दामों में गांजा लाकर मुरादाबाद और आसपास के क्षेत्रों में ऊंचे दामों पर बेचते थे इस कार्रवाई को जीआरपी मुरादाबाद की टीम ने कुशल नेतृत्व में अंजाम दिया, जिसमें कई पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस द्वारा इस सफलता को नशा तस्करी के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बाबासाहेब की मूर्ति क्षतिग्रस्त, शिवसेना का प्रदर्शन तेज–जिला प्रमुख को पुलिस ने किया नजरबंद

दोषियों पर कार्रवाई और निष्पक्ष जांच की मांग, आंदोलन की चेतावनी

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद/ठाकुरद्वारा। B. R. Ambedkar की मूर्ति को असामाजिक तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने के मामले में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के कार्यकताओं में भारी रोष देखने को मिला। घटना ठाकुरद्वारा क्षेत्र के ग्राम नारायणपुर की बताई जा रही है इस प्रकरण को लेकर शिवसेना जिला प्रमुख वीरेंद्र अरोड़ा ने गांव पहुंचकर विरोध जताने की घोषणा की थी, लेकिन पुलिस प्रशासन ने उन्हें घर पर ही नजरबंद कर दिया। इसके बावजूद जिला प्रमुख ने मामले को गंभीर बताते हुए पुलिस अधिकारियों से वार्ता की बताया गया कि वीरेंद्र अरोड़ा ने पुलिस अधीक्षक ग्रामीण और क्षेत्राधिकारी ठाकुरद्वारा से मुलाकात कर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई। इसके साथ ही उन्होंने एसपी ग्रामीण कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन भी सौंपा शिवसेना नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि मामले में जल्द और निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई, तो वे ठाकुरद्वारा पहुंचकर बड़ा आंदोलन करेंगे इस दौरान शिवसेना के प्रतिनिधिमंडल में कमल सिंह राव, मुदित उपाध्याय, शिबू पांडे, अरुण ठाकुर, पंकज पाल, दीपक, रिंकू, सुरेश सैनी, अशोक सैनी और शरद कपूर सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्कूल संचालक को गोली मारी, पूर्व ब्लॉक प्रमुख और बेटे समेत सात पर रिपोर्ट

बुलंद मंजिल।

मुरादाबाद। भगतपुर थाना इलाके में स्कूल संचालक को विवाद के बाद गोली मार दी गई। विवाद का कारण प्रोपर्टी बताया जा रहा है। सूचना के बाद मौके पर पुलिस पहुंची। पीड़ित के परिजनों की तहरीर मिलने के बाद पुलिस ने पूर्व ब्लॉक प्रमुख व उसके बेटे समेत सात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। भगतपुर थाना क्षेत्र में रविवार की रात करीब नौ बजे ट्रांसपोर्टर एवं स्कूल संचालक राजेश कुमार यादव को गोली मार दी गई। उन्हें तीन गोलियां लगी हैं। इस मामले में पूर्व ब्लॉक प्रमुख पूरन सिंह, उनके बेटे आकाश यादव समेत सात लोगों पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। रिपोर्ट के अनुसार बताया गया है कि राजेश कुमार रविवार की रात अपने घर लौट रहे थे। निवाड़खास रोड पर मोड़ के पास पहले से घात लगाए बैठे आरोपी पूर्व ब्लॉक प्रमुख पूरन सिंहए उनके बेटे आकाश यादव और विशाल यादव, अमित यादव, राजेंद्र सिंह, सुनील यादव और दुष्यंत यादव ने उन्हें घेर लिया और गोली मार दी। इसके बाद आरोपी मौके भाग गए। घटना की जानकारी मिलने पर राजेश के परिजन आ गए और वह घायल को लेकर अस्पताल पहुंचे। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है। घटना की वजह कॉलेज कमेटी को लेकर विवाद बताई जा रही है।

दहेज की दरिंदगी : 6 माह की गर्भवती महिला ICU में जिंदगी की जंग लड़ रही

2 लाख और गाड़ी की मांग को लेकर ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप, लगातार उत्पीड़न से हालत नाजुक; पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया, कार्रवाई का इंतजार

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद, । जनपद के नागफनी थाना क्षेत्र से इंसानियत को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। एक गरीब परिवार की बेटी, जिसकी शादी 4 मई 2025 को पूरे रीति-रिवाज के साथ हुई थी, आज दहेज उत्पीड़न का शिकार होकर जिंदगी और मौत के बीच जूझ रही है। पीड़िता इस समय शहर के एक निजी अस्पताल के क्ठव में भर्ती है, जहां उसकी हालत अत्यंत गंभीर बनी हुई है आरोप है कि शादी के कुछ ही समय बाद ससुराल पक्ष ने ?2 लाख नकद और एक गाड़ी की मांग शुरू कर दी। मांग पूरी न होने पर महिला को लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि उसकी सास मेहताब, ससुर शोएब, पति दानिश नवाज, ननद सुमैया व इरम तथा उनके रिश्तेदार उमेश और आसिफ ने मिलकर उसे प्रताड़ित किया पीड़िता के अनुसार, उसे रोजाना ताने दिए जाते थे, कई-कई दिनों तक भूखा रखा जाता और बेरहमी से मारपीट की जाती थी। सबसे चिंताजनक बात यह है कि महिला छह माह की गर्भवती है, बावजूद इसके उसके साथ अमानवीय व्यवहार जारी रहा। लगातार अत्याचार के चलते उसकी हालत इतनी बिगड़ गई कि शादी के समय लगभग 60 किलो वजनी महिला अब करीब 30 किलो रह गई है।डॉक्टरों के मुताबिक, पीड़िता की स्थिति बेहद नाजुक है और वह क्ठव में भर्ती है। उसकी हालत को लेकर स्पष्ट कुछ भी कह पाना मुश्किल बताया जा रहा है हैरानी की बात यह है कि महिला को इस हालत में पहुंचाने के बाद भी ससुराल पक्ष का कोई सदस्य उसे देखने अस्पताल नहीं पहुंचा। पीड़िता ने साफ कहा है कि यदि उसे या उसके अजन्मे बच्चे को कुछ भी होता है, तो उसके ससुराल वाले ही इसके जिम्मेदार होंगे इस मामले में नागफनी थाना पुलिस ने ससुराल पक्ष के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। हालांकि, खबर लिखे जाने तक किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। यह घटना न केवल दहेज उत्पीड़न की भयावहता को उजागर करती है, बल्कि समाज के सामने कई सवाल भी खड़े करती है–क्या बेटियों के साथ इस तरह की घटनाएं यूं ही होती रहेंगी? क्या पीड़िता को न्याय मिल पाएगा? अब सभी की नजर प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी है।

मुरादाबाद में सनसनी : स्कूल संचालक को गोली मारकर किया घायल, 7 के खिलाफ मुकदमा, एक गिरफ्तार

भगतपुर क्षेत्र में देर रात वारदात, पुराने विवाद को माना जा रहा कारण

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद, । जनपद के देहात क्षेत्र भगतपुर में देर रात उस समय सनसनी फैल गई, जब अज्ञात हमलावरों ने एक स्कूल संचालक को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल संचालक को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है प्राप्त जानकारी के अनुसार, एसएस स्कूल के संचालक राजेश कुमार को निशाना बनाया गया। बताया जा रहा है कि स्कूल में चल रही वित्तीय अनियमितताओं को लेकर उनकी कमेटी के साथ लंबे समय से विवाद चल रहा था, जिसे इस हमले की मुख्य वजह माना जा रहा है घटना के संबंध में मूंढापांडे के पूर्व ब्लॉक प्रमुख पूरन कुमार समेत 7 लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है और जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

भगवान राम का चरित्र हमें मयार्दा और सेवा का संदेश देता है

राम नाम की शक्ति से पत्थर भी तिर गए....

दैनिक बुलंद मंज़िल

बिसौली। फैजगंज बेहटा क्षेत्र के गांव सिसरका में आयोजित नौ दिवसीय श्री राम कथा के दूसरे दिन भक्ति की अविरल धारा बही। कथा व्यास देशपाल भारद्वाज ने भगवान श्री राम के अलौकिक चरित्र का वर्णन करते हुए उपस्थित जनसमूह को भाव-विभोर कर दिया।??व्यास पीठ से कथा का रसपान कराते हुए देशपाल भारद्वाज ने कहा कि जिनके जीवन में राम नाम का आधार है, उनके लिए कठिन से कठिन मार्ग भी सुगम हो जाता है। उन्होंने प्रसिद्ध प्रसंग का उदाहरण देते हुए कहा, "राम नाम आधार जिनको जल में राह बनाता है, जिन पर कृपा राम करें वह पत्थर भी तिर जाते हैं।" उन्होंने जोर देकर कहा कि जिस प्रकार राम नाम की महिमा से भारी पत्थर समुद्र पर तैरने लगे थे, उसी प्रकार राम भक्ति से मनुष्य इस संसार रूपी सागर को सरलता से पार कर सकता है। ?सांसारिक मोह त्यागने पर ही मिलेगा परम पद ?कथा व्यास ने श्रद्धालुओं को प्रेरित करते हुए कहा कि आज का मानव सांसारिक मोह-माया में उलझकर अपने मूल उद्देश्य को भूल गया है। यदि हम सच्चे मन से श्री राम के चरणों में अपना अनुराग जगा लें और सांसारिक वस्तुओं का मोह त्याग दें, तो जीवन धन्य हो जाएगा। भगवान राम का चरित्र हमें मयार्दा और सेवा का संदेश देता है। ?सोमवार को कथा के दौरान पांडाल 'जय श्री राम' के उद्घोष से गुंजायमान रहा। इस अवसर पर मुख्य रूप से दुर्गेश सक्सेना, नितिन सक्सेना, अनुराधा सक्सेना, दिव्या, वैभव, वैष्णवी, अंजली, राकेश शर्मा शिव आदि सहित भारी संख्या में क्षेत्रीय श्रद्धालु उपस्थित रहे। कथा के अंत में आरती के पश्चात भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया।

2027 की जनगणना के लिए प्रथम चरण ट्रेनिंग शिविर शुरू

दैनिक बुलंद मंज़िल

सम्भल/गुन्नौर । देशव्यापी जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत मकानों के सूचीकरण एवं गणना कार्य को सुव्यवस्थित ढंग से पूरा कराने के लिए गुन्नौर में तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर की शुरूआत सोमवार से हो गई। इस शिविर में प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को आवश्यक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उपजिलाधिकारी एवं उपजिला जनगणना अधिकारी विकास चंद्र ने बताया कि जनगणना 2027 की तैयारियों के अंतर्गत तहसील क्षेत्र के कुल 382 गांवों को 1080 गणना ब्लॉकों में विभाजित किया गया है। इस कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए 1100 प्रगणकों और 184 पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है, जिनके लिए 14 फील्ड ट्रेनर नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने जानकारी दी कि प्रशिक्षण कार्यक्रम को चरणबद्ध तरीके से संचालित किया जा रहा है। पहले दिन सोमवार को ग्रामीण क्षेत्र के 7 बैच तथा नगर पंचायत क्षेत्र के 3 बैचों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में मकानों की सूचीकरण प्रक्रिया, परिवारों का विवरण दर्ज करने की विधि, डिजिटल उपकरणों का उपयोग तथा डेटा की शुद्धता सुनिश्चित करने के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी जा रही है।

प्रशिक्षण चार चरणों (सत्रों) में आयोजित होगा।

प्रथम सत्रः 20, 21 और 22 अप्रैल

द्वितीय सत्रः 28, 29 और 30 अप्रैल

तृतीय सत्रः 4, 5 और 6 मई

चतुर्थ सत्रः 7, 8 और 9 मई

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को व्यवहारिक अभ्यास भी कराया जाएगा, जिससे वे फील्ड में कार्य करते समय किसी प्रकार की त्रुटि न करें। प्रशासन का उद्देश्य है कि जनगणना के प्रथम चरण में मकानों का सटीक एवं अद्यतन डेटा तैयार किया जा सके, जिससे आगे की जनगणना प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो। अधिकारियों ने सभी प्रगणकों और पर्यवेक्षकों से प्रशिक्षण में पूर्ण सहभागिता सुनिश्चित करने और निर्धारित मानकों के अनुसार कार्य करने का आह्वान किया है, ताकि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य को सफल बनाया जा सके।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
बिजनौर
संभल
मंगलवार , 21 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

बिजनौर कलेक्ट्रेट में भाकियू लोकशक्ति की पंचायत

स्मार्ट मीटर व अवैध खनन के खिलाफ आंदोलन का ऐलान

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । किसानों की समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन (लोकशक्ति) ने कलेक्ट्रेट परिसर में जोरदार आवाज बुलंद की। सोमवार को आयोजित मासिक पंचायत में किसानों ने स्मार्ट मीटर, अवैध खनन, गन्ना भुगतान और प्रदूषण जैसे गंभीर मुद्दों पर प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए बड़े आंदोलन की चेतावनी दी। जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में जुटे किसान भारतीय किसान यूनियन (लोकशक्ति) के जिलाध्यक्ष चौ. वीर सिंह सहरावत के नेतृत्व में बड़ी संख्या में किसान कलेक्ट्रेट पहुंचे और पंचायत के माध्यम से अपनी समस्याओं पर चर्चा की। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने साफ कहा कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो व्यापक जनआंदोलन शुरू किया जाएगा। प्रदूषण और बीमारियों पर जताई चिंता पंचायत को संबोधित करते

हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि जिले में बड़ी फैक्ट्रियों से निकलने वाला दूषित जल और जहरीला धुआं लोगों के जीवन को खतरे में डाल रहा है। इससे कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां बढ़ रही हैं। उन्होंने ऐसे प्रदूषण फैलाने वाले कारकों के खिलाफ अभियान चलाने की बात कही। स्मार्ट मीटर का पुरजोर विरोध किसानों ने विद्युत विभाग पर आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर के नाम पर ग्रामीणों और किसानों को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसानों के घरों और नलकूपों पर स्मार्ट मीटर लगाने का विरोध किया जाएगा। अवैध खनन पर प्रशासन को घेरा पंचायत में सुंदरवाली सहित पूरे जनपद में चल रहे अवैध खनन का मुद्दा भी जोरशोर से उठा। किसानों ने आरोप लगाया कि प्रशासन इस ओर अनदेखी कर रहा है, जबकि अवैध खनन दिन-रात जारी है। जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन पंचायत के बाद जिलाध्यक्ष चौ. वीर सिंह सहरावत ने खंड३ डं४१ को ज्ञापन सौंपा, जिसमें किसानों की विभिन्न समस्याओं और मांगों को विस्तार से रखा गया। साथ ही यह ज्ञापन उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री को संबोधित करते हुए शीघ्र समाधान की मांग की गई। जिलाधिकारी ने जनपद स्तर की समस्याओं के जल्द समाधान और शासन स्तर की मांगों को आगे पहुंचाने का आश्वासन दिया। किसानों की प्रमुख मांगें फैक्ट्रियों से निकलने वाले दूषित जल व धुएं पर नियंत्रण
गन्ना भुगतान 14 दिन के भीतर सुनिश्चित किया जाए
सहकारी समितियों की ब्याज दर 3% की जाए
स्मार्ट मीटर लगाने पर रोक
अवैध खनन पर सख्त कार्रवाई
गुलदार के आतंक से राहत
गंगा कटान रोकने के लिए स्थायी तटबंध
किसानों का कर्ज माफ
60 वर्ष से अधिक किसानों को ?10,000 मासिक पेंशन
नांगल सोती क्षेत्र में आधार केंद्र की स्थापना

बड़ी संख्या में किसान रहे मौजूद

पंचायत में राष्ट्रीय महासचिव चौ. पदम सिंह, चौ. सतबीर सिंह, चौ. देवेंद्र प्रधान, चौ. शेर सिंह, गौरव चौधरी, डॉ. अरुण कुमार, योगेंद्र सिंह काकरान सहित बड़ी संख्या में किसान व पदाधिकारी मौजूद रहे।

आंदोलन की चेतावनी

भाकियू लोकशक्ति ने साफ कर दिया है कि यदि किसानों की मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो संगठन बड़े स्तर पर आंदोलन शुरू करेगा।

किसानों की इस हुंकार से प्रशासन पर दबाव बढ़ता नजर आ रहा है।

उत्तर प्रदेश बिजनौर समेत कई जिलों में भीषण गर्मी का कहर, IMD का हीटवेव अलर्ट जारी

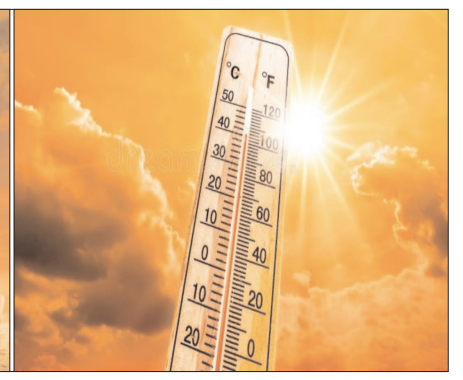

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । इन दिनों भीषण गर्मी ने जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। सोमवार को सुबह से ही तेज धूप निकलने के कारण तापमान में तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिससे लोगों को झुलसा देने वाली गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। हवा की रफ्तार बेहद कम होने से उमस और बढ़ गई है, जिसके चलते लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। सड़कों पर सन्नाटा पसरा हुआ है और जो लोग जरूरी काम से बाहर निकल रहे हैं, वे छाता, गमछा और कपड़ों से खुद को बचाते नजर आ रहे हैं। मौसम विभाग का अलर्ट, कई जिलों में लू का खतरा क्ल्र्ल्र टीशैङ्ख१ङ्ख'ङ्ख्रें' ऊिस्र१शैल्ल३ (क्टऊ) ने प्रदेश में प्रचंड गर्मी को लेकर अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार फतेहपुर, बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रतापगढ़, प्रयागराज, मिजार्पुर, वाराणसी, चंदौली और सोनभद्र में लू (हीट वेव) चलने की संभावना है। बिजनौर समेत इन जिलों में गर्म रहेंगी रातें वहीं सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, मुरादाबाद और रामपुर जैसे जिलों में रात के समय भी गर्मी से राहत नहीं मिलेगी। तापमान में गिरावट न होने के कारण लोगों को दिन-रात गर्मी झेलनी पड़ रही है। जनजीवन प्रभावित, सतर्क रहने की जरूरत लगातार बढ़ती गर्मी के कारण बाजारों और सड़कों पर भीड़ कम हो गई है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को दोपहर के समय घर से बाहर न निकलने, अधिक से अधिक पानी पीने और धूप से बचाव करने की सलाह दी है। सावधानी ही बचाव भीषण गर्मी के इस दौर में लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है। प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से सतर्क रहने और आवश्यक सावधानियां बरतने की अपील की है। फिलहाल राहत के आसार कम हैं, ऐसे में लोगों को गर्मी से बचाव के उपाय अपनाने की जरूरत है।

मिशन शक्ति 5.0 का दम चांदपुर में महिलाओं को किया जागरूकं

सुरक्षा से लेकर योजनाओं तक दी पूरी जानकारी

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । महिलाओं की सुरक्षा, जागरूकता और सशक्तिकरण को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेस 5.0 के तहत चांदपुर में प्रभावी अभियान देखने को मिला। सोमवार को महिला थाना चांदपुर की एंटी रोमियो टीम ने क्षेत्र में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर बालिकाओं और महिलाओं को सुरक्षा, साइबर अपराध और सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान टीम ने महिलाओं को बताया कि बदलते समय में साइबर क्राइम के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, ऐसे में सतर्क रहना बेहद जरूरी है। किसी भी संदिग्ध कॉल, मैसेज या ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के उपायों पर भी विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। हेल्पलाइन नंबरों की दी अहम जानकारी एंटी रोमियो टीम ने महिलाओं को

विभिन्न आपातकालीन सेवाओं और हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए बताया कि जरूरत पड़ने पर इन नंबरों का तुरंत उपयोग कर सहायता प्राप्त की जा सकती है।
वूमेन पावर लाइन झ्र 1090
महिला हेल्पलाइन झ्र 181
पुलिस आपातकालीन सेवा झ्र 112 स्वास्थ्य सेवाएं - 102, 108
मुख्यमंत्री हेल्पलाइन - 1076
चाइल्ड लाइन झ्र 1098
साइबर क्राइम हेल्पलाइन झ्र 1930 सरकारी योजनाओं से कराया अवगत इस दौरान महिलाओं को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई, जिनमें: विधवा पेंशन योजना, वृद्धावस्था पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना तथा नशा मुक्ति भारत अभियान प्रमुख रहे। पम्पलेट बांटकर किया जागरूक कार्यक्रम के दौरान टीम द्वारा पम्पलेट वितरित कर योजनाओं और हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। साथ ही नोडल अधिकारियों के संपर्क नंबर भी साझा किए गए, ताकि जरूरत पड़ने पर महिलाएं सीधे संपर्क कर सकें। महिला सुरक्षा को लेकर पुलिस गंभीर इस अभियान के माध्यम से चांदपुर पुलिस ने स्पष्ट संदेश दिया है कि महिलाओं की सुरक्षा और जागरूकता उनकी प्राथमिकता है। संदेश साफः जागरूक महिला ही सुरक्षित महिला–मिशन शक्ति के जरिए हर घर तक सुरक्षा का संदेश पहुंचाया जा रहा है।

चांदपुर में भड़काऊ बयानबाजी पर पुलिस सख्त, 5 नामजद समेत 15-20 अज्ञात पर मुकदमा दर्ज

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । थाना चांदपुर क्षेत्र में सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने और भड़काऊ भाषण देने के आरोप में पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए 5 नामजद समेत 15-20 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। यह कार्रवाई 22 मार्च 2026 की घटना को सांप्रदायिक रंग देने और हिंसा भड़काने की कोशिशों के संबंध में की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह मामला ग्राम हैजरपुर निवासी प्रशांत पुत्र सियाराम की मौत से जुड़ा है। बताया गया कि स्कूटी और मोटरसाइकिल की टक्कर के बाद हुई कहासुनी और मारपीट में प्रशांत गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसकी बाद में उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। इस मामले में पहले ही थाना चांदपुर में तखनपुरी निवासी संजीव की पुत्री पलक के

खिलाफ मुकदमा संख्या 143/26 धारा 115(2) 190 191(2) 103(1) के तहत दर्ज किया जा चुका है। पुलिस द्वारा विवेचना के दौरान पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है, जबकि मामले की जांच अभी भी जारी है। पुलिस के अनुसार, कुछ असामाजिक तत्व इस घटना को राजनीतिक और सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश कर रहे थे। आरोप है कि ये लोग सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों के माध्यम से भड़काऊ बयान देकर लोगों को उकसाने और दो समुदायों के बीच वैमनस्यता फैलाने का प्रयास कर रहे थे, जिससे क्षेत्र की शांति व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। इसी को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने कड़ा रुख अपनाते हुए कार्रवाई की है। दर्ज एफआईआर में मुजफ्फरनगर के जानसठ निवासी सोनू मूंछ सैनी, सैनी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष जोगेंद्र सैनी, जतिन सैनी (बक्सर), ग्राम जलीलपुर निवासी सविता सैनी और उनके पुत्र प्रियांशु को नामजद किया गया है। इसके अलावा 15-20 अन्य अज्ञात व्यक्तियों को भी आरोपी बनाया गया है। यह मुकदमा थाना चांदपुर के उपनिरीक्षक हिमांशु पंवार की तहरीर पर दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि संबंधित व्यक्तियों द्वारा लगातार ऐसे बयान और पोस्ट प्रसारित किए जा रहे थे, जो सामाजिक सौहार्द के लिए खतरा बन सकते हैं। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रकार की अफवाह, भड़काऊ बयानबाजी या कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने वाली गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस सतर्क है और पूरे मामले पर लगातार नजर बनाए हुए है।

सीमावर्ती गांवों में हर घर पहुंचेगा पानी, लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई : डीएम जसजीत कौर

दैनिक बुलंद मंज़िल
/उप जिला प्रभारी मौहम्मद फैजान

बिजनौर। जसजीत कौर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में जिला तकनीकी इकाई, जल निगम (ग्रामीण) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिशासी अभियंता जल निगम ग्रामीण सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीमावर्ती गांवों में प्राथमिकता के आधार पर पाइपलाइन आधारित पेयजल टंकियों का निर्माण कराया जाए और हर घर तक जल कनेक्शन पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने साफ कहा कि इस महत्वपूर्ण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीएम ने कहा कि स्वच्छ पेयजल मिशन के तहत सीमावर्ती गांवों के घरों के साथ-साथ

स्कूलों, बारात घरों, पंचायत भवनों और मंदिरों में भी पानी के कनेक्शन अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने बताया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में स्वच्छ जल उपलब्ध कराना बड़ी चुनौती है, क्योंकि कई स्थानों पर मानक अनुरूप जल स्रोत नहीं हैं। इस कारण ग्रामीण हैंडपंप तक स्थापित नहीं कर पा रहे हैं और पानी की समस्या से परेशान हैं। ऐसे में यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी गांव पेयजल टंकी और घर-घर जल योजना से वंचित न रहे। जिलाधिकारी ने टंकी निर्माण कार्यों के दौरान सड़कों की खुदाई के बाद उनकी गुणवत्ता पूर्ण मरम्मत तत्काल कराने के भी निर्देश दिए, ताकि ग्रामीणों को आवागमन में किसी तरह की परेशानी न हो।

धामपुर में गरीब डिलीवरी बाय के पैन कार्ड पर 9.49 करोड़ का फर्जी कारोबार, न्याय के लिए भटक रहा पीड़ित

दैनिक बुलंद मंज़िल
मौहम्मद फैजान

धामपुर। प्राप्त समाचार के अनुसार एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक गरीब डिलीवरी बॉय के पैन कार्ड का दुरुपयोग कर उसके नाम पर करोड़ों रुपये का फर्जी कारोबार खड़ा कर दिया गया। पीड़ित अब आयकर विभाग के नोटिसों और कानूनी परेशानियों से जूझ रहा है तथा पिछले करीब एक साल से न्याय पाने के लिए दफ्तरों के चक्कर काट रहा है।जानकारी के

अनुसार, पृथ्वीपुर बनवारी गांव निवासी फिरोज अहमद मेहनत-मजदूरी कर डिलीवरी बॉय का काम करते हैं और किसी तरह परिवार का पालन-पोषण करते हैं। अगस्त 2025 में उनकी जिंदगी उस समय बदल गई जब उन्हें आयकर विभाग का नोटिस मिला। नोटिस में बताया गया कि उनके पैन कार्ड पर हठ क्टढए नाम की फर्म रजिस्टर्ड है, जिसने अगस्त 2020 में करीब 9.49 करोड़ रुपये का कारोबार दिखाया है। यह जानकारी मिलते ही फिरोज अहमद के होश उड़ गए। उनका कहना है कि उन्होंने कभी कोई व्यापार नहीं किया और न ही इतनी बड़ी रकम से उनका कोई लेना-देना है। जांच में सामने आया कि 14 जुलाई 2020 को उनके पैन कार्ड का इस्तेमाल कर फर्म का रजिस्ट्रेशन कराया गया था, लेकिन उसमें दर्ज मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी, दस्तावेज और हस्ताक्षर सभी फर्जी पाए गए।पीड़ित ने मामले की शिकायत स्थानीय पुलिस और अभिषेक झा से भी की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। वहीं दूसरी ओर आयकर विभाग की ओर से लगातार नोटिस भेजे जा रहे हैं, जिससे फिरोज मानसिक तनाव और आर्थिक परेशानी से गुजर रहे हैं। फिरोज अहमद ने प्रशासन से जल्द न्याय दिलाने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। क्षेत्र में इस तरह के फजीर्वाड़े के मामलों से गरीब और निर्दोष लोगों में डर का माहौल है।

एलआरएस लॉ कॉलेज का बीए एलएलबी पंचम सेमेस्टर परिणाम घोषित, सामिया मुअज्जम अव्वल

दैनिक बुलंद मंजिल
यासिर शम्सी।

नगीना। एलआरएस लॉ कॉलेज नगीना का बीए एलएलबी पंचम सेमेस्टर का परिणाम रूहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली द्वारा घोषित कर दिया गया।स्कूल प्रबंधक ने बताया कि बीए एलएलबी पंचम सेमेस्टर का परिणाम भी शत प्रतिशत रहा।इस वर्ष पंचम सेमेस्टर में कुल 49 विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया,जिनमें से 43 विद्यार्थियों ने परीक्षा पास की।08 विद्यार्थियों ने 60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया।पंचम सेमेस्टर में सामिया मुअज्जम पुत्री मुअज्जम हुसैन रियाजी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया,जबकि हानिया रईस द्वितीय और नवेदा नूर तृतीय स्थान पर रहीं।इनके अलावा 08 विद्यार्थियों ने 60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कॉलेज का नाम रोशन किया।सभी विद्यार्थियों को कॉलेज प्रबंधक संजीव अग्रवाल ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

चांदपुर बिजनौर की बेटी श्रुति शर्मा बनीं हापुड़ की सीडीओ, क्षेत्र में खुशी की लहर

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। जनपद बिजनौर की चांदपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम बास्टा की होनहार बेटी श्रुति शर्मा को शासन ने नई जिम्मेदारी देते हुए लंस्र४१ का मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) नियुक्त किया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे जनपद में गर्व और खुशी का माहौल है। श्रुति शर्मा इससे पूर्व ऊीङ्ख१ं जनपद में संयुक्त मजिस्ट्रेट के पद पर तैनात थीं। प्रशासनिक फेरबदल के तहत अब उन्हें हापुड़ में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। श्रुति शर्मा ने वढरउ ङ्ख५' री१ल्लू२ एङ्गेल्लं३ङ्ख्ल्ल में शीर्ष स्थान प्राप्त कर देशभर में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया था। उनकी इस सफलता ने न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे बिजनौर

जनपद का नाम रोशन किया। उनके पिता सुनील दत्त शर्मा ग्राम बास्टा में बाल ज्ञान निकेतन इंटर कॉलेज का संचालन करते हैं। श्रुति की इस उपलब्धि से क्षेत्र में उत्साह का माहौल है और लोग उन्हें बधाई दे रहे हैं। उनके भाई एवं समाजसेवी गौरव भरद्वाज एडवोकेट ने कहा कि ह्लश्रुति शर्मा जैसी प्रतिभाएं युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं और उनके नेतृत्व में हापुड़ जनपद के विकास कार्यों को नई दिशा मिलेगी। प्रदेश सरकार द्वारा किए गए प्रशासनिक फेरबदल में कई आईएएस अधिकारियों के कार्यक्षेत्र बदले गए हैं, जिनमें श्रुति शर्मा को यह अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। जनपदवासियों को उम्मीद है कि श्रुति शर्मा अपने कुशल नेतृत्व और अनुभव से विकास कार्यों को गति देंगी और क्षेत्र का नाम और ऊंचा करेंगी।

मिलीभगत से फल-फूल रहा खनन माफिया

चांदपुर में अवैध मिट्टी खनन पर बड़ा खुलासा, कार्रवाई पर उठे गंभीर सवाल

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। तहसील क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। आरोप है कि रात के अंधेरे में खनन माफिया बेखौफ होकर ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और मशीनों से बड़े पैमाने पर खनन कर रहे हैं, जबकि प्रशासनिक कार्रवाई केवल कागजों तक सीमित नजर आ रही है। रात में खनन, दिन में सन्नाटा स्थानीय लोगों के अनुसार, जैसे ही रात होती है, खनन माफिया सक्रिय हो जाते हैं और खेतों व खाली जमीनों से मिट्टी का अवैध खनन शुरू कर देते हैं। सुबह तक सारे सबूत मिटा दिए जाते हैं, सूचना के बावजूद नहीं होती कार्रवाई ग्रामीणों और पत्रकारों का आरोप है कि कई बार प्रशासन को सूचना दी जाती है, लेकिन मौके पर समय से कार्रवाई नहीं होती। कई बार अधिकारियों द्वारा वीडियो और लोकेशन मांगी जाती है, जिससे देरी होती है और खनन माफिया मौके से फरार हो जाते हैं। मिलीभगत के आरोप, उठे गंभीर सवाल क्षेत्र में चर्चा है कि जिन ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर कथित तौर पर ह्मिलीभगतह्व होती है, उन्हें खुलेआम चलने दिया जाता है, जबकि जो बिना किसी संरक्षण के खनन करते हैं, उन्हें पकड़कर मोटी रकम लेकर छोड़ दिए जाने के आरोप भी सामने आ रहे हैं। इन आरोपों ने प्रशासनिक कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग तेज हो गई है। संगठन और सामाजिक कार्यकताओं में रोष विश्व हिन्दू महासंघ गौ रक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रशांत तोमर ने कहा कि ह्मखनन माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई न होना बेहद चिंताजनक है। यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन बड़ा आंदोलन करेगा। प्रदेश उपाध्यक्ष स्वाति तोमर ने कहा कि ह्मयह मामला केवल अवैध खनन का नहीं, बल्कि प्रशासनिक पारदर्शिता का भी है। निष्पक्ष जांच जरूरी है। विश्व हिन्दू महासंघ गौ रक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश मंत्री एवं वरिष्ठ पत्रकार नागेन्द्र सिंह राजपूत ने कहा कि ह्मसूचना देने के बावजूद कार्रवाई न होना और मौके से माफियाओं का बच निकलना व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। इसकी उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए। जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा ने चेतावनी देते हुए कहा कि ह्मयदि खनन माफियाओं पर तत्काल रोक नहीं लगी तो संगठन सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेगा। पर्यावरण और राजस्व को भारी नुकसान अवैध खनन के कारण भूमि कटाव, पर्यावरण असंतुलन और सरकारी राजस्व को नुकसान हो रहा है, जो आने वाले समय में बड़ी समस्या बन सकता है। मुख्यमंत्री से सख्त कार्रवाई की मांग स्थानीय लोगों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री ह्वॅ अ३८ल्लं३ँ, जिलाधिकारी खं३ड डं४१, पुलिस अधीक्षक ॠँरौं' खँ तथा एसडीएम चांदपुर ढ३ल्ल ळी५३ं से मामले का संज्ञान लेकर सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही मांग की गई है कि जो भी अधिकारी या कर्मचारी इस तरह की लापरवाही या कथित मिलीभगत में शामिल पाए जाएं, उन्हें तत्काल प्रभाव से हटाकर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। बड़ा सवाल क्या प्रशासन इन गंभीर आरोपों की निष्पक्ष जांच करेगा या यूं ही जारी रहेगा अवैध खनन का खेल। अब जनता की नजर सरकार और प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी है।

स्कूलों में शुरू हुआ टीडी/ डिप्थीरिया टीकाकरण अभियान, डॉ. स्नेही ने किया शुभारंभ

दैनिक बुलंद मंज़िल
मौहम्मद फैजान

स्योहारा/बिजनौर। शासन के निदेर्शानुसार नियमित टीकाकरण अभियान के तहत स्योहारा क्षेत्र के सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में 20 अप्रैल से 30 अप्रैल तक टीडी (टिटनेस-डिप्थीरिया) टीकाकरण अभियान शुरू हो गया है। अभियान का शुभारंभ सीएचसी स्योहारा अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही द्वारा शहर के विभिन्न विद्यालयों में फीता काटकर किया गया। अभियान के पहले दिन एम एम स्कूल, मेरी जेसिस स्कूल, आरएसपीएम स्कूल तथा एमक्यू इंटर कॉलेज समेत अन्य विद्यालयों में कुल 15 सत्र आयोजित किए गए। इस दौरान 5 वर्ष, 10 वर्ष और 16 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को टीडी एवं डिप्थीरिया वैक्सीन लगाई गई। डॉ. स्नेही ने बताया कि यह टीका पूरी तरह सुरक्षित और प्रभावी है, जो बच्चों को टिटनेस और डिप्थीरिया जैसी गंभीर एवं जानलेवा बीमारियों से बचाने में सहायक है। उन्होंने कहा कि इन बीमारियों से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय केवल टीकाकरण ही है।उन्होंने अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि अपने-अपने बच्चों का निर्धारित आयु वर्ग के अनुसार टीकाकरण अवश्य कराएं, ताकि उन्हें भविष्य में गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखा जा सके। उन्होंने जानकारी दी कि स्कूलों में यह अभियान 20, 21, 23, 24, 27, 28 और 30 अप्रैल 2026 को संचालित होगा, जबकि बुधवार और शनिवार को नियमित टीकाकरण के कारण स्कूलों में विशेष अभियान नहीं चलेगा।इस अवसर पर राजेश कुमार, वीर सिंह, शीशराम, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. मीनाक्षी सिसोदिया, आलोक कुमार, अनम, राशि, एएनएम, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पर हरियाली लौटाने की मांग बिजनौर में 5 जून को व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाने की उठी आवाज

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। जनपद में घटती हरियाली और बढ़ते प्रदूषण को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए अंतरराष्ट्रीय जाट संसद के प्रदेश सचिव एवं उत्तर प्रदेश क्षेत्र पंचायत संगठन के जिला अध्यक्ष डॉ. विकुल मलिक ने 5 जून 2026 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण अभियान चलाने की मांग उठाई है। उन्होंने इस संबंध में इँ४स्त्रील्लीं१ ँ५ (केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री) तथा अ१४ल्ल ड४ं१ रंछील्लं (उत्तर प्रदेश सरकार में वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के राज्य मंत्री) को पत्र भेजा है। डॉ. मलिक ने अपने पत्र में कहा कि जनपद बिजनौर से गुजर रहे पानीपत-खटीमा नेशनल हाईवे सहित अन्य प्रमुख मार्गों के चौड़ीकरण के दौरान बड़ी संख्या में छायादार वृक्षों को काट दिया गया, जिससे पर्यावरण संतुलन प्रभावित हुआ है। उन्होंने बताया कि पेड़ों की कमी के कारण जहां प्रदूषण बढ़ रहा है, वहीं सड़क पर चलने वाले लोगों, खासकर दोपहिया वाहन चालकों को तेज धूप और गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। डॉ. विकुल मलिक ने मांग की है कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद की सभी सड़कों के किनारे व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण कराया जाए, ताकि हरियाली वापस लाई जा सके और पर्यावरण को संतुलित किया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने जनपद की स्वयंसेवी संस्थाओं और सामाजिक संगठनों से भी अपील की है कि वे इस अभियान में भाग लेकर अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें। इस पहल को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

अस्पताल में हंगामा फीना के यूनिक हॉस्पिटल में नर्सों से अभद्रता, तीन युवकों पर आरोप

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर/शिवाला कलां। फीना स्थित एक निजी अस्पताल में उस समय हड़कंप मच गया, जब तीन युवकों पर ड्यूटी पर मौजूद नर्सों के साथ अभद्रता, गाली-गलौज और अश्लील हरकतें करने के गंभीर आरोप लगे। पीड़ित नर्सों ने थाने में लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। रात में अस्पताल पहुंचकर किया हंगामा घटना 19 अप्रैल 2026 की रात करीब 9 बजे की बताई जा रही है। शिकायत के अनुसार, फीना निवासी गोलू पुत्र करन सिंह, ललित पुत्र मेघराज सिंह और करन सिंह पुत्र राम सिंह यूनिक हॉस्पिटल पहुंचे। आरोप है कि तीनों युवकों ने अस्पताल परिसर में पहुंचते ही हंगामा शुरू कर दिया और अस्पताल का बोर्ड तक फाड़ दिया। नर्सों के साथ गाली-गलौज और अभद्रता का आरोप ड्यूटी पर मौजूद नर्सों सलोनी, दीपा रानी और लक्ष्य ने आरोप लगाया कि युवकों ने उनके साथ गाली-गलौज की और अश्लील इशारे भी किए। स्थिति बिगड़ती देख नर्सों ने उन्हें समझाने का प्रयास किया और अपने सीनियर को बुलाने की बात कही, लेकिन आरोपी नहीं माने। 112 पर कॉल कर बुलाई पुलिस घटना के दौरान नर्सों ने तुरंत 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। इसके बाद मामले को लेकर थाने में लिखित तहरीर दी गई। पुलिस जांच में जुटी इस संबंध में थाना शिवाला कलां के एसएचओ लखपत सिंह ने बताया कि शिकायत प्राप्त हो गई है और मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। अस्पताल में सुरक्षा पर सवाल इस घटना ने अस्पतालों में कार्यरत महिला स्टाफ की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जरूरत है कि ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई हो, ताकि स्वास्थ्य सेवाओं में लगे कर्मचारियों को सुरक्षित माहौल मिल सके।

देवर पर छेड़छाड़ व धमकी का आरोप, प्राथमिकी दर्ज

दैनिक बुलंद मंजिल यासिर शम्सी।

बढ़ापुर। क्षेत्र के एक मोहल्ला निवासी एक विवाहिता ने अपने देवर पर छेड़छाड़,गाली गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता रुकसाना ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका देवर सलीम उस पर गलत नजर रखता है और आए दिन अभद्रता करता है। पीड़िता के अनुसार 13 जनवरी की रात करीब 10 बजे आरोपी घर में घुस आया और अश्लील हरकत करते हुए छेड़छाड़ की।शोर मचाने पर आरोपी मौके से फरार हो गया।आरोप है कि इसके बाद से आरोपी लगातार उसे और उसके बच्चों को जान से मारने की धमकी दे रहा है।

घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल चोरी

दैनिक बुलंद मंजिल यासिर शम्सी

नगीना। ग्राम धर्मशा नंगली निवासी एक युवक की घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल चोरी हो जाने के चलते पीड़ित ने थाने में तहरीर दी।प्राप्त जानकारी के अनुसार गौतम सिंह पुत्र मेघराज सिंह ने अपनी मोटरसाइकिल घर के बाहर खड़ी कर रखी थी।08 अप्रैल की सुबह जब वह उठा तो मोटरसाइकिल मौके पर नहीं मिली।पीड़ित ने आसपास और परिचितों के यहां काफी तलाश की,लेकिन मोटरसाइकिल का कोई सुराग नहीं लग सका।पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर बाइक की तलाश शुरू कर दी।

रामपुर एस पी पुलिस ने जनसुनवाई कर दिए सख्त निर्देश

दैनिक बुलंद मंज़िल

रामपुर । एस पी सोमेंद्र मीना द्वारा प्रतिदिन की भाँति पुलिस कार्यालय पर जनसुनवाई कर फरियादियों की समस्याओं/शिकायतों को सुना गया, जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों के शीघ्र व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये ।

ट्रक विवाद में सलमान हत्याकांड का आरोपी दो माह बाद भी फरार, कोर्ट की अवहेलना में नया मुकदमा दर्ज

दैनिक बुलंद मंज़िल
मौहम्मद फैजान

स्योहारा। चर्चित ट्रक चालक सलमान हत्याकांड का नामजद आरोपी घटना के दो माह बाद भी पुलिस गिरफ्त से बाहर है। वारंट, मुनादी और 25 हजार रुपये का इनाम घोषित होने के बावजूद आरोपी के सामने न आने पर पुलिस ने अब कानूनी शिकंजा और कस दिया है। आरोपी के खिलाफ न्यायालय की अवहेलना का एक और मुकदमा दर्ज किया गया है। बताया जाता है कि 19 फरवरी को स्योहारा शुगर मिल ट्रक यार्ड में मामूली विवाद के बाद ट्रक चालक सलमान की हत्या कर दी गई थी। मामले में नामजद आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने 7 मार्च को गैर-जमानती वारंट जारी कराया था, लेकिन आरोपी न तो गिरफ्तार हुआ और न ही न्यायालय में पेश हुआ। इसके बाद 22 मार्च को न्यायालय से फरारी की उद्घोषणा जारी होने पर पुलिस ने आरोपी के घर नोटिस चस्पा कर ढोल बजवाकर मुनादी कराई और आत्मसमर्पण के निर्देश दिए थे। बावजूद इसके आरोपी फरार बना रहा। 4 अप्रैल को पुलिस अधीक्षक द्वारा आरोपी की गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया, लेकिन अभी तक उसका कोई सुराग नहीं लग सका है। वहीं आरोपी को संरक्षण देने के आरोप में उसके चाचा नसीम अहमद को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। लगातार न्यायालय के आदेशों की अनदेखी करने पर थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार की ओर से आरोपी के खिलाफ न्यायालय की अवहेलना का एक और मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस की विशेष टीमें, एसओजी और सर्विलांस यूनिट लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। मोबाइल लोकेशन ट्रैकिंग के साथ रिश्तेदारों और परिचितों से पूछताछ भी जारी है। धामपुर क्षेत्राधिकारी अभय कुमार पांडे ने बताया कि हत्यारोपी की गिरफ्तारी के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं और जल्द ही आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होगा।

साथ जीने मरने की कसम खा कर प्रेमिका हुई फरार

दैनिक बुलंद मंजिल
यासिर शम्सी।

नगीना देहात। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक व्यक्ति ने अपनी 20 वर्षीय पुत्री को बहला फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर देकर बताया कि मेरी पुत्री को आशीष कुमार शादी करने के उद्देश्य से बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया। बताया गया कि आरोपी युवक पूर्व में करीब चार वर्ष पहले गांव में ही अपनी मौसी के घर पर रह चुका है,जिससे वह परिवार के संपर्क में था।घटना के बाद परिजनों ने आरोपी के मोबाइल नंबर पर संपर्क किया तो उसने बताया कि वह काफी दूर जा चुका है और युवती उसके साथ है,साथ ही पीछा न करने की बात कही।

स्वार कन्या इंटर कॉलेज में हुई पुलिस की पाठशाला

महिला हेल्पलाइन नंबर 1090, 112, 181 की सेवाओं का लें लाभ : सी ओ

दैनिक बुलंद मंज़िल/विनोद गुप्ता

स्वार रामपुर। सोमवार को मिशन शक्ति फेस-5.0 अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए क्षेत्राधिकारी अतुल कुमार पांडेय, स्वार द्वारा महिला सुरक्षा दल थाना स्वार के साथ जीजीआईसी, स्वार में ह्मपुलिस की पाठशालाह्व का आयोजन किया गया। जिस दौरान छात्राओं को महिला सुरक्षा से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया गया। उन्हें गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, साइबर अपराधों से बचाव, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा आपातकालीन स्थिति में सहायता प्राप्त करने के तरीकों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त छात्राओं को महिला हेल्पलाइन नंबर 1090, 112, 181 तथा अन्य महत्वपूर्ण सेवाओं की जानकारी देते हुए बताया गया कि किसी भी प्रकार की समस्या या आपात स्थिति में तुरंत इन नंबरों का उपयोग करें ।

गर्भवती गाय के साथ दुष्कर्म मुकदमा कायम

दैनिक बुलंद मंजिल
यासिर शम्सी।

बढ़ापुर। नई कॉलोनी रामजीवाला रोड में एक व्यक्ति पर गर्भवती गाय के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगाया गया है।घटना के बाद आरोपी ने विरोध करने पर पीड़िता को जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित महिला ने पुलिस को सौंपे शिकायती पत्र में बताया कि शनिवार की मध्य रात्रि उसकी आंख खुली तो घर में बंधी तीन माह की गर्भवती गाय गायब मिली। तलाश करने पर गाय पास ही सड़क किनारे एक खंभे से बंधी हुई मिली।आरोप है कि वहां रविंद्र गाय के साथ दुष्कर्म कर रहा था।पीड़िता के अनुसार,उसने आरोपी को रोकने के लिए हाथ में पकड़ी लकड़ी फेंकी,जो आरोपी की कमर पर लगी।इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया और उसकी चप्पल वहीं छूट गई।पीड़िता का कहना है कि सुबह जब वह आरोपी के घर शिकायत करने पहुंची तो आरोपी ने गाली गलौज करते हुए उसे जान से मारने की धमकी दी।

लाखों की चोरी, गजरे और नए नोट लेकर फरार हुए चोर

सुबह दुकान खोलने पहुंचे व्यापारी को टूटा मिला गल्ला, पुलिस जांच में जुटी

दैनिक बुलंद मंजिल
ब्यूरो चीफ बिजनौर

बिजनौर /नजीबाबाद। नगर के चौक बाजार में चोरी की एक बड़ी वारदात सामने आई है, जहां अज्ञात चोर लाखों रुपये की नकदी और सामान लेकर फरार हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार हरिओम के नाम से संचालित कपड़ों, नोटों के गजरे के व्यापारी नेता लवी अग्रवाल ने बताया कि उनके पिता जब सुबह करीब 9 बजे दुकान पर पहुंचे तो गल्ले का लॉक टूटा हुआ मिला और उसमें रखा सारा सामान गायब था। चोर दुकान से नए नोटों के साथ-साथ कीमती गजरे और अन्य सामान भी अपने साथ ले गए। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया और आसपास के व्यापारियों में भय का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर सीओ अंजनी कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस आसपास में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि आरोपियों तक जल्द से जल्द पहुंचा जा सके। व्यापारियों ने इस घटना पर रोष व्यक्त करते हुए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। वही मोके पर पर एसपी सिटी कृष्ण गोपाल सिंह व सीओ अंजनी कुमार घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए स्थानीय पुलिस को जांच के निर्देश दिए हैं उन्होंने कहा की पुलिस इस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और जल्द ही चोरी का खुलासा किया जाएगा।

दैनिक बुलन्द मंज़िल
बरेली
संभल
मंगलवार , 21 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

हुजूर ताजुश्शरिया इल्म का समन्दर थे, उर्स की तैयारियां तेज

8वें उर्से ताजुश्शरिया के सिलसिले में वालंटियर्स की अहम बैठक हुई

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। हुजूर ताजुश्शरिया अलैहिर्रहमा की इल्मी, दीनि और रूहानी खिदमात को याद करते हुए 8वें उर्से ताजुश्शरिया की तैयारियां जोरों पर हैं, इसी सिलसिले में उर्स प्रभारी सलमान हसन खान ने दरगाह आला हजरत/ताजुश्शरिया परिसर में वालंटियर्स की एक अहम मीटिंग बुलाई। जिसमें शहर भर की मुख्तलिफ ब्रांचों के वालंटियर्स लीडरान और जिम्मेदार अफराद शिरकत करेंगे, मीटिंग का मकसद उर्स की तैयारियों का जायजा लेना, इंतजामात को मुकम्मल बनाना और जायरीन-ए-किराम को बेहतर से बेहतर सहूलियात फराहम कराने के लिए मशविरा लेना है, हुजूर ताजुश्शरिया मुफ़्ती अख्तर रजा खां कादरी अजहरी अपनी बेमिसाल इल्मी सलाहियत, फिक्ही महारत और रूहानी शख्सियत की वजह से दुनिया भर में एक बुलंद मुकाम रखते थे, आपने कुरआन, हदीस, फिक्ह और तफसीर के मैदान में गहरी पकड़ हासिल की और हजारों की तादाद में फतवे जारी फरमाए, जिनसे उम्मत-ए-मुस्लिमाह को सही रहनुमाई मिली, आपकी जिंदगी दीन-ए-इस्लाम की तालीमात को आम करने और लोगों को आसान अंदाज में शरई मसाइल समझाने में गुजरी, आपके फतवे हिंदी, उर्दू, अरबी और अंग्रेजी जबानों में मौजूद हैं और दुनिया के मुख्तलिफ मुल्कों जैसे सऊदी अरब, दुबई, मिस्र, तुर्की, इंग्लैंड, हॉलैंड, पाकिस्तान और बांग्लादेश में आपके करोड़ों मुरीदीन पाए जाते हैं, आज आपके जानशीन काजी-ए-हिंदुस्तान मुफ़्ती मुहम्मद असजद रजा खान कादरी आपकी तालीमात को आगे बढ़ा रहे हैं और शरई मसाइल में रहनुमाई फरमा रहे हैं, उर्स की इस अहम मीटिंग में भी इंतजामी उमूर, सफाई, ट्रैफिक, जायरीन की रिहाइश, लंगर और सिक्योरिटी जैसे अहम मुद्दों पर तफ्सीली बातचीत की जाएगी, ताकि उर्स के मौके पर आने वाले लाखों अकीदतमंदों को किसी किस्म की दिक्कत का सामना न करना पड़े और यह रूहानी इज्तिमा अमन-ओ-अमान और इंतजाम के साथ मुकम्मल हो सके।

हुजूर ताजुश्शरिया इल्म का समन्दर थे, उर्स की तैयारियां तेज

8वें उर्से ताजुश्शरिया के सिलसिले में वालंटियर्स की अहम बैठक हुई

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। हुजूर ताजुश्शरिया अलैहिर्रहमा की इल्मी, दीनि और रूहानी खिदमात को याद करते हुए 8वें उर्से ताजुश्शरिया की तैयारियां जोरों पर हैं, इसी सिलसिले में उर्स प्रभारी सलमान हसन खान ने दरगाह आला हजरत/ताजुश्शरिया परिसर में वालंटियर्स की एक अहम मीटिंग बुलाई। जिसमें शहर भर की मुख्तलिफ ब्रांचों के वालंटियर्स लीडरान और जिम्मेदार अफराद शिरकत करेंगे, मीटिंग का मकसद उर्स की तैयारियों का जायजा लेना, इंतजामात को मुकम्मल बनाना और जायरीन-ए-किराम को बेहतर से बेहतर सहूलियात फराहम कराने के लिए मशविरा लेना है, हुजूर ताजुश्शरिया मुफ़्ती अख्तर रजा खां कादरी अजहरी अपनी बेमिसाल इल्मी सलाहियत, फिक्ही महारत और रूहानी शख्सियत की वजह से दुनिया भर में एक बुलंद मुकाम रखते थे, आपने कुरआन, हदीस, फिक्ह और तफसीर के मैदान में गहरी पकड़ हासिल की और हजारों की तादाद में फतवे जारी फरमाए, जिनसे उम्मत-ए-मुस्लिमाह को सही रहनुमाई मिली, आपकी जिंदगी दीन-ए-इस्लाम की तालीमात को आम करने और लोगों को आसान अंदाज में शरई मसाइल समझाने में गुजरी, आपके फतवे हिंदी, उर्दू, अरबी और अंग्रेजी जबानों में मौजूद हैं और दुनिया के मुख्तलिफ मुल्कों जैसे सऊदी अरब, दुबई, मिस्र, तुर्की, इंग्लैंड, हॉलैंड, पाकिस्तान और बांग्लादेश में आपके करोड़ों मुरीदीन पाए जाते हैं, आज आपके जानशीन काजी-ए-हिंदुस्तान मुफ़्ती मुहम्मद असजद रजा खान कादरी आपकी तालीमात को आगे बढ़ा रहे हैं और शरई मसाइल में रहनुमाई फरमा रहे हैं, उर्स की इस अहम मीटिंग में भी इंतजामी उमूर, सफाई, ट्रैफिक, जायरीन की रिहाइश, लंगर और सिक्योरिटी जैसे अहम मुद्दों पर तफ्सीली बातचीत की जाएगी, ताकि उर्स के मौके पर आने वाले लाखों अकीदतमंदों को किसी किस्म की दिक्कत का सामना न करना पड़े और यह रूहानी इज्तिमा अमन-ओ-अमान और इंतजाम के साथ मुकम्मल हो सके।

20 साल से काम कर रहे कर्मचारियों का सब्र टूटा, बरेली कॉलेज में स्थायीकरण की मांग तेज

कर्मचारी कल्याण सेवा समिति ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन, 20 हजार न्यूनतम वेतन और नियमितीकरण की उठाई मांग

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। बरेली कॉलेज बरेली के अस्थायी कर्मचारियों का धैर्य अब जवाब देने लगा है। वर्षों से सेवा देने के बावजूद स्थायीकरण और वेतनमान से वंचित कर्मचारियों ने अब सीधे मुख्यमंत्री से गुहार लगाई है।

कर्मचारी कल्याण सेवा समिति, बरेली कॉलेज द्वारा मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश को भेजे गए ज्ञापन में कर्मचारियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया है। समिति का कहना है कि कॉलेज में कई कर्मचारी पिछले 20-20 वर्षों से कार्यरत हैं, लेकिन आज तक उनकी सेवा शर्तें तय नहीं हो सकी हैं।

ज्ञापन में तीन प्रमुख मांगें रखी गई हैं अस्थायी कर्मचारियों को खाली पदों पर समायोजित कर नियमित किया जाए। लंबे समय से कार्यरत कर्मचारियों के लिए सेवा नियमावली बनाकर न्यूनतम वेतन 20,000 रूपए लागू किया जाए। कॉलेज की ऐतिहासिकता को देखते हुए इसे केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिया जाए। समिति ने कहा कि वर्षों से संघर्ष के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं हो सका है, जिससे कर्मचारियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। समिति के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि जल्द ही मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो कर्मचारी आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।

रोजी-रोटी का संकट लेकर नगर निगम पहुंचे वेंडर्स, अधिकारियों से की मुलाकात

दुकानें हटाए जाने से नाराज स्ट्रीट फूड विक्रेताओं ने मांगा समाधान, वेंडिंग जोन में शिफ्ट करने की उठाई मांग

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। नगर निगम की अतिक्रमण हटाओ कार्रवाई से प्रभावित स्ट्रीट फूड वेंडर्स ने सोमवार को नगर निगम पहुंचकर अधिकारियों से मुलाकात की और अपनी समस्या को मजबूती से रखा। पिछले 10 दिनों से बेरोजगार बैठे इन वेंडर्स ने साफ कहा कि बिना वैकल्पिक व्यवस्था के दुकानें हटाना उनके साथ अन्याय है।

रोजी-रोटी छिनी, अब परिवार कैसे पालें?

वेंडर्स ने अधिकारियों को बताया कि वे पिछले 20-25 सालों से चौकी चौराहा क्षेत्र में ठेला और छोटी दुकान लगाकर अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे थे। अचानक हुई कार्रवाई से उनकी आय पूरी तरह बंद हो गई है, जिससे परिवार भूख और आर्थिक तंगी के कगार पर पहुंच गया है।

बच्चों की पढ़ाई और इलाज पर पड़ा असर

मुलाकात के दौरान वेंडर्स ने यह भी बताया कि इस समय स्कूलों में एडमिशन चल रहे हैं, लेकिन आय बंद होने के कारण वे बच्चों की फीस नहीं भर पा रहे। वहीं कई परिवारों में बीमार सदस्य हैं, जिनके इलाज के लिए भी पैसे नहीं हैं।

वेंडिंग जोन या पुरानी जगह की मांग

वेंडर्स ने अधिकारियों से मांग की कि या तो उन्हें पहले की तरह उसी स्थान पर दुकान लगाने की अनुमति दी जाए या फिर किसी उचित वेंडिंग जोन में स्थान दिया जाए, जहां ग्राहकों की आवाजाही हो और वे दोबारा अपनी आजीविका शुरू कर सकें।

अधिकारियों ने दिया आश्वासन

नगर निगम अधिकारियों ने वेंडर्स की समस्याओं को सुनते हुए उन्हें आश्वासन दिया कि उनकी मांगों पर विचार किया जाएगा और नियमानुसार उचित समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा। हालांकि, फिलहाल वेंडर्स को किसी ठोस फैसले का इंतजार है।

मेडिकल संचालक ने खुद को गोली से उड़ाया

शादी में गया था परिवार,दो मासूम बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। थाना आंवला क्षेत्र के श्रीराम विहार कॉलोनी में रविवार देर शाम एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक युवक ने घर के अंदर खुद को गोली मार ली। इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे परिवार में कोहराम मच गया, वहीं इलाके में भी सनसनी फैल गई। मृतक पंकज सिंह के ममेरे भाई आशीष ने जिला अस्पताल की मोर्चरी के बाहर बताया कि परिवार के सभी सदस्य फरीदपुर के लोंगपुर गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। इस दौरान पंकज सिंह घर पर अकेले थे। इसी बीच उन्होंने यह खौफनाक कदम उठा लिया।

खून से लथपथ हालत में मिला शव

घटना की सूचना मिलते ही परिजन तुरंत घर पहुंचे, जहां पंकज सिंह कमरे के अंदर खून से लथपथ पड़े मिले। उन्हें आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पत्नी भी थी शादी में, पीछे छूटे दो मासूम

बताया जा रहा है कि मृतक की पत्नी भी उसी शादी समारोह में गई हुई थी। पंकज सिंह अपने पीछे पत्नी और दो छोटे बच्चों को छोड़ गए हैं। उनकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

मेडिकल स्टोर चलाकर करता था परिवार का पालन-पोषण

पंकज सिंह स्थानीय स्तर पर मेडिकल स्टोर संचालित करते थे और इसी से अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। परिजनों का कहना है कि वह सामान्य जीवन जी रहे थे और किसी प्रकार के तनाव या आर्थिक विवाद की जानकारी नहीं थी। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और आत्महत्या के पीछे की असली वजह तलाशने में जुटी है।

पति प्रेमिका संग फरार, पत्नी को मिली जान से मारने की धमकी — तीन मासूम बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल

ऑटो बेचकर दूसरी महिला के साथ रहने लगा पति, पीड़िता ने थाना सीबीगंज में लगाई गुहार

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। थाना सीबीगंज क्षेत्र में एक महिला के साथ घरेलू विवाद और धोखाधड़ी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पति के दूसरी महिला के साथ रहने चले जाने और जान से मारने की धमकी मिलने से पीड़िता व उसके बच्चे सहमे हुए हैं।

गोकिलपुर गरगईया निवासी संध्या पत्नी धर्मेंद्र ने थाना सीबीगंज में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उसके पति धर्मेंद्र, जो पेशे से ऑटो ड्राइवर है, को उसके मायके वालों ने ऑटो खरीदकर दिया था। आरोप है कि पति ने वह ऑटो बेच दिया और अब बारी नगला की रहने वाली एक विधवा महिला के साथ बरेली में रह रहा है।

बच्चों की हालत खराब

पीड़िता के अनुसार उसके तीन छोटे-छोटे बच्चे हैं, जो पिता के घर छोड़कर चले जाने के बाद लगातार रो रहे हैं और उनका पालन-पोषण मुश्किल हो गया है। संध्या ने आरोप लगाया कि उक्त महिला उसे फोन पर साथ रहने का दबाव बना रही है, अन्यथा जान से मारने की धमकी दे रही है। इस धमकी से पूरा परिवार दहशत में है। पीड़िता ने थाना सीबीगंज पहुंचकर पुलिस से कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने प्रार्थना पत्र के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

तेज रफ्तार कार ने बाइक को रौंदा, युवक की मौके पर मौत, दो जिंदगी से जूझ रहे

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। जनपद के बहेड़ी क्षेत्र में रविवार शाम एक भीषण सड़क हादसे ने खुशियों का माहौल मातम में बदल दिया। तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार तीन युवकों को टक्कर मार दी, जिसमें एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक सौरभ शर्मा के भाई ने जिला अस्पताल की मोर्चरी के बाहर बताया कि सौरभ (24) उत्तराखंड के थाना पंतनगर क्षेत्र के गांव अटरिया का निवासी था। वह अपने दोस्तों पंकज और आंसू के साथ एक परिचित की शादी में शामिल होने बहेड़ी आ रहा था। जैसे ही उनकी बाइक कटहर ढल के पास पहुंची, सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सौरभ ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि उसके दोनों साथी सड़क पर गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े।

पुलिस ने पहुंचकर घायलों को भेजा अस्पताल

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत अस्पताल भिजवाया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने मृतक का पंचायतनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है कि सौरभ उत्तराखंड के जिला अस्पताल में कार्यरत था। उसकी अचानक मौत से परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है और शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। क्या तेज रफ्तार और लापरवाही ही ऐसे हादसों की सबसे बड़ी वजह बनती जा रही है? फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

सतीपुर चौराहे पर बवालः शराबी ने दरोगा का पकड़ा कॉलर, थप्पड़ जड़कर मचाया हंगामा

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। सतीपुर चौराहे पर रविवार रात कानून-व्यवस्था उस वक्त सवालों में आ गई, जब खुलेआम शराब पी रहे युवकों को रोकने पहुंची पुलिस टीम के साथ ही मारपीट हो गई। घटना ने न सिर्फ पुलिस की कार्यशैली बल्कि इलाके में बढ़ती अव्यवस्था को भी उजागर कर दिया। जानकारी के मुताबिक सैटेलाइट चौकी प्रभारी को सूचना मिली थी कि चौराहे के पास सड़क किनारे कुछ युवक खुलेआम शराब पी रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो एक खोखे के पास युवक शराब पीते मिले। रोकने पर कहासुनी शुरू हो गई। बताया जा रहा है कि विवाद के दौरान दरोगा ने एक युवक को थप्पड़ मार दिया, जिससे मामला और भड़क गया। नशे में धुत युवक ने दरोगा का कॉलर पकड़ लिया और उन्हें थप्पड़ जड़ दिया। मौके पर काफी देर तक धक्का-मुक्की और हंगामा चलता रहा।

आरोपी और खोखा संचालक हिरासत में

हंगामे के बाद पुलिस ने आरोपी युवक और खोखा संचालक को पकड़कर हिरासत में ले लिया। दोनों से पूछताछ की जा रही है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में नाराजगी देखने को मिली। लोगों का कहना है कि सतीपुर चौराहे पर दिनभर शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है। सुबह से लेकर देर रात तक खुलेआम शराब पी जाती है, जिससे राहगीरों और आसपास के दुकानदारों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है।

सैटेलाइट से सुरेश शर्मा नगर तक शराब अड्डे सक्रिय

स्थानीय लोगों के अनुसार सैटेलाइट चौराहे से लेकर सुरेश शर्मा नगर तक कई ठेले और वैन चल रही हैं, जहां शाम होते ही शराब पिलाने का धंधा शुरू हो जाता है। इन अड्डों पर बैठकर लोग देर रात तक शराब पीते हैं।

उगाही के आरोपों ने बढ़ाई गंभीरता

सूत्रों का दावा है कि सैटेलाइट से बीसलपुर चौराहे तक लगने वाले ठेलों से कथित रूप से उगाही भी की जाती है। आरोप है कि ठेला संचालकों से रोजाना पैसे वसूले जाते हैं, जिससे अवैध गतिविधियों को बढ़ावा मिल रहा है।

22 ग्राम स्मैक के साथ युवक गिरफ्तार

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। बारादरी थाना क्षेत्र में पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक युवक को 22 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी नशे की तस्करी के इरादे से जा रहा था, जिसे पुलिस ने मौके पर ही दबोच लिया।

रविवार देर शाम थाना बारादरी पुलिस टीम गश्त व संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान शहदाना चौराहे के पास एक संदिग्ध युवक पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी कर रेलवे ग्राउंड के पास उसे पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम रंजीत मौर्य निवासी सतीपुर रोड, थाना बारादरी बताया। तलाशी के दौरान उसकी पैंट की जेब से एक पारदर्शी पन्नी में रखा मटमैला पाउडर बरामद हुआ, जिसे जांच में स्मैक पाया गया।

पुलिस ने मौके पर ही इलेक्ट्रॉनिक तराजू से वजन कराया, जिसमें स्मैक की मात्रा 22 ग्राम निकली। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह इस स्मैक को बेचने के लिए जा रहा था। हालांकि, वह स्मैक खरीदने वाले व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी नहीं दे सका। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 8/21 ठउढर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

रुहेलखंड विश्वविद्यालय में बवालः कुलपति लापता पोस्टर चिपकाकर एबीवीपी का हंगामा, परीक्षा-परिणाम पर फूटा गुस्सा

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय (एमजेपीआरयू) में परीक्षा और परिणाम संबंधी अव्यवस्थाओं को लेकर सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) का गुस्सा फूट पड़ा। सैकड़ों छात्रों ने प्रशासनिक भवन पर जमकर प्रदर्शन किया और कुलपति प्रो. केपी सिंह के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कुलपति लापता के पोस्टर चस्पा कर दिए। प्रदर्शन के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में काफी देर तक हंगामे की स्थिति बनी रही। एबीवीपी पदाधिकारियों का आरोप है कि विश्वविद्यालय की लचर व्यवस्था के चलते छात्रों का भविष्य दांव पर लग गया है। प्रांत संगठन मंत्री आनंद कठेरिया ने कहा कि परीक्षा और परिणाम से जुड़ी समस्याओं का तत्काल समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। छात्रों का कहना है कि बार-बार शिकायत के बावजूद प्रशासन कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है।

ज्ञापन लेने पहुंचे अधिकारी, छात्रों ने किया इनकार

प्रदर्शन के दौरान परीक्षा नियंत्रक संजीव सिंह मौके पर पहुंचे, लेकिन उन्होंने समस्याओं का समाधान अपने स्तर पर संभव न होने की बात कही। इस पर नाराज छात्रों ने उन्हें ज्ञापन देने से ही इंकार कर दिया। बाद में कुलसचिव हरीशचंद्र भी मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक छात्रों का आक्रोश चरम पर था। इस धरने में बदायूं और शाहजहांपुर से आए छात्र भी शामिल रहे। एबीवीपी ने आरोप लगाया कि घोषित परिणामों में बड़ी संख्या में छात्रों को को-करिकुलर विषयों में बैक दी गई है, जबकि कई छात्रों को एक समान अंक देकर प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर दिए गए हैं। संगठन का दावा है कि यह पूरी प्रक्रिया आर्थिक वसूली का माध्यम बनती जा रही है। साथ ही, परीक्षा फॉर्म भरते समय चुने गए विषयों का स्वतः बदल जाना भी छात्रों के लिए बड़ी परेशानी बना हुआ है।

शुल्क वृद्धि और तकनीकी खामियों से बढ़ी परेशानी

छात्रों का कहना है कि ग्रेजुएशन स्तर पर एक सेमेस्टर की फीस 1500 रुपये है, लेकिन बैक आने पर दो-तीन विषयों के लिए 3000 रुपये तक वसूले जा रहे हैं, जो अनुचित है। इसके अलावा, सर्वर स्लो होना, फॉर्म का स्वतः लॉक होना और वोकेशनल विषयों का बदल जाना जैसी तकनीकी समस्याओं से छात्र परेशान हैं। इन खामियों के कारण छात्रों को बार-बार कॉलेज और विश्वविद्यालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं। एबीवीपी ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो विश्वविद्यालय में बड़ा आंदोलन किया जाएगा। फिलहाल, छात्रों के इस विरोध प्रदर्शन ने विश्वविद्यालय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

परचम कुशाई से 24 अप्रैल को शुरू होगा उर्स ए ताजुश्शरिया, दरगाह पर उमड़ेगा अकीदतमंदों का सैलाब, जायरीन के लिए बड़े इंतजाम

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। आला हजरत खानदान से जुड़े उर्स ए ताजुश्शरिया का आगाज 24 अप्रैल को परचम कुशाई की रस्म के साथ होगा। इस दौरान शहर में रौनक अपने चरम पर रहेगी और देश-विदेश से बड़ी संख्या में अकीदतमंद दरगाह पहुंचेंगे। उर्स के पहले दिन शाहबाद और आजम नगर से निकलने वाले दो परचमी जुलूस शहर के कदीमी रास्तों से होते हुए दरगाह आला हजरत सलामी देते हुए दरगाह ताजुश्शरिया पहुंचेंगे।

जमात रजा ए मुस्तफा के राष्ट्रीय महासचिव और काजी ए हिंदुस्तान के दामाद फरमान हसन खान उर्फ फरमान मियां की कयादत में निकलने वाले इन जुलूसों का खास आकर्षण रहेगा। दरगाह ताजुश्शरिया पहुंचने पर परचम कुशाई की अहम रस्म काजी ए हिंदुस्तान मुफ्ती असजद मियां अदा करेंगे।

कुरान ख्वानी, नात-ओ-मनकबत और उलेमा की तकरीरें

उर्स के मौके पर 24 अप्रैल की सुबह फज्र की नमाज के बाद दरगाह में कुरान ख्वानी होगी। दिन में नात-ओ-मनकबत का सिलसिला चलेगा, जबकि रात में जामियातुल रजा में उलेमा ए इकराम की तकरीरें होंगी। देर रात 1:40 बजे मुफ्ती ए आजम का कुल शरीफ अकीदत के साथ अदा किया जाएगा।

25 अप्रैल को कुल शरीफ के साथ होगा समापन

उर्स के दूसरे दिन 25 अप्रैल को फज्र के बाद फिर कुरान ख्वानी होगी। सुबह 7:10 बजे मुफस्सिर ए आजम हजरत जिलानी मियां का कुल शरीफ अदा किया जाएगा। मुख्य कार्यक्रम दोपहर 12:30 बजे जामियातुर रजा में शुरू होगा, जबकि शाम 7:14 बजे ताजुश्शरिया के कुल शरीफ के साथ उर्स का समापन होगा।

जोरों पर तैयारियां, जायरीन के लिए खास इंतजाम

फरमान मियां ने बताया कि उर्स की तैयारियां बड़े स्तर पर की जा रही हैं। दरगाह से लेकर जामियातुर रजा तक सजावट का काम जारी है। दुनिया भर से उलेमा और अकीदतमंदों के आने की सूचना मिल रही है। उर्स के दौरान अमन-ओ-सुकून बनाए रखने के लिए वॉलिंटियर्स को जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा जायरीन की सहूलियत के लिए बड़े स्तर पर मेडिकल कैंप और लंगर का भी इंतजाम किया जा रहा है।

बाथरूम में घुसा दबंग, तमंचे के बल पर महिला से दुष्कर्म का प्रयास

ससुर के पहुंचते ही आरोपी फरार, जान से मारने की धमकी देकर भागा

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। जिले के क्योलडिया थाना क्षेत्र में महिला की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। यहां एक महिला के बाथरूम में घुसकर आरोपी ने तमंचे के बल पर उसके साथ छेड़छाड़ की वारदात को अंजाम देकर दुष्कर्म का प्रयास किया,शोर मचाने पर आरोपी ने महिला को जान से मारने की धमकी दी, लेकिन ससुर के मौके पर पहुंचने से बड़ी घटना टल गई।

गांव निवासी महिला की अनुसार, 19 अप्रैल की शाम करीब 7 बजे वह अपने घर के बाथरूम में नहाने गई थीं। तभी वहां पहले से घात लगाए खड़े एक युवक ने अचानक उन्हें दबोच लिया। आरोपी ने तमंचा दिखाकर चुप रहने की धमकी दी और महिला के साथ अश्लील हरकतें करने लगा।

ससुर के आने से बची इज्जत

महिला के शोर मचाने पर उसके ससुर मौके पर पहुंच गए। ससुर को देखते ही आरोपी ने उन्हें धक्का दिया और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया। पीड़िता का कहना है कि यदि ससुर समय पर नहीं आते तो आरोपी बड़ी वारदात को अंजाम दे सकता था। पीड़िता ने पोशाकी लाल के खिलाफ थाने में नामजद तहरीर दी है। पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। पुलिस ने मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नाबालिग के अपहरण से सनसनी, पूरे परिवार पर पीड़ित को धमकी देने का आरोप

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। जनपद के थाना क्योलड़िया क्षेत्र में एक नाबालिग किशोरी के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने से हड़कंप मच गया है। पीड़ित पिता ने गांव के ही एक युवक समेत उसके पूरे परिवार पर बेटी को बहला-फुसलाकर ले जाने का गंभीर आरोप लगाया है। थाना क्योलड़िया क्षेत्र के ग्राम निवासी ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उनकी 17 वर्षीय पुत्री 17 अप्रैल 2026 की शाम करीब 5 बजे घर से अचानक लापता हो गई। काफी तलाश के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं लग सका। पीड़ित ने ग्राम बरौर थाना नवाबगंज निवासी परवाज पुत्र अहमद अली समेत उसके पिता, भाइयों और बहनों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सभी ने मिलकर उनकी पुत्री को गायब किया है।पीड़ित का कहना है कि जब उसने आरोपियों से संपर्क करने की कोशिश की तो उसे जान से मारने की धमकी दी गई, जिससे पूरा परिवार भयभीत है। पीड़ित पिता ने थाना क्योलड़िया पुलिस से रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने और बेटी को सकुशल बरामद कराने की मांग की है। पुलिस ने प्रार्थना पत्र के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। किशोरी की तलाश के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

बरेली में बजरंग दल का प्रदर्शन, जिलाध्यक्ष रोहित के समर्थन में एसएसपी को सौंपा ज्ञापन : पुलिस अधिकारियों पर लगाए गंभीर आरोप

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद और राष्ट्रीय बजरंग दल के पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने सोमवार को जिलाध्यक्ष रोहित गंगवार के समर्थन में एसएसपी कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया और ज्ञापन सौंपा। इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकताओं की मौजूदगी से परिसर में हलचल रही।

संगठन ने इज्जतनगर थाने में तैनात एसएसआई जावेद अली और सीओ पंकज श्रीवास्तव पर पद के दुरुपयोग और दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई के आरोप लगाए। आरोप है कि 16 अप्रैल की घटना के बाद रोहित गंगवार के खिलाफ दबाव बनाकर मुकदमा दर्ज कराया गया, जिसकी संगठन ने निष्पक्ष जांच की मांग कि। एसएसपी को दिए गए ज्ञापन में दोनों अधिकारियों के निलंबन, विजिलेंस जांच, दर्ज एफआईआर को निरस्त करने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की गई। इसी के साथ संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि 7 दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो बरेली के साथ पूरे प्रदेश में बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के प्रांतीय महामंत्री सुनील गुप्ता, प्रांतीय संगठन मंत्री हरेंद्र सिंह, जिलाध्यक्ष अमित गंगवार, अनुपम, विवेक, सोमिल अग्रवाल, रविंद्र अग्रवाल, देवेंद्र ठाकुर, शिवा, आदेश गंगवार सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुरानी रंजिश में युवक पर जानलेवा हमला, हालत नाजुक

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। सीबीगंज थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक पर जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घटना से इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम जोगीठेर निवासी निर्मला पत्नी हरिनंदन ने थाना सीबीगंज में दिए प्रार्थना पत्र में बताया है कि 19 अप्रैल 2026 की रात करीब 1 बजे गांव के ही समदास पुत्र जीवन और नन्होरी पुत्र रामदास ने पुरानी रंजिश के चलते उनके पुत्र हरिओम पर लाठी-डंडों और धारदार हथियार से हमला कर दिया। इस हमले में हरिओम गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों द्वारा घायल युवक को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से हमला किया। मामले में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं पुलिस का कहना है कि प्रार्थना पत्र के आधार पर मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस से भिड़े गौ-तस्कर पिता-बेटे, मुठभेड़ में बाप के पैर में लगी गोली, दरोगा भी घायल, पुलिस ने तीनों को दबोचा

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। नवाबगंज थाना क्षेत्र के अलीनगर गांव के जंगल में सोमवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई, जब गो-तस्करों और पुलिस के बीच आमना-सामना होते ही गोलियां चलने लगीं। मुठभेड़ में एक ओर जहां पुलिस की गोली लगने से एक तस्कर घायल हो गया, वहीं तस्करों की फायरिंग में एक दरोगा भी जख्मी हो गया। मौके से पुलिस ने घायल तस्कर समेत उसके दो बेटों को दबोच लिया।

पुलिस को सुबह सूचना मिली थी कि अलीनगर गांव के जंगल में कुछ लोग गो-तस्करी की फिराक में हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने इलाके की घेराबंदी कर दी। जैसे ही पुलिस करीब पहुंची, तस्करों ने तमंचे से ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें एक तस्कर घायल हो गया। घायल तस्कर की पहचान हाफिजगंज थाना क्षेत्र के लभेड़ा गांव निवासी यासीन खां के रूप में हुई है। पुलिस की गोली उसके पैर में लगी, जिससे वह मौके पर ही गिर पड़ा। पुलिस ने उसे कब्जे में लेकर तुरंत अस्पताल भेजा। हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

दरोगा भी हुए जख्मी

मुठभेड़ के दौरान तस्करों की फायरिंग में उपनिरीक्षक योगेंद्र सिंह भी घायल हो गए। उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि उनकी हालत खतरे से बाहर है। पुलिस ने मौके से यासीन खां के दो बेटों अफजल खां और अजमल खां को भी गिरफ्तार कर लिया। तीनों के पास से एक तमंचा, कारतूस, छुरी, रस्सी और लकड़ी बरामद हुई है। साथ ही एक रस्सी से बंधा गोवंश भी पुलिस ने मुक्त कराया।

पहले भी गोकशी में रहा हाथ

पुलिस जांच में सामने आया है कि पकड़े गए आरोपी करीब एक माह पहले सतईया गांव में हुई गोकशी की घटना में भी शामिल थे। फिलहाल पुलिस तीनों आरोपियों से पूछताछ कर पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। अधिकारियों का कहना है कि यह गिरोह लंबे समय से इलाके में सक्रिय था। मुठभेड़ के बाद पुलिस अब इनके अन्य साथियों और तस्करी के पूरे नेटवर्क को खंगाल रही है, ताकि इस तरह की घटनाओं पर पूरी तरह लगाम लगाई जा सके।

हाथरस में मिड-डे मील खाद्यान्न उठान में अनियमितता उजागर, दो अधिकारियों पर कार्यवाही के निर्देश

जांच में राशन डीलर और शिक्षा विभाग की भूमिका संदिग्ध, डीएम ने दिए सख्त कदम उठाने के आदेश

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। जनपद में मिड-डे मील (एमडीएम) खाद्यान्न उठान में अनियमितता का मामला सामने आया है। जिला प्रशासन की जांच में कई गंभीर खामियां उजागर होने के बाद जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं।

मामला विकास खंड सादाबाद के नौगांव गांव का है, जहां राशन डीलर श्रीमती आयशा देवी पर खाद्यान्न उठान में गड़बड़ी के आरोप लगे थे। शिकायतकर्ता केशवदेव की शिकायत पर जिला पंचायत अध्यक्ष के पत्र के आधार पर जांच टीम गठित की गई थी, जिसमें मुख्य विकास अधिकारी को अध्यक्ष और उपजिलाधिकारी सादाबाद को सदस्य बनाया गया। जांच रिपोर्ट के अनुसार मिड-डे मील के तहत गेहूं और चावल के उठान में नियमों का पालन नहीं किया गया। राशन डीलर द्वारा निर्धारित स्थान के बजाय करीब 5 किलोमीटर दूर धर्मकांटा बिसावर से खाद्यान्न की ढुलाई कराई जा रही थी, जो नियमों के विरुद्ध है। साथ ही निरीक्षण के दौरान संबंधित अभिलेख भी उपलब्ध नहीं कराए गए।

जांच में यह भी सामने आया कि बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से डीसी एमडीएम से कोई पूछताछ नहीं की गई, जिससे पूरे मामले में विभागीय लापरवाही और संभावित संलिप्तता की आशंका जताई गई है। तत्कालीन खंड शिक्षा अधिकारी आलोक कुमार श्रीवास्तव और डीसी एमडीएम अरविंद कुमार की भूमिका भी संदेह के घेरे में पाई गई है।

जिलाधिकारी अतुल वत्स ने जांच रिपोर्ट के आधार पर दोनों अधिकारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन की इस कार्रवाई से जिले में खाद्यान्न वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होने की उम्मीद जताई जा रही है।

नगरीय जनगणना को लेकर महत्वपूर्ण बिंदुओं पर हुई चर्चा

फील्ड ट्रेनर्स ने दी सुपर वाइजर, पृगणको को प्रशिक्षण जानकारी

दैनिक बुलन्द मंज़िल / विनोद गुप्ता

शाहबाद रामपुर । सोमवार को जनपद रामपुर की नगर पंचायत शाहबाद में नगरीय क्षेत्र जनगणना ३७ में लगे सुपरवाइजर व पृगणको कों तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिनांक 20 अप्रैल 26 को राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज शाहबाद में आरंभ हुआ । जिसमें फील्ड ट्रेनर अलाउद्दीन शाह खां व? रिशिपाल द्वारा प्रथम बार डिजिटल होने वाली

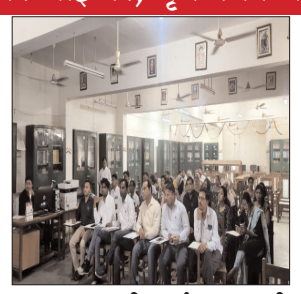

जनगणना की पूर्ण जानकारी दी गई। डिजिटल रूप से होने वाली मकान गणना करने के हर तरीके को बताया गया तथा उसमें होने वाली समस्याओं के निदान हेतु पूर्ण जानकारी दी गई बताते चलें कि उप जिला अधिकारी शाहबाद आशुतोष कुमार एवं खंड शिक्षा अधिकारी अशोक सिंह द्वारा प्रशिक्षण हॉल का निरीक्षण कर सुपरवाइजर एवं पृगणको को अच्छे से अपने दायित्वों को निभाने के बारे में जानकारी दी गई प्रथम बैच में नियुक्त समस्त सुपरवाइजर एवं पृगणक की पूण उपस्थिति रही। इस मौके पर नगर पंचायत शाहबाद से सहायक चार्ज अधिकारी नवेद मियां मुजीब मियां रेहान अहमद रहे।

मोतीपुरा के ईंट भट्ठे के पास पड़े भूसे के ढेर में आग लगने से मची अफरा तफरी

सूचना पर अग्नि शमन फायर ब्रिगेड टीम पहुंची आग पर पाया पाया काबू

दैनिक बुलंद मंजिल/ विनोद गुप्ता

शाहबाद रामपुर । सोमवार को तहसील शाहबाद क्षेत्र के ग्राम मोतीपुरा गांव में जब अफरा तफरी मच गई जब ईंट भट्टे के निकट पड़े भूसे के ढेर में किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा आग लगा दी गई ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि किसी ने जलती हुई बीड़ी फेंकी है जिस आग लगी है आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिस सूचना से अग्नि शमन की टीम मौके पर पहुंच गई जिससे

मौके पर अफरा तफरी का माहौल पैदा हो गया ।लोगों ने दमकल कर्मचारियों को सूचना दी। तुरंत दमकलमोतीपुरा गांव में स्थित ईंट भट्ठे के निकट पड़े भूसे के ढेर में लगी आग

दमकल कर्मचारियों ने पहुंच कर पाया काबू

शाहबाद । मोतीपुरा गांव में स्थित ईंट भट्ठे के निकट पड़े भूसे के ढेर में किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा जलती हुई बीड़ी फेंक दिए जाने से लगी आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे मौके पर अफरा तफरी का माहौल पैदा हो गया ।लोगों ने दमकल कर्मचारियों को सूचना दी। तुरंत दमकल कर्मचारी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। कर्मचारी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

पति सहित पांच के खिलाफ महिला ने कराई रिपोर्ट दर्ज

दैनिक बुलन्द मंज़िल

शाहबाद/रामपुर। मामला कोतवाली शाहबाद क्षेत्र से जुड़ा है जहां मोहल्ला वेदान निवासी एक महिला ने तीन तलाक देने और अधिकतम दहेज मांगने के आरोप लगाते हुए अपने सास, ससुर, पति, नंद और नंदोई के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। महिला के अनुसार उसका विवाह 15 जुलाई वर्ष 2016 को उत्तराखंड के उधम सिंह नगर के सितारगंज गांव निवासी अरबाज पुत्र रियाज के साथ मुस्लिम रीति रिवाज के साथ हुआ था। महीला के अनुसार उसके माता-पिता ने इस वैवाहिक कार्यक्रम में लगभग 5 लाख रुपए खर्च भी किए थे। महिला का कहना है कि इस समय उसके पास 9 वर्ष का और 7 वर्ष के दो पुत्र हैं, परंतु शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोगों ने अधिक दान दहेज लाने का दवाव बनाते हुए उसे तरह-तरह से प्रताड़ित करना प्रारंभ कर दिया था। नंदोई सुल्तान अक्सर ससुराल आता था और उसके साथ छेड़छाड़ व अश्लील हरकत भी करता था। पति से शिकायत करने पर पति भी नंदोई का ही पक्ष लेता था और शराब के नशे में उसे और अधिक प्रताड़ित करते हुए घर से निकल जाने की निकाल देने की धमकी भी देता रहता था 8 फरवरी पर 2026 को एक राय मशलरा होकर अरबाज, रियाज, शहाना, अरीशा उसके पास आए और उसे मारते-पीटते हुए तीन तलाक कहकर बच्चों सहित घर से निकाल दिया। मायके पहुंचने पर मां-बाप ने भी ससुराल पक्ष के लोगों को काफी समझाने का प्रयास किया परंतु उन्होंने माता-पिता को भी धमकाया और तीन तलाक दे देने की बात कहते हुए फोन काट दिया।

ऊर्जा, आत्मविश्वास और मार्गदर्शन की मिसाल : आगरा की डॉ. निशा ख्यानी का प्रेरणादायक सफर

एजेंसी

आगरा। आज के दौर में जहां लोग मानसिक तनाव और जीवन की उलझनों से जूझ रहे हैं, वहीं आगरा की डॉ. निशा ख्यानी एक नई उम्मीद बनकर उभर रही हैं। एक समर्पित एस्ट्रोलॉजर, लाइफ कोच और कॉस्मिक हीलर के रूप में उन्होंने अपने ज्ञान और अनुभव से अनेक लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया है। डॉ. निशा ख्यानी के जीवन की नींव उनके पिता श्री नारायण दास के संस्कारों और मार्गदर्शन से मजबूत हुई। उनकी प्रेरणा ने ही निशा को इस क्षेत्र में आगे बढ़ने का हौसला दिया। वर्ष 2024 में अहमदाबाद से लाइफ कोच के रूप में इंटरनेशनल सर्टिफिकेट प्राप्त कर उन्होंने अपने करियर को नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर किया। इसके अलावा लुधियाना से एस्ट्रोलॉजी और न्यूमेरोलॉजी में विशेष प्रशिक्षण लेकर उन्होंने अपने ज्ञान को और अधिक सशक्त बनाया। 28 मार्च को दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में उन्हें कॉस्मिक हीलर के सम्मान से नवाजा गया। यह सम्मान उनके समर्पण, मेहनत और समाज के प्रति उनकी सेवा भावना का प्रतीक है। डॉ. निशा ख्यानी मुख्य रूप से कॉस्मिक हीलिंग और माइंड पावर के क्षेत्र में कार्य करती हैं। उनका उद्देश्य लोगों के मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक संतुलन को बेहतर बनाना है। वे अपनी विशेष तकनीकों और मार्गदर्शन के माध्यम से लोगों के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती हैं और उन्हें सही दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं। उनकी सेवाओं का लाभ उठाकर कई लोगों ने अपने

जीवन में नई शुरूआत की है और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं। आज डॉ. निशा ख्यानी एक ऐसे नाम के रूप में स्थापित हो रही हैं, जो न केवल मार्गदर्शन देता है, बल्कि लोगों को अपने अंदर छिपी शक्ति को पहचानने का भी अवसर प्रदान करता है। यदि आप भी अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव और मानसिक संतुलन की तलाश में हैं, तो डॉ. निशा ख्यानी से संपर्क कर सकते हैं।

अलफगंज गाँव में कुर्क जमीन पर अवैध कब्जा, संग्रह अमीन व लेखपाल की शिकायत पर केस

दैनिक बुलंद मंजिल

सैफनी। थाना क्षेत्र के अलफगंज गांव में प्रशासन द्वारा कुर्क की गई भूमि पर अवैध कब्जे के मामले में संग्रह अमीन व लेखपाल की शिकायत पर पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक ग्राम अलफगंज स्थित गाटा संख्या 13 की 1460 वर्ग मीटर भूमि स्टाम्प कमी वसूली के चलते प्रशासन द्वारा पहले ही कुर्क की जा चुकी थी। आरोप है कि इसके बावजूद रायपुर निवासी हसीन अहमद ने करीब 380 वर्ग मीटर और मोवीन ने 180 वर्ग मीटर भूमि पर दीवार बनाकर कब्जा कर लिया। प्रभारी निरीक्षक के आदेश पर दोनों आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है।वहीं अब पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जान से मारने की धमकी पर रिपोर्ट दर्ज

दैनिक बुलंद मंजिल

सैफनी। नया सागरपुर निवासी पीड़िता दरकशा पत्नी गुलेहसन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 13 अप्रैल की शाम वह खेत पर गेहूं निकाल रही थीं।इसी दौरान उनकी बेटी अलीशा खेत पर आ गई, जिस पर उन्होंने उसे डांट दिया।आरोप है कि इसी बात को लेकर रात करीब 8 बजे उनके पति गुलेहसन, नूरे हसन व समीदन घर पहुंचे। तीनों ने गाली-गलौच शुरू कर दी।विरोध करने पर आरोपियों ने मारपीट की।पीड़िता ने जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। घटना के बाद वह थाने पहुंची और शिकायत दी।वहीं अब पुलिस ने पीड़िता द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

The Most Dangerous Climate Threat

K A Shaji

A recent study in the Climate Dynamics has, beyond doubt, revealed the clearest explanation of how the threat of moist heat, a combination of high temperature and high humidity that interferes with the body's ability to cool itself, is unfolding across India, especially Kerala.

The research project under the leadership of Akshay Deoras of the University of Reading in the UK, draws on more than 80 years of weather data to show how the southwest monsoon itself governs the timing and geography of moist heatwaves.

He said, "Our research shows for the first time that the monsoon is the key driver of where and when this deadly risk develops. Because we can forecast these monsoon patterns weeks ahead, this creates real opportunities to prepare and protect people."

For decades, heatwaves in India were defined by temperature thresholds. When the mercury crossed a certain point, warnings were issued and emergency measures were activated. But temperature alone does not capture what the human body experiences. The body cools itself through sweating. When humidity is high, sweat cannot evaporate efficiently. The cooling system begins to fail. Core body temperature rises. The heart works harder. In extreme cases, heatstroke can develop rapidly, sometimes within hours.

This is why scientists rely on wet-bulb temperature, which combines heat and humidity, rather than air temperature alone. It reflects the limits of human survivability far more accurately. Under conditions of high humidity, even moderate temperatures can become dangerous.

He points out that awareness itself is a challenge. "We often find people being more aware of dry heatwaves in India, given the scorching summer season, but moist heat remains less known and is therefore more dangerous," he said. "Outdoor public gatherings are notorious for causing heat exhaustion. Advance warning of a moist heatwave could allow organisers to reschedule activities and strengthen medical preparedness."

Kerala, with its long coastline, dense vegetation and monsoon driven climate, has always lived with humidity. But the baseline is shifting. Warmer days are now accompanied by warmer nights, reducing the body's ability to recover. Urban areas are retaining heat for longer. Coastal winds that once moderated temperatures are becoming less predictable. The result is a slow but steady accumulation of thermal stress.

The new study places Kerala within a larger national pattern shaped by the internal rhythms of the monsoon. At the centre of this is a large-scale atmospheric system known as the Boreal Summer Intraseasonal Oscillation. This system drives the active and break phases of the monsoon and, as the research shows, also determines where moist heatwaves are likely to occur.

During active phases of the monsoon, when heavy rainfall sweeps across central and northern India, regions such as the Indo-Gangetic plains face a sharp increase in moist heat risk. The study notes that under a specific phase of this oscillation, "heatwave occurrence over northern India rises by 125 per cent above normal levels".

When the monsoon enters a break phase, the geography of risk shifts. Rainfall reduces, cloud cover thins and surface temperatures begin to rise. But the moisture in the air does not disappear. It lingers. This is when peninsular India, including Kerala, becomes particularly vulnerable. The heat builds without relief, and the humidity ensures that the body cannot cope.

At the centre of this is a large-scale atmospheric system known as the Boreal Summer Intraseasonal Oscillation. This system drives the active and break phases of the monsoon and, as the research shows, also determines where moist heatwaves are likely to occur.

This shifting pattern has been consistent across more than eight decades of data. It is not random. It is part of the monsoon's internal rhythm. Crucially, it is also predictable. The same atmospheric system that drives these changes can be forecast up to four weeks in advance.

In Kerala, the lived experience of this science is already evident. In recent summers, the state has recorded instances of heat-related illness and deaths even when temperatures did not meet official heatwave criteria. Public health practitioners say this reflects a deeper problem in how heat risk is understood.

"Heat stress is not just about temperature. It is about how the body experiences heat," said a senior official associated with Kerala's State Disaster Management Authority. "In a place like Kerala, humidity plays a major role. We are seeing more cases where people feel severe stress even when temperatures are below heatwave thresholds."

Researchers studying coastal heat trends echo this concern. A recent analysis of India's coastal regions found that humid heat is rising steadily, with wet-bulb temperatures increasing over the past four decades. "The combination of high humidity and rising temperatures is reducing the window of safe outdoor work," said a climate scientist involved in the study. "This is particularly visible in coastal states like Kerala."

For communities that depend on outdoor labour, the implications are immediate. Fishworkers returning from sea report intense fatigue even during early hours. Construction workers in urban areas describe conditions where dehydration sets in rapidly despite frequent breaks.

"Earlier, the sea breeze would give some relief. Now even that feels warm," said a fisher from Alappuzha. "You feel tired very quickly. It is not like before."

The burden of this change is uneven. In Kerala, those most affected are often those with the least capacity to adapt. Low-income households without access to cooling, elderly people in poorly ventilated homes and workers in the informal sector are particularly vulnerable. Heat, in this context, becomes a question of equity as much as climate.The national picture reinforces this concern. A recent assessment by the Council on Energy, Environment and Water found that a majority of Indian districts now face high to very high heat risk. These districts are home to a large share of the country's population.

"India is entering an era where heat risk is becoming more complex and more widespread," said a researcher with the organisation. "It is no longer just about extreme temperatures. Humidity, nighttime heat and duration of heat events are all becoming critical factors."

Official data from recent years shows tens of thousands of suspected heatstroke cases across India during intense heat seasons, with hundreds of reported deaths. Public health experts believe these figures underestimate the true scale of the problem, as heat related mortality is often underreported or misclassified.

What makes moist heat particularly challenging is its invisibility. It does not always produce record breaking temperatures. It does not always trigger alarms. It is experienced in the body before it is recognised in data. Fatigue, dizziness, dehydration and a sense of suffocation become early warning signs.

Experts say India's heat response systems need to evolve quickly. "We need to move beyond temperature-based alerts," said a public health specialist working on heat action plans. "Heat index and wet-bulb temperature should be integrated into early warning systems, especially in humid regions."

The predictive capability highlighted in the new study offers a way forward. Because the monsoon's internal oscillations can be tracked weeks in advance, authorities have a window to prepare.

"Advance warnings could allow hospitals to increase staffing before moist heat related admissions rise, enable city authorities to open cooling centres and adjust school hours, and help power systems manage demand," Deoras said.

Such measures are not yet routine. In Kerala, as in much of India, the policy response is still catching up with the science. The state has made strides in disaster preparedness in the wake of repeated floods and landslides. Heat, however, has not received the same level of attention.

Climate projections suggest that the trends now being observed will intensify. Temperatures are expected to rise further. Humidity levels are likely to remain high. Extreme heat events may become more frequent.

For Kerala, this represents a shift in how climate risk is understood. The state's environmental narrative has long been shaped by water, by the excess of it during floods and the unpredictability of it during monsoon failures. Now, the air itself is becoming a source of risk.

The monsoon, once seen primarily as relief from summer heat, is revealing a more complex role. It can bring rain and respite. It can also create the conditions for a different kind of heat, one that does not burn the skin but overwhelms the body from within.

India now has the scientific tools to understand this emerging threat. The question is whether that understanding will translate into timely action. For states like Kerala, where humidity is a constant presence, the stakes are particularly high.

(Courtesy: DTE)

Geeta Aaharan

The Interplay of the Gunas

K SIVA PRASAD
Retired senior IAS officer in the Punjab Government.

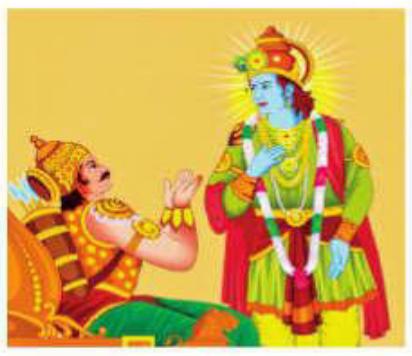

Lord Krishna states: "In reality, all actions are performed in every respect by the *gunas* (modes) of Nature; yet, the ignorant person—whose inner consciousness is deluded by ego—believes, 'I am the doer'" (3.27). "The wise person, who understands the truth regarding the distinction of the *gunas* and the distinction of actions, realizes that 'the *gunas* are merely interacting with the *gunas*,' and thus does not become attached to them" (3.28).

The fundamental teaching of the *Gita* is that there is no single "doer" behind any action; rather, every action is the result of the interplay between the *gunas*. The three *gunas*—Sattva, Rajas, and Tamas—exist within each of us in varying proportions. The Sattva *guna* represents an inclination toward knowledge; the Rajas *guna* signifies an attachment to action; and the Tamas *guna* leads toward lethargy.

It is worth noting that no *guna* is inherently superior or inferior to another; they are simply modes of nature. For instance, if a person is under the influence of the Rajas *guna*, they will be intensely driven toward activity and will be unable to sleep. Conversely, the Tamas *guna* is required in order to sleep.

Secondly, we need to become aware of whichever *guna* is currently dominating us. For example, under the influence of Tamas, a person becomes lethargic and sits on the sofa watching television. On the other hand, if their spouse happens to be under the influence of Rajas, they might wish to go out—perhaps to go shopping, watch a movie, or meet friends. The outcome of such a situation is the direct result of the interplay between the Tamas and Rajas *gunas*. Similar situations, driven by the interplay of these *gunas*, frequently arise in the workplace as well.

Lord Krishna suggests that we should transcend the *gunas* and attain the state of *Gunatita* (14.22–14.26)—a state in which we remain fully aware of the *gunas* currently dominating us, yet exist merely as a witness to their interplay within the material world.

(To be continued)

Possibility of Bird Flu Recurrence

A new reassortant highly pathogenic genotype of the avian influenza (HPAI) A(H5N1), commonly known as bird flu, has rapidly spread across the US and Canada, underlining the need for pandemic preparedness.

Clade 2.3.4.4b H5N1 virus, which emerged in late 2021, has affected more than 485 bird species and 48 mammal species worldwide. Now, a new study published in Nature Communications highlights that the new reassortant of genotype D1.1 nearly replaced clade 2.3.4.4b in North America by late 2024.

This genotype was found during the fall migration season of 2024, in September, and was mapped using active and passive methods of avian influenza surveillance across the United States and Canada.

Active surveillance involves samples from apparently healthy birds through live capture or hunter harvest, while passive surveillance includes sick and dead birds.

"These reassortant viruses have caused widespread mortality among wild birds and mammals, with nearly 14,500 wild bird and 650 mammal detections in the US alone," the study said.It said that Canada recorded HPAI in animals across 12 taxonomic orders and 80 wild bird species within the first year of introduction, with the true scale of impacts likely to be underestimated.

"Since February 2022, HPAI outbreaks have also severely impacted the poultry industry, affecting more than 2,000 US flocks and 186 million birds, and more than 14.5 million birds across 534 flocks in all Canadian provinces," the authors of the paper said.

They added that there have been 17 reported human A(H5N1) infections caused by genotype D1.1 viruses, of which four were severe and two fatal.

The emergence of the D1.1 viruses aligned with the autumn migration of birds from North American waterfowl towards the south, assisting their dissemination. But the emergence and spread of the virus across North America, and whether the mammalian-adaptive mutations in the human infections originated from wild bird viruses or arose de novo among humans, remain unclear to scientists.

Researchers found that the viruses in these human cases contained mammalian-adaptive markers (such as HA E190D and Q226H substitutions) that were entirely absent from the D1.1 sequences found in wild birds. Because these markers were not found in the bird population, scientists conclude that these mutations likely arose de novo (anew) within the human hosts during the course of the infection, the study said.

Need to Know About Women's Reservation Bill

The Central government on April 16 introduced three important Bills in the Lok Sabha to fast-track the implementation of 33 per cent reservation for women in Parliament and state Assemblies. These were the Constitution (One Hundred and Thirty-First Amendment) Bill, 2026, the Delimitation Bill, 2026, and the Union Territories Laws (Amendment) Bill, 2026. The move aimed to ensure that women could benefit from the Nari Shakti Vandan Adhiniyam as early as the 2029 general elections by delinking the reservation from the lengthy process of the next Census and subsequent delimitation. Here is a clear summary of all you need to know about the Women's Reservation Bill and the recent developments:

What were the three Bills introduced by the Central government in the Lok Sabha on April 16?

The Central government introduced three key Bills in the Lok Sabha: the Constitution (One Hundred and Thirty-First Amendment) Bill, 2026, the Delimitation Bill, 2026, and the Union Territories Laws (Amendment) Bill, 2026.

Why were these three Bills tabled in the Lok Sabha?

The Nari Shakti Vandan Adhiniyam provides that reservation for women will be implemented based on delimitation after the Census conducted post-2026. Waiting for the full Census and delimitation would have delayed the benefit of 33 per cent reservation even for the 2029 general elections. Therefore, to ensure timely benefits for half the population, the government decided to delink the implementation of the Act from this condition.

What benefits could these bills have produced if they had been passed?

A. If passed and approved, these Bills would have enabled women to receive 33 per cent reservation in the Lok Sabha as early as the 2029 general elections.

Why was delimitation linked with the Nari Shakti Vandan Adhiniyam, and why was there a proposal to increase seats?

A. Delimitation means finalising the boundary of a constituency and is essential for implementing women's reservation. The limit on seats in the Lok Sabha was set at 550 in 1976 when India's population was 54 crore. Today, the population is about 140 crore. Therefore, it is important to increase the number of seats to provide fair representation of people in Parliament.

Was there any attempt to modify the Delimitation Commission Act for political advantage? Would ongoing state elections be impacted?

A. The government proposed no change to the Delimitation Commission Act. The existing legal framework remains intact, and any recommendations of the Commission would require parliamentary approval and Presidential assent. Ongoing elections, including those in states like Tamil Nadu or West Bengal, would not be affected as elections up to 2029 will be conducted under the current system.

What was the rationale behind increasing Lok Sabha seats to 850?

A. The proposal was based on a proportional expansion approach. A uniform 50 per cent increase in seats would maintain the proportion for all states and union territories. Applying this principle to the current 543 seats would lead to approximately 816 seats. Therefore, the upper limit on seats was increased from the current cap of 550 seats in the Lok Sabha to 850 seats.

Would southern or smaller states have been adversely affected by the new delimitation proposal?

A. All states would see a uniform 50 per cent increase in seats. Southern states would not face any reduction in representation; rather, their overall share would remain stable. For example, Tamil Nadu's seats would increase proportionally, ensuring no disadvantage. Southern states currently hold 23.76 per cent of seats in the Lok Sabha with 129 seats out of 543. After the proposed increase, their share would be approximately 23.87 per cent with 195 seats out of 816. Their proportional representation would thus stay almost the same, protecting their influence in Parliament while giving every region more voices overall.

Would states that have controlled population growth face any disadvantage?

A. No, as the increase in seats was proposed uniformly across states, their proportional representation would remain unchanged or slightly improve.

दैनिक बुलन्द मंज़िल

Glamour

संभल
मंगलवार , 21 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

BOLLYWOOD CELEBS CHEER DEEPIKA-RANVEER'S 2ND PREGNANCY

@deepikapadukone @ ranveersingh ... congratulations you guys."

Deepika Padukone and Ranveer Singh are all set to become parents for the second time. The Bollywood couple announced their second pregnancy on Sunday with an adorable social media post.

Deepika took to her official Instagram handle and uploaded a cute picture of little Dua holding a positive pregnancy test, with only two evil eye emojis as the caption.

Elated to have learned about the happy news, many prominent names from the entertainment world showered the parents-to-be with lovely wishes in the comment section.

Priyanka Chopra, Kiara Advani, Sidharth Malhotra, Sonam Kapoor, Bhumi Pednekar, and Parineeti Chopra flooded the comment section with 'Congratulations' for Deepika and Ranveer on their new journey.

Additionally, Ananya Panday commented, Omgggggg (red heart emoji) biggggggest love (Evil eye emoji)."

Arjun Kapoor wrote, "Dua gets her partner in crime".

Neha Dupia added, "Oh my... what amazing news...

Mouni Roy shared, "Yay yay yay yay. Heartiest congratulations to you both + 1".

Deepika and Ranveer came close while shooting Sanjay Leela Bhansali's "Goliyon Ki Raasleela Ram-Leela".

In 2015, while on a romantic getaway to the Maldives, Ranveer proposed to Deepika. However, the couple kept their engagement a secret for almost three years.

Finally, putting the rumor mills to rest, the couple got married on November 14 and 15, 2018, in a lavish ceremony at Italy's Lake Como. Deepika and Ranveer welcomed their first child, daughter Dua on September 8, 2024.

Disclosing her name on social media, 'Dua Padukone Singh', Deepika and Ranveer wrote, "Dua: meaning a prayer. Because she is the answer to our prayers. Our hearts are filled with love & gratitude."

Ranveer and Deepika are known to have displayed some electrifying chemistry in their noteworthy releases 'Goliyon Ki Raasleela Ram-Leela' (2013), 'Bajiroa Mastani' (2015), 'Padmaavat' (2018), and '83' (2021) over the years.

Ananya Panday tells Lakshya Lalwani 'stay exactly who you are' on birthday

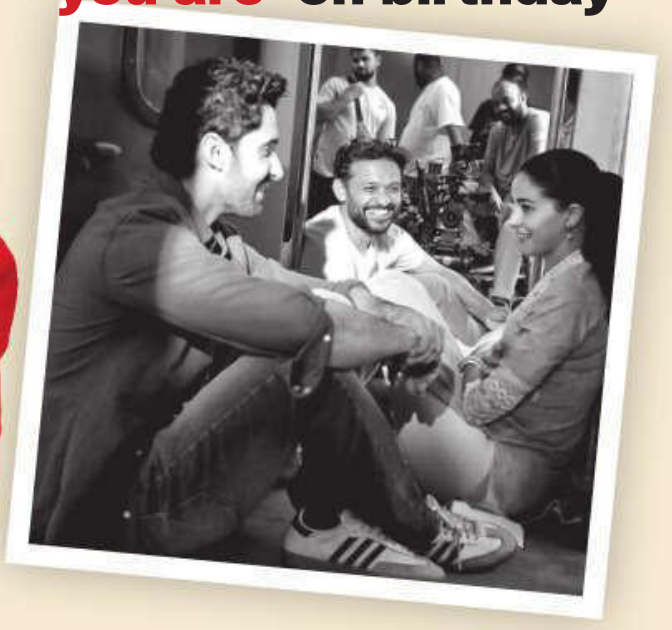

Actress Ananya Panday penned a heartfelt birthday wish for her 'Chand Mera Dil' co-star Lakshya on Sunday.

Treating the netizens with a couple of black-and-white behind-the-scenes photos, Ananya advised Lakshya to remain exactly as he is as according to her, it is his biggest 'khaasiyat'.

She wrote on her official Instagram handle, "Happy Birthday, @lakshya! The Aarav to this Chandni...Watching your journey was one thing...but sharing the screen with you now feels like seeing that same find its full moment. Stay exactly who you are... because that's your real khaasiyat. (sic)"

On Tuesday, the makers revealed the title track from "Chand Mera Dil", which has been crooned by Faheem Abdullah of 'Saiyaara' fame. The video of the song features the lead pair, Ananya and Lakshya, romancing one another.

Talking about the track, Faheem Abdullah had said, "There's a delicate innocence in 'Chand Mera Dil' that instantly captivated me to sing it. The song isn't just about love; it's about those quiet moments that define it. I wanted my voice to mirror that intimacy, carrying warmth, honesty, and a deeply personal emotion that connects with every listener".

Composer duo, Sachin - Jigar added, "With 'Chand Mera Dil', our aim was to craft a melody that feels both timeless and fresh. We focused on letting the emotion guide the composition, keeping it minimal yet deeply impactful, so every note stays with the listener long after the song ends. Collaborating with Amitabh Bhattacharya is always a wonderful experience, and Faheem's soulful vocals truly elevate the magic. The title track is the very heart and soul of the film".

Ananya and Lakshya will be sharing screen space for the first time in "Chand Mera Dil".

The drama is being made under the direction of Vivek Soni, who rose to fame with the 2021 film "Meenakshi Sundareshwar". Presented by Dharma Productions and jointly produced by Karan Johar, Adar Poonawalla, Apoorva Mehta, Somen Mishra, and Marijke de Souza, "Chand Mera Dil" is slated to get a theatrical release on May 22.

Shubhangi Atre on working with Shilpa Shinde: "I'M AN ACTOR"

Television actress Shubhangi Atre revealed whether she will work with Shilpa Shinde while speaking exclusively to IANS.

She shared that she loves the camera and is here to work. Shubhangi added that she would love to work with everyone.

Shubhangi was asked, "Given the opportunity, will you be willing to work with Shilpa Shinde?"

To this, she replied, "Yes, of course, why not. I am an actor. It is my duty to work, irrespective of who is in front of me. I love the camera, I would love to work with everyone."

She further pointed out that one should keep their personal and professional lives separate. She added that she is here to work and not promote grudges with anyone.

"I love the camera, and I wish to work till my last breath. I do not have any restrictions regarding whom I want to work with. I would love to work with everyone," added Shubhangi.

Previously, Shubhangi shared how she constructed her character in the film adaptation of the popular show, 'Bhabiji Ghar Par Hain! Fun On The Run'.

Shubhangi, who reprised her beloved character Angoori Bhabhi in 'Bhabiji Ghar Par Hain! Fun On The Run', said that the narrative of the movie did provide a new dimension to her character.

Asked if the shift from a television format to a film had an impact on how she built her performance, Shubhangi said, "No, I do not think so. We had to stay true to the character the way the audience has loved her for the past ten years. I do not think there was a need to do anything different".

Rakul Preet Singh wishes father-in-law Vashu Bhagnani, calls his zest for life inspiring

Actress Rakul Preet Singh penned a sweet birthday wish for her father-in-law and filmmaker Vashu Bhagnani as he turned a year older on Sunday.

Posting a couple of family photos with the producer on social media, Rakul admitted that she is constantly inspired by his positivety and zest for life.

Wishing him happiness and health, the 'De De Pyaar De' actress shared on her official Instagram handle, "Happpy bdayyyyy dad @vashubhagnani Another year of celebrating you and the incredible energy you bring into all our lives! Wishing you endless happiness, great health and all that you truly wish for. (sic)"

"Your positivity and zest for life are so inspiring... and I'm so grateful for all the love and warmth you give me every day. Big hug and lots of love always... happpy bdayyyyy," she added. Rakul is married to actor and filmmaker Jackky Bhagnani. The two had been neighbors for a long time but had never crossed paths until the COVID-19 lockdown. During the pandemic, they started to interact more frequently and formed a close bond.

Tamannaah Bhatia offers prayers at the Tirumala temple

Actress Tamannaah Bhatia visited the Tirumala Temple in Andhra on Sunday to seek the blessings of Lord Venkateswara, an incarnation of Lord Vishnu.

The 'Baahubali' actress took to the Stories section of her official Instagram handle and published a photo, posing outside the temple with the fellow devotees.

In the pic, Tamannaah was seen opting for a simple yet elegant pink ethnic wear, with a red dupatta draped around her.

Before that, the 'F3' actress had uploaded a video of herself from the car on her way to the temple.

It must be noted that Venkateswara is believed to have appeared on earth to save mankind from the trials and troubles of Kali Yuga. The place is also called Kaliyuga Vaikuntha. The deity is referred to as Kaliyuga Prathyaksha Daivam.

Tamannaah's Insta family eagerly awaits the exciting social media updates from her personal and professional life.

On Friday, she decided to provide an insight into her late-night routine. Tamannaah shared how painting her nails in the middle of the night still reminds her of her childhood days.

She took to her Insta Stories at 3.02 AM and shared a picture of her freshly painted nails.

Adding the time stamp, she wrote, "Me painting my nails in the middle of the night is basically me from my childhood."

Work-wise, Tamannaah will soon be seen as the leading lady in "Vvan – Force of the Forrest" in which she will be seen sharing the screen with Sidharth Malhotra for the first time.

Made under the direction of Deepak Mishra and Arunabh Kumar, the film is backed by Shobha Kapoor, Ektaa R Kapoor, Arunabh Kumar, and Niraj Kothari.

Initially scheduled to be out around the festival of Chhatt in 2025, "Vvan – Force of the Forrest" will now get a theatrical release on May 15.

Furthermore, Tamannaah will also be a part of "Ragini 3". Headlined by Shashanka Ghosh, the movie will also see Aamir Khan's son Junaid Khan in a crucial role.

दैनिक
बुलन्द मंज़िल

व्यापार

संभल
मंगलवार , 21 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

साप्ताहिक निफ्टी पर ओपन इंटरेस्ट

24800-24000 के बीच निफ्टी की संभावना

21 अप्रैल को समाप्त होने वाले निफ्टी अनुबंधों के लिए ओपन इंटरेस्ट में निम्नलिखित परिवर्तन देखा गया है:

कॉल ओपन इंटरेस्ट का अधिकतम स्तर 24,800 पर है, इसके बाद 24,500 और 24,300 पर है, जो 24,500-24,600 के स्तर पर संभावित प्रतिरोध का संकेत देता है।पुट ओपन इंटरेस्ट का अधिकतम स्तर 24,000 पर है, इसके बाद 24,200 और 23,800 पर है, जो 24,100-24,000 के स्तर पर समर्थन का संकेत देता है।

***नोट:** ओपन इंटरेस्ट की कई व्याख्याएँ हो सकती हैं; हालाँकि, सामान्यत:, गिरते बाजार में कॉल ओपन इंटरेस्ट में वृद्धि प्रतिरोध का संकेत देती है, जबकि बढ़ते बाजार में पुट ओपन इंटरेस्ट में वृद्धि समर्थन का संकेत देती है।*

स्वदेश के साथ सीखें

कूपन दर

यह बॉन्ड जारीकर्ता द्वारा निवेशक को भुगतान की जाने वाली निश्चित वार्षिक ब्याज दर है ।इसकी गणना बॉन्ड के अंकित मूल्य पर की जाती है, न कि बाजार मूल्य पर ।प्रभावी ब्याज का भुगतान आमतौर पर परिपक्वता तक नियमित रूप से (छमाही या वार्षिक) किया जाता है ।उच्च कूपन दर का अर्थ है निवेशकों के लिए उच्च नियमित आय ।उदाहरण- यदि किसी बॉन्ड का अंकित मूल्य 1,000 रुपये है और कूपन दर 7 प्रतिशत है, तो निवेशक प्रति वर्ष 70 रुपये कमाता है ।

पीपीएफ पर लोन

बचत निकाले बिना, पूरी करें जरूरतें

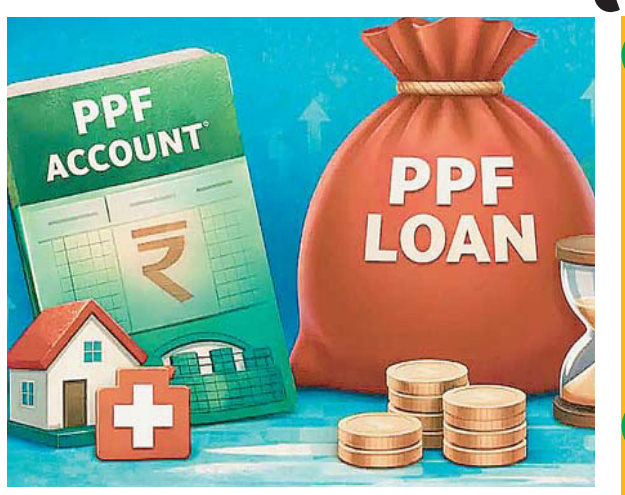

पब्लिक प्रोविडेंट फंड न केवल निवेश के लिए बेहतरीन है, बल्कि यह संकट के समय आपकी मदद भी कर सकता है। अगर आपको पैसों की सख्त जरूरत है, तो आप अपने पीपीएफ बैलेंस पर लोन ले सकते हैं।

समय सीमा: आप पीपीएफ खाता खोलने के तीसरे वित्तीय वर्ष से छठे वित्तीय वर्ष के अंत तक लोन ले सकते हैं। उदाहरण के लिए, यदि आपने खाता 2022-23 में खोला है, तो आप 2024-25 से लोन के लिए पात्र होंगे।

□ ज्ञानेश पाठक

कितना लोन मिलेगा आप अपने खाते में जमा कुल राशि का अधिकतम 25 प्रतिशत तक लोन ले सकते हैं। यह गणना लोन आवेदन वाले वर्ष से दो साल पहले के बैलेंस पर की जाती है।

ब्याज दर : पीपीएफ लोन पर ब्याज दर, पीपीएफ पर मिलने वाले मौजूदा ब्याज से केवल 1 फीसदी अधिक होती है। जैसे, यदि अभी पीपीएफ पर 7.1 प्रतिशत ब्याज मिल रहा है, तो लोन पर 8.1 प्रतिशत ब्याज लगेगा।

लोन चुकाने के नियम: लोन को अधिकतम 36 महीनों के भीतर चुकाना होता है। पहले आपको मूलधन चुकाना होगा, उसके बाद दो मासिक किस्तों में ब्याज चुकाना होगा।

चूक की स्थिति: यदि आप 36 महीनों में लोन नहीं चुका पाते हैं, तो ब्याज की दर 1 प्रतिशत के बजाय 6 फीसदी (पेनल्टी) तक बढ़ सकती है।

आवेदन की प्रक्रिया

फॉर्म डी : लोन लेने के लिए आपको अपने बैंक या पोस्ट ऑफिस में फॉर्म डी भरकर जमा करना होगा।

दस्तावेज: इसके साथ आपको अपनी पीपीएफ पासबुक और एक आवेदन पत्र देना होगा।

यह कब फायदेमंद है

सस्ता विकल्प: यह पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड लोन की तुलना में बहुत सस्ता है। इसके लिए आपको किसी संपत्ति या गारंटी की जरूरत नहीं होती।

क्रेडिट स्कोर का असर नहीं: इसमें बैंक आपके सिबिल स्कोर पर ज्यादा ध्यान नहीं देते क्योंकि आपका पैसा पहले से ही उनके पास है।

सावधानियां और नुकसान

ब्याज का नुकसान: जब तक आपका लोन बकाया रहता है, तब तक आपके पीपीएफ खाते में उतनी राशि पर आपको मिलने वाला वार्षिक ब्याज (7.1 प्रतिशत) बंद हो जाता है।

लक्ष्य में देरी: यह आपके रिटायरमेंट फंड की वृद्धि को धीमा कर सकता है।

अस्थाई सुविधा: यह केवल छठे वर्ष तक ही उपलब्ध है। सातवें वर्ष से आप आंशिक निकासी कर सकते हैं, जिस पर ब्याज नहीं देना पड़ता।

सलाह : लोन लेने से पहले आपके पास 5-6 महीने के खर्चों के बराबर एक इमरजेंसी फंड होना चाहिए। पीपीएफ लोन का उपयोग केवल तभी करें जब आपके पास कोई अन्य विकल्प न हो।

वैश्विक तनाव के बीच नतीजों से होगी धारणा प्रभावित

शेयर बाजार समीक्षा

इस हफ्ते शेयर बाजार की नजर कई बड़े फैक्टर्स पर रहने वाली है, जिनमें अमेरिका-ईरान तनाव, कच्चे तेल की कीमतें और कंपनियों के तिमाही नतीजे प्रमुख रूप से शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन्हीं घटनाक्रमों से बाजार की आगे की दिशा तय होगी।

अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा भू-राजनीतिक तनाव फिलहाल सबसे अहम ट्रिगर बना हुआ है। इसका सीधा असर कच्चे तेल की कीमतों और वैश्विक निवेश माहौल पर पड़ता है। अमेरिका और ईरान के बीच घोषित संघर्ष विराम 22 अप्रैल को समाप्त हो रहा है, इसलिए आने वाले दिनों में इस पर भी बाजार की नजर बनी रहेगी। घरेलू मोर्चे पर निवेशकों का ध्यान कंपनियों के चौथी तिमाही के नतीजों पर रहेगा। इन नतीजों से कंपनियों की कमाई और आगे के कारोबार की स्थिति का अंदाजा लगेगा। इसके अलावा, विदेशी निवेशकों यानी एफआईआई की ट्रेडिंग गतिविधियां भी बाजार की चाल को प्रभावित करेंगी। अगर विदेशी निवेशकों की खरीद या बिकवाली बढ़ती है तो उसका सीधा असर सेंसेक्स और निफ्टी पर दिख सकता है। शेयर बाजार में इस हफ्ते निवेशकों की नजर सबसे पहले देश के बड़े प्राइवेट बैंकों के तिमाही नतीजों पर रहेगी। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, शुरुआत में एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे दिग्गजों के परिणामों पर बाजार की प्रतिक्रिया देखने को मिलेगी। इसके बाद एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, हैवेल्स, इंडसइंड बैंक और श्रेयराम फाइनेंस जैसी कई बड़ी कंपनियां अपने नतीजे जारी करेंगी। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले हफ्ते में शेयर बाजार की दिशा तय करने में कंपनियों के चौथी तिमाही के नतीजे अहम भूमिका निभाएंगे।

इतिहास के आईने में सोने की कीमतें

वर्ष	कीमत (रूपये में)	वर्ष	कीमत (रूपये में)
1955	79	2015	26343
1960	111	2020	48651
1970	184	2022	56100
1980	1330	2023	61100
1990	3200	2024	74100
2000	4400	2025	113000+
2005	7000	2026	156000+
2010	18500		

सोने की कीमतें प्रति दस ग्राम में।

विदेशी और देशी संस्थागत निवेशक गतिविधि (करोड़ में)

तारीख	विदेशी संस्थागत	देशी संस्थागत	एफआईआई + डीआईआई
16 अप्रैल	382	-3428	3045
15 अप्रैल	666	-569	97
13 अप्रैल	-1983	2432	499
10 अप्रैल	672	410	1082
9 अप्रैल	-1711	956	755

कई हफ्तों के बाद बीते सप्ताह विदेशी निवेशक बाजार में लौटते दिखे। सप्ताह में उन्होंने तीन दिन खरीददारी की, जबकि दो दिन वह बेचवाल बने रहे। इसके विपरीत घरेलू निवेशकों का व्यवहार पलटते दिखा। दो दिन उन्होंने शेयर बाजार में विकवाली की। जबकि तीन दिन वह भी बाजार में खरीददारी करते दिखे। खास बात यह है कि 16 अप्रैल को उन्होंने 3428 करोड़ की विकवाली की। पिछले दो-तीन सालों से विदेशी निवेशकों के व्यवहार के ठीक विपरीत घरेलू निवेशकों का रवैया रहा है।

दिल की बीमारी और स्वास्थ्य बीमा

□ नईदिल्ली

कभी दिल की बीमारी को बुढ़ापे की बीमारी या किसी सदमे का नतीजा माना जाता था मगर अब ऐसा बिल्कुल नहीं रह गया है। भारत में 20 साल की उम्र गुजार चुके युवाओं को भी अब दिल की बीमारियों से जूझना पड़ रहा है। आजकल दिल की बीमारी के लिए बीमा कंपनियों के पास आने वाले दावों में हर तीन में से एक दावा 1.7 लाख रुपये से ऊपर का होता है। ये आंकड़े कर्मचारी बीमा एवं स्वास्थ्य लाभ कंपनी ने दिए हैं, जिसका कहना है कि मरीज आईसीयू में पहुंच जाए या सर्जरी की नौबत आ जाए तो दावा 5 लाख रुपये से भी ज्यादा का हो जाता है।

इंश्योरेंस ब्रोकर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रेसिडेंट नरेंद्र भरिंदवाल कहते हैं, 'भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि इस समय लगभग 6 से 7 करोड़ भारतीयों को दिल की कोई न कोई बीमारी जरूर है।' उनका कहना है कि भारत में हर साल इस बीमारी के 20-25 लाख नए मामले सामने आ जाते हैं।

कम उम्र में बीमारी के नुकसान: दिल की बीमारी कम उम्र में ही हो जाए तो बीमा हासिल करना मुश्किल हो जाता है। स्टेवेल डॉट हेल्थ के सह संस्थापक अरुण राममूर्ति कहते हैं, 'इसकी वजह से अंडरराइटिंग के समय जांच-पड़ताल ज्यादा होती है और ट्रेडमिल टेस्ट, ईको और एंजियोग्राफी जैसी कई चिकित्सा जांच भी करानी पड़ती हैं।' बीमा मिल जाए तो भी ग्राहक दो से तीन साल बाद ही दिल की बीमारी से जुड़े दावे कर सकता है।बीमा कंपनियां सामान्य स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी दे सकती हैं। भरिंदवाल आगाह करते हैं, 'लेकिन वे रिस्क लोडिंग के जरिये ज्यादा प्रीमियम ले सकती हैं और दिल की बीमारी के दावों पर वेटिंग पीरियड भी लगा सकती हैं। दिल से जुड़े कुछ इलाजों को पॉलिसी से हमेशा के लिए बाहर रखा जा सकता है या एंजियोप्लास्टी और बाईपास सर्जरी आदि पर सब-लिमिट लगाई जा सकती है।'

राममूर्ति बताते हैं कि प्रीमियम : 30 से 80 फीसदी तक बढ़ सकता है और इलाज के कुल बिल में 10 से 30 फीसदी तक को-पे के नाम पर ग्राहक को देना पड़ सकता है। अगर बीमारी ज्यादा गंभीर है या हाल-फिलहाल हुई है तो बीमा कंपनी स्टैंडर्ड स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी देने से इनकार भी कर सकती है।

स्पेशलाइज्ड पॉलिसी कब लें?: स्पेशलाइज्ड इनडेम्निटी हार्ट पॉलिसी में दिल की बीमारी के साथ दूसरी बीमारी और सर्जरी आदि भी शामिल होती हैं। मगर ये उन्हीं के लिए काम की हैं, जिन्हें दिल की बीमारी हो चुकी है या जिनकी एंजियोप्लास्टी अथवा बाईपास सर्जरी हो चुकी है। राममूर्ति की सलाह है, 'अगर स्टैंडर्ड पॉलिसी नहीं मिल रही हो, प्रीमियम बहुत ज्यादा बढ़ा दिया गया हो या ग्राहक ज्यादा जल्दी और खास तरह का बीमा कवरेज चाहता हो तो स्पेशलाइज्ड कार्डियक पॉलिसी पर विचार किया जा सकता है।'

कैसे काम करती हैं पॉलिसी: स्पेशलाइज्ड हार्ट पॉलिसी दो तरह की होती हैं- इनडेम्निटी वाली और बेनिफिट देने वाली। दिल की बीमारी से जुड़ा जो भी खर्च अस्पताल में भर्ती होने पर किया जाता है, वह इनडेम्निटी पॉलिसी में वापस हो जाता है। अगर फिक्स्ड बेनिफिट प्लान लिया जाता है तो दिल की बीमारी का पता लगने पर एकमुश्त रकम ग्राहक को थमा दी जाती है। इस श्रेणी में ग्राहक या तो दिल की बीमारी के लिए खास प्लान चुन सकता है या गंभीर बीमारियों की बीमा पॉलिसी ले सकता है। गंभीर बीमारियों की पॉलिसी में उसे कई बीमारियों में बीमा का लाभ मिल जाएगा।

नियम और शर्तें सख्त: जिन लोगों को दिल की बीमारी पहले ही हो चुकी है, उनहें स्पेशलाइज्ड इनडेम्निटी पॉलिसी खरीदने पर थोड़ा ज्यादा प्रीमियम चुकाना पड़ सकता है। इसमें बीमा की रकम भी कुछ कम हो सकती है। एक बड़ी चिंता यह भी होती है कि इलाज के दौरान अपनी जेब से ज्यादा पैसा खर्च करना पड़ सकता है।

इंश्योरेंस समाधान की सह संस्थापक और चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर (सीओओ) शिल्पा अरोड़ा समझाती हैं, 'सबलिमिट, कॉपी की शर्त और नॉन-पेयेबल आइटम्स की वजह से पॉलिसी खरीदने वाले को अपनी जेब से ज्यादा खर्च करना पड़ सकता है।'

पॉलिसी खरीदने में रखें ध्यान: जब स्वास्थ्य बीमा खरीदें तो बीमा की रकम कम से कम उतनी जरूर रखें कि आपके इलाज का पूरा खर्च निकल आए। यूनिवर्सल सोम्पो जनरल इंश्योरेंस की चीफ टेक्नीकल ऑफिसर आरती मलिक कहती हैं, 'अगर पॉलिसीधारक दिल के वरिष्ठ डॉक्टर से इलाज पसंद करता है तो बीमा की रकम पर्याप्त होनी चाहिए।' यह भी जरूर देख लें कि अस्पताल में कमरे के किराये या आईसीयू के खर्च पर कोई सब-लिमिट न हो। कमरे के किराये में सही लिमिट चुनना बहुत जरूरी होता है। 'अस्पताल में भर्ती होने पर जो कमरा चुना जाता है, इलाज से जुड़े सारे खर्च उसी के हिसाब से कम या ज्यादा होते हैं।'

सोना खरीदने के कई तरीके, निवेश और आभूषण में अंतर समझें

□ मुंबई

इस बार अक्षय तृतीया 19 अप्रैल को सोने चांदी की दुकानों पर खास खरीददारी नहीं दिखाई दी । अक्षय तृतीया पर सोना खरीदना समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। मगर मौजूदा हालात में आभूषणों के अलावा भी कई विकल्प मौजूद हैं जहां निवेशक दांव लगा रहे हैं। निवेशक चाहें तो सिक्कों और आभूषणों से लेकर एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) और सॉवरिन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) में सहजता के साथ निवेश कर सकते हैं। मगर बड़ा सवाल यह है कि लोग सोने की खरीदारी उपभोग या निवेश के लिए कर रहे हैं।

सोने की ऊंची कीमतों और बदलते कर नियमों वाले इस साल में यह अंतर आपके प्रतिफल में बड़ा फर्क ला सकता है। 'अक्षय' का अर्थ है 'कभी न घटने वाला'। लोगों में ऐसी मान्यता रही है कि अक्षय तृतीया पर सोने की खरीदारी दीर्घकालिक समृद्धि लेकर आती है।

रिद्धि सिद्धि बुलियंस के प्रबंध निदेशक एवं इंडिया बुलियन ऐंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष पृथ्वीराज कोठारी कहते हैं, 'इस त्योहार पर भारत में सोने की खरीदारी जमकर होती है। अक्सर एक ही दिन में सालाना खुदरा मांग के 10-15 प्रतिशत हिस्से की खरीदारी इसी दिन हो जाती है। कीमतें आसमान पर होने के बावजूद वर्ष 2026 में भी छोटे सिक्के या आभूषण खरीदने की परंपरा कायम रही है।

मोटे अनुमान के मुताबिक अक्षय तृतीया के दिन 20-30 टन सोने का लेन-देन होता है। देश में अक्षय तृतीया उन बड़े अवसरों में एक है जिन पर सोने की जमकर खरीदारी होती है।

उपभोग या निवेश: अक्षय तृतीया पर खरीदे गए आभूषणों पर अक्सर 8-25 प्रतिशत निर्माण शुल्क और 3 प्रतिशत वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के साथ-साथ दोबारा बिक्री पर कर (रीसेल डिडक्शन) भी लगता है। इससे यह एक कुशल निवेश के बजाय उपभोग से जुड़े खर्च में तब्दील हो जाता है। इसके विपरीत गोल्ड ईटीएफ और सॉवरिन गोल्ड बॉन्ड की लागत कम होती है और ये कीमतों के लगभग इर्द-गिर्द चलते हैं। भावना से प्रभावित खरीदारी में उपभोग और निवेश के बीच अंतर करना महत्त्वपूर्ण है क्योंकि केवल निवेश-योग्य सोना ही दीर्घकालिक संपत्ति बनाने में सहायक होता है।' जून 2021 से हॉलमार्क की प्रामाणिकता का सत्यापन शुरू होने के बाद खरीदारों को प्रामाणिकता सुनिश्चित करने के लिए जांच करनी चाहिए। 'शोरूम में आवर्धक लेंस का उपयोग करके भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) का लोगो (बीआईएस का त्रिकोणीय चिह्न) और शुद्धता या महीनता का चिह्न जैसे 22के916, 18के750, या 14के585 जरूर देखें।' प्रत्येक आभूषण पर एक विशिष्ट हॉलमार्क पहचान (एचयूआईडी) भी होनी चाहिए जो आभूषण पर लेजर से उकेरा गया छह अंकों का अल्फान्यूमेरिक कोड होता है। इससे इसकी पहचान सुनिश्चित होती है और इसकी प्रामाणिकता की पुष्टि होती है।

सोने में निवेश

निवेश विशेषज्ञों के अनुसार अक्षय तृतीया पर आभूषणों की छोटी-मोटी खरीदारी तो ठीक है मगर निवेश संबंधी निर्णय लेने से पहले पूरी सावधानी बरतनी चाहिए। अरुणासेट इन्वेस्टमेंट सर्विसेज के सह-संस्थापक एवं पार्टनर अंकित पटेल कहते हैं, 'गोल्ड ईटीएफ और सॉवरिन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) का मूल्यांकन कीमत, संरचना, तरलता, कर दक्षता और समग्र परिसंपत्ति आवंटन के आधार पर किया जाना चाहिए। टोकन खरीदना ठीक है मगर बड़े निवेश के लिए अनुशासित वित्तीय योजना का पालन करना आवश्यक है।'

बीआईएस केयर ऐप का हाकरें उपयोग: बीआईएस केयर ऐप अपने 'एचयूआईडी सत्यापित करें' फीचर के माध्यम से आभूषणों की प्रामाणिकता सत्यापित करने का एक सरल तरीका प्रदान करता है। आभूषण पर अंकित छह अंकों के अल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज कर उपयोगकर्ता तुरंत आभूषण विक्रेताओं का पंजीकरण, हॉलमार्किंग तिथि, शुद्धता, वस्तु का प्रकार और हॉलमार्किंग केंद्र जैसी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। अगर ऐप 'कोई रिकॉर्ड नहीं मिला' दिखाता है तो यह इस बात का प्रबल संकेत है कि एचयूआईडी नकली हो सकता है।

सही शुद्धता का चुनाव कैसे करें: खरीदारों को सोने की शुद्धता का चुनाव न केवल अपने बजट के अनुसार करना चाहिए बल्कि उपयोग और टिकाऊपन के आधार पर भी करना चाहिए। 22 कैरेट (91.6 प्रतिशत शुद्ध) सोना अपने समृद्ध रंग के कारण चेन और चूड़ियों जैसे पारंपरिक साधारण आभूषणों के लिए आदर्श है मगर यह अपेक्षाकृत नरम होता है और इस पर खरोंच लगने की संभावना अधिक होती है।

चालान (इनवॉइस) होता है अहम: सोना खरीदते समय एक औपचारिक चालान आपकी प्रमुख कानूनी सुरक्षा है। इसमें एययूआईडी, वजन, सोने की दर और निर्माण शुल्क का उल्लेख होना चाहिए। इसके बिना बीआईएस केयर ऐप के माध्यम से शिकायत करना मुश्किल हो जाता है और कई आभूषण विक्रेता रीसेल डिसक्शन पर पूरा पुनर्खरीद मूल्य देने से इनकार कर सकते हैं। बीआईएस-लाइसेंस प्राप्त ज्वैलर्स से खरीदें। बीआईएस हॉलमार्क वाले सोने की बिक्री करने वाले अधिकृत आभूषण विक्रेता एक रजिस्टर रखते हैं। उनसे खरीदने से प्रामाणिकता और जवाबदेही सुनिश्चित होती है। कोइराह बाय ऑगमोंट की संस्थापक नमिता कोठारी कहती हैं,'मानकीकरण का यह प्रयास अब सोने से आगे बढ़ रहा है। प्रयोगशाला में तैयार हीरों के लिए स्पष्ट प्रमाणन मानदंडों से उपभोक्ता विश्वास बढ़ाने में मदद मिल रही है।' अगर बीआईएस द्वारा मान्यता प्राप्त परख केंद्र शुद्धता में कमी पाता है तो ग्राहक बीआईएस में शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

गोल्ड ईटीएफ का चयन

गोल्ड ईटीएफ खरीदते समय निवेशकों को पोर्टफोलियो की संरचना की जांच करनी चाहिए। हालांकि, सेबी कहता है कि कम से कम 95 प्रतिशत आवंटन सोने और संबंधित उपकरणों में अनिवार्य है। इसमें डेरिवेटिव भी शामिल हो सकते हैं जिसका अर्थ है कि गैर-भौतिक जोखिम अहम हो सकता है। निवेशकों को अधिक भौतिक सोने के समर्थन और कम डेरिवेटिव जोखिम वाले ईटीएफ को प्राथमिकता देनी चाहिए।

गोल्ड फंड-ऑफ-फंड्स: फायदे और नुकसान

गोल्ड फंड-ऑफ-फंड्स (एफओएफ) डीमैट खाते के बिना सोने में निवेश करने का एक सरल तरीका प्रदान करते हैं क्योंकि निवेशक इन्हें नियमित म्युचुअल फंड इकाइयों की तरह खरीद और बेच सकते हैं। यह उन्हें व्यवस्थित निवेश योजनाओं (एसआईपी) के लिए आदर्श बनाता है। ये बोली-पूछताछ स्प्रेड और मूल्य निर्धारण की अक्षमताओं जैसे निष्पादन जोखिमों को भी कम करते हैं ।' संपत्ति प्रबंधन कंपनी ईटीएफ के गलत मूल्य निर्धारण की अवधि के दौरान आवक का प्रबंधन कर सकती है जिससे निवेशकों को बढ़ी हुई कीमतों पर खरीदने से बचने में मदद मिलती है। हालांकि, निवेशकों को अभी भी लागत, कराधान और अंतर्निहित ईटीएफ की संरचना पर नजर रखनी चाहिए।'

द्वितीयक बाजार में एसजीबी: क्या ये फायदेमंद हैं

केंद्रीय बजट 2026 ने सॉवरिन गोल्ड बॉन्ड में द्वितीयक बाजार निवेश को कम आकर्षक बना दिया है क्योंकि पूंजीगत लाभ कर छूट अब केवल मूल ग्राहकों पर लागू होती है जो परिपक्वता तक बॉन्ड रखते हैं। द्वितीयक खरीदारों को अब यह लाभ नहीं मिलता है। एसजीबी अभी भी 2.5 प्रतिशत सालाना ब्याज, सरकारी समर्थन और बिना भंडारण लागत के लाभ प्रदान करते हैं। परिपक्वता तक रखने पर पिछले निर्गम ने अच्छा रिटर्न दिया है। हालांकि, कर लाभ के बिना निवेशकों को द्वितीयक बाजार से खरीदते समय अधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता है।' वर्तमान में कई एसजीबी ट्रेंच स्टॉक एक्सचेंजों पर मौजूदा हाजिर सोने की कीमतों से कम कीमत पर कारोबार कर रहे हैं।